नई दिल्ली । रविवार , 19 अप्रैल, 2026
बैशाख कृष्ण पक्ष नवमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :103 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल भारतीय महिला हॉकी टीम की जबरदस्त वापसी...
@ साहित्य केसरी लैम्पपोस्ट...
@ व्यापार अमेरिका -ईरान शांति वार्ता के चलते ...

'विपक्ष महिला आरक्षण बिल के भ्रूणहत्या के गुनहगार'

'महिला आरक्षण बिल पास नहीं हुआ, माफी मांगता हूं'

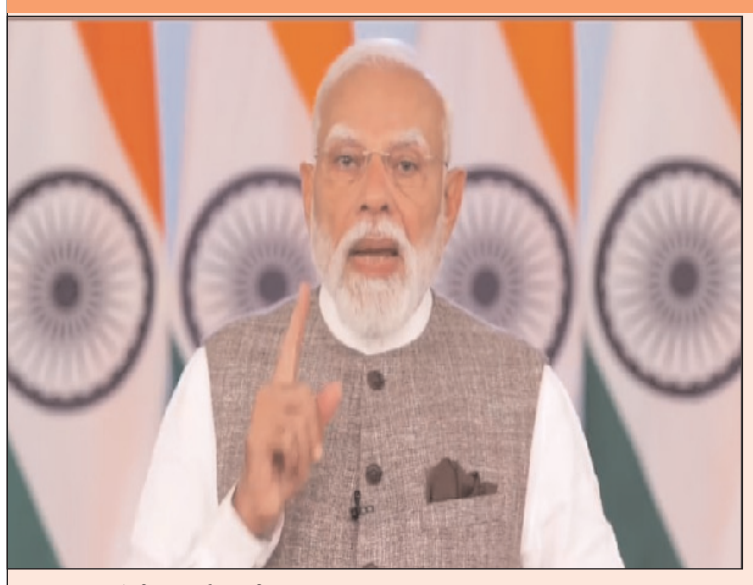

एजेंसी ■ नई दिल्ली

लोकसभा में महिला आरक्षण बिल से जुड़ा संशोधन विधेयक गिरने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राष्ट्र को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज मैं देश की माताओं, बहनों और बेटियों से बात करने आया हूं। आज भारत का हर नागरिक देख रहा है कि कैसे भारत की नारी शक्ति की उड़ान को रोक दिया गया। उनके सपनों को बेरहमी से कुचल दिया गया। हमारे भरसक प्रयास के बावजूद सफल नहीं हो पाए। नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन नहीं हो पाया। इसके लिए मैं क्षमाप्रार्थी हूं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि साथियों, हमारे लिए देशहित सर्वोपरि है, लेकिन जब कुछ लोगों के लिए दल हित सबकुछ हो जाता है, दल हित देशहित से बड़ा हो जाता है तो नारी शक्ति और देशहित को इसका खामियाजा उठाना पड़ता है। इस बार भी यही हुआ है। कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी और समाजवादी पार्टी जैसे दलों की स्वार्थी राजनीति का नुकसान देश की नारी शक्ति को उठाना पड़ा है। कल देश की करोड़ों महिलाओं की नजर संसद पर थी। देश की नारी शक्ति देख रही थी। मुझे भी यह देखकर बहुत दुख हुआ, जब नारी हित का प्रस्ताव गिरा तो कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी और सपा जैसी परिवारवादी पार्टियां खुशी से तालियां बजा रही थीं। महिलाओं से उनके अधिकार छीनकर ये लोग मेज थपथपा रहे थे। उन्होंने जो किया। पेज नं -2

'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' बिल गिरने के बाद भाजपा-एनडीए करेंगे देशभर में प्रदर्शन

'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' से जुड़े संविधान संशोधन बिल के लोकसभा में गिर जाने के बाद भारतीय जनता पार्टी और एनडीए ने देश भर में विपक्ष के खिलाफ बड़े प्रदर्शन करने का फैसला किया है। भाजपा का कहना है कि विपक्ष ने महिलाओं के आरक्षण को रोककर देश की आधी आबादी के साथ अन्याय किया है।

भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में करीब दो घंटे तक चली बैठक में अलग-अलग महिला टोलियों के साथ चर्चा हुई। बैठक में सभी महिला सांसदों और महिला मंत्रियों को राज्यवार प्रदर्शन और प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। दिल्ली में भाजपा महिला मोर्चा को विशेष जिम्मेदारी दी गई है। दिल्ली के सभी लोकसभा क्षेत्रों में महिला मोर्चा प्रदर्शन करेगा।

भाजपा शासित राज्यों में भी कई बड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पार्टी का लक्ष्य विपक्ष के महिला विरोधी चेहरे को जनता के सामने लाना है। भाजपा नेताओं का आरोप है कि विपक्ष ने महिलाओं को सशक्त बनाने के प्रयास को जानबूझकर नाकाम किया।

अब सड़कों पर उतरकर यह संदेश दिया जाएगा कि सत्ता पक्ष महिलाओं के अधिकारों के लिए लड़ रहा है, जबकि विपक्ष इसका विरोध कर रहा है।

ईरान ने होर्मुज पर नियंत्रण कड़ा किया, ट्रम्प ने 'ब्लैकमेल' के खिलाफ चेतावनी दी

एजेंसी ■ तेहरान

ईरान ने शनिवार को कहा कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण कड़ा कर रहा है, और नाविकों को चेतावनी दी कि यह महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्ग फिर से बंद कर दिया गया है, लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि तेहरान जलमार्ग को बंद करके संयुक्त राज्य अमेरिका को ब्लैकमेल नहीं कर सकता।

तेहरान ने कहा कि वह ईरानी बंदरगाहों की लगातार अमेरिकी नाकेबंदी का जवाब दे रहा है, और इसे उनके युद्धविराम का उल्लंघन बताया है, जबकि सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने कहा कि ईरान की नौसेना अपने दुश्मनों को 'नई कड़वी हार' चखाने के लिए तैयार है।

शिपिंग सूत्रों ने कहा कि कम से कम दो जहाजों ने जलमार्ग पार करने की कोशिश करते समय गोलाबारी की चपेट में आने की सूचना दी है।

तेहरान के नए सख्त संदेश ने ईरान संघर्ष के इर्द-गिर्द नई अनिश्चितता पैदा कर दी है, जिससे यह जोखिम बढ़ गया है कि जलडमरूमध्य के माध्यम से तेल और गैस शिपमेंट ऐसे समय में बाधित रह सकते हैं जब वाशिंगटन इस बात पर विचार कर रहा है कि नाजुक युद्धविराम को बढ़ाया जाए या नहीं।

वाशिंगटन में, ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका ईरान के साथ 'बहुत अच्छी बातचीत' कर रहा है, लेकिन तेहरान फिर से जलडमरूमध्य को बंद करना चाहता है। उन्होंने कहा कि ईरान अमेरिका को ब्लैकमेल नहीं कर सकता। समुद्री सुरक्षा और शिपिंग सूत्रों ने कहा कि कुछ व्यापारिक जहाजों को ईरान की नौसेना से रेडियो संदेश मिले हैं जिनमें कहा गया है कि किसी भी जहाज को जलमार्ग से गुजरने की अनुमति नहीं है।

जो शनिवार को पहले के उन संकेतों को उलट देता है कि यातायात फिर से शुरू हो सकता है। सूत्रों ने कहा कि कम से कम दो जहाजों ने जलडमरूमध्य पार करने का प्रयास करते समय गोलियों की चपेट में आने की सूचना दी।

दो भारतीय जहाजों पर हुई फायरिंग

नई दिल्ली। भारत ने होर्मुज स्ट्रेट में दो भारतीय जहाजों पर हुई फायरिंग को लेकर प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर भारत का पक्ष रखा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भारत की ईरानी राजदूत से हुई बात का जिक्र किया। बयान में लिखा है 'नई दिल्ली में ईरान के राजदूत को शनिवार शाम विदेश मंत्रालय ने विदेश सचिव के साथ एक बैठक के लिए बुलाया। इस बैठक के दौरान, विदेश सचिव ने होर्मुज स्ट्रेट में हुई गोलीबारी की घटना पर भारत की गहरी चिंता व्यक्त से अवगत कराया। इस फायरिंग की जद में भारत के झंडे वाले दो जहाज आए थे। पेज नं -2

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने दोहरी नागरिकता मामले में राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर के आदेश पर रोक लगाई

एजेंसी ■ इलाहाबाद

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ दोहरी नागरिकता मामले में एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने के एक दिन बाद, इलाहाबाद हाई कोर्ट ने शनिवार को अपने ही आदेश पर रोक लगा दी।

अदालत ने कहा कि राहुल गांधी को अपना पक्ष रखने का अवसर दिए बिना कोई अंतिम निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। इसी कारण शुक्रवार को खुले न्यायालय में दिए गए पहले के निर्देश को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है और एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया को अभी के लिए टाल दिया गया है।

यह मामला कर्नाटक के भाजपा सदस्य विग्नेश शिशिर द्वारा दायर याचिका से जुड़ा है। उन्होंने जनवरी 2026 में लखनऊ की एक विशेष एमपी-एमएलए अदालत द्वारा मामले को स्वीकार करने से इनकार करने के बाद हाई कोर्ट का रुख किया था।

याचिका में आरोप लगाया गया है कि गांधी के पास ब्रिटिश नागरिकता है, जो साबित होने पर भारतीय कानून का उल्लंघन होगा।

याचिका के अनुसार, कथित अपराध कई कानूनों के तहत आ सकते हैं, जिनमें भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS), विदेशी अधिनियम और पासपोर्ट अधिनियम शामिल हैं। याचिकाकर्ता ने गांधी पर विदेशी संस्थाओं के साथ जानकारी साझा करने और फर्जी पासपोर्ट प्राप्त करने का भी आरोप लगाया है।

मणिपुर के पांच जिलों में मोबाइल इंटरनेट पर पाबंदी हटाई गयी

एजेंसी ■ इंफाल

मणिपुर सरकार ने राहत भरा फैसला लिया है। राज्य के पांच जिलों इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर में मोबाइल इंटरनेट और डेटा सेवाओं पर लगी अस्थायी पाबंदी को तुरंत हटा दिया गया है।

गृह विभाग ने 18 अप्रैल को जारी आदेश में बताया कि कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति को देखते हुए सात अप्रैल को ये पाबंदियां लगाई गई थीं। इनमें मोबाइल डेटा, ब्रॉडबैंड और वीपीएन सेवाएं शामिल थीं। अब सरकार ने मौजूदा स्थिति की समीक्षा के बाद ये प्रतिबंध हटाने का फैसला किया है।

सरकार ने कहा कि पाबंदियों की वजह से आम लोगों को काफी परेशानी हो रही थी। अदालतों, अस्पतालों, स्कूल-कॉलेजों और अन्य जरूरी सरकारी सेवाओं पर

इसका बुरा असर पड़ रहा था। जनता की मुश्किलों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने जनहित में यह कदम उठाया है।

अब इन पांचों जिलों में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं तत्काल प्रभाव से बहाल कर दी गई हैं। लोगों को अब फिर से मोबाइल पर इंटरनेट और सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने की सुविधा मिल गई है।

हालांकि, सरकार ने नागरिकों से अपील की है कि वे इंटरनेट और सोशल मीडिया का जिम्मेदारी से उपयोग करें। अफवाहें न फैलाएं और ऐसी कोई गतिविधि न करें जिससे कानून-व्यवस्था बिगड़ने का खतरा हो। अगर जरूरत पड़ी तो ऐसी पाबंदियां दोबारा लगाई जा सकती हैं।

यह आदेश संयुक्त सचिव (गृह) डॉ. मयेनगबम वेटो सिंह ने सक्षम अधिकारी की मंजूरी से जारी किया है।

मणिपुर में पिछले कई दिनों से जारी तनाव के बीच इंटरनेट सेवाओं पर लगी रोक लोगों के लिए बड़ी राहत साबित हुई है। इससे ऑनलाइन शिक्षा, बैंकिंग, स्वास्थ्य सेवाएं और रोजमर्रा के कई काम आसान हो जाएंगे।सरकार का कहना है कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। अगर कानून-व्यवस्था में कोई बिगड़ाव हुआ तो जरूरी कदम उठाए जाएंगे। फिलहाल लोगों को सामान्य जीवन जीने की सुविधा मिल गई है।

नोएडा वर्कर प्रोटेस्ट हिंसा: मुख्य साजिशकर्ता आदित्य आनंद गिरफ्तार

एजेंसी ■ नोएडा

नोएडा में हाल ही में हुए श्रमिकों के उग्र प्रदर्शन और उससे जुड़ी हिंसा के मामले में उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) को बड़ी सफलता हाथ लगी है। इस प्रकरण में मुख्य साजिशकर्ताओं में शामिल आरोपी आदित्य आनंद को गिरफ्तार कर लिया गया है।

एसटीएफ की नोएडा यूनिट ने उसे तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली रेलवे स्टेशन से पकड़ा। आरोपी फरार चल रहा था और उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

सूत्रों के मुताबिक, आदित्य आनंद का संबंध एक अल्ट्रा लेफ्ट संगठन से बताया जा रहा है। नोएडा पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई के तहत उसकी गिरफ्तारी की गई है। उसके खिलाफ फेज-2 थाने में पहले से ही एफआईआर दर्ज थी और अदालत द्वारा उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्लू) भी जारी किया गया था।

जांच में सामने आया है कि आदित्य आनंद ने नोएडा में हुए श्रमिक प्रदर्शन के दौरान सक्रिय भूमिका निभाई थी। वह लगातार प्रदर्शन स्थल के आसपास मौजूद था और श्रमिकों को भड़काने के लिए कथित तौर पर भड़काऊ भाषण देता रहा। पेज नं -2

राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में आईजीओएम ने पश्चिम एशिया की स्थिति और भारत की तैयारियों का जायजा लिया

एजेंसी ■ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में मंत्रियों के अनौपचारिक समूह (आईजीओएम) ने शनिवार को नई दिल्ली स्थित कर्तव्य भवन-2 में अपनी चौथी बैठक के दौरान पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति की समीक्षा की और भारत की तैयारियों के साथ-साथ भविष्य की कार्ययोजना पर भी चर्चा की।

बैठक में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर, रसायन और उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी, उपभोक्ता मामलों, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद

जोशी, नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू, बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्री सरबानंद सोनोवाल, विद्युत मंत्री मनोहर लाल, श्रम और रोजगार तथा युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह भी शामिल हुए।

रक्षा मंत्री ने संघर्ष की जमीनी स्थिति को अनिश्चित और अस्थिर बताया। साथ ही, इस बात पर जोर दिया कि भारत को न केवल तनाव कम करने के लिए, बल्कि किसी भी नए तनाव के बढ़ने की स्थिति के लिए भी तैयार रहना चाहिए। एक्स पोस्ट में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार इस संघर्ष के कारण पैदा होने वाले किसी भी संभावित जोखिम या समस्याओं को कम करने के लिए लगातार त्वरित और प्रभावी कदम उठा रही है। रक्षा मंत्री ने केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 'भारत समुद्री बीमा पूल' बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दिए जाने का विशेष जिक्र किया। इस प्रस्ताव में लगातार समुद्री बीमा कवरेज उपलब्ध कराने के लिए 12,980 करोड़ रुपए की सरकारी गारंटी शामिल है। यह घरेलू बीमा पूल यह सुनिश्चित करता है कि भारतीय व्यापार को माल ढोने वाले जहाजों के लिए किफायती बीमा मिलता रहे, चाहे वे किसी भी अंतरराष्ट्रीय जगह से भारतीय बंदरगाहों तक माल ला रहे हों या इसका उल्टा कर रहे हों, भले ही वे अस्थिर समुद्री रास्तों से गुजर रहे हों। उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण फैसला भारत के समुद्री व्यापार के लिए किफायती और लगातार बीमा कवरेज सुनिश्चित करेगा। पेज नं -2

डीसी ने आरसीबी को 6 विकेट से हराया

राहुल-स्टब्स ने बनाये अर्धशतक

एजेंसी ■ बेंगलुरु

केएल राहुल और ट्रिस्टन स्टब्स के अर्धशतकों के बाद डेविड मिलर की विस्फोटक बल्लेबाजी के साथ दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 26वें मुकाबले को अपने नाम किया। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में डीसी ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 6 विकेट से हराकर प्वाइंट्स टेबल में चौथा स्थान हासिल कर लिया है।

आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स 5 में से 3 मैच अपने नाम कर चुकी है, जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 6 में से 4 मैच जीतकर प्वाइंट्स टेबल में दूसरे पायदान पर मौजूद है।

टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी आरसीबी ने निर्धारित ओवरों में 8 विकेट खोकर 175 रन बनाए। इस टीम को विराट कोहली और फिल साल्ट की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 5.1 ओवरों में 52 रन की साझेदारी की। कोहली 19 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद साल्ट ने देवदत्त पड्डिकल के साथ दूसरे विकेट के लिए 29 गेंदों में 47 रन जुटाए।साल्ट ने 38 गेंदों में 3 छक्कों और 4 चौकों के साथ 63 रन की पारी खेली, जबकि पड्डिकल ने 18 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। पेज नं -2

सीएम सम्राट चौधरी ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की, राष्ट्रीय स्तर पर बिहार की ब्रांडिंग के निर्देश

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शनिवार को सिविल विमानन विभाग, सूचना जनसम्पर्क विभाग तथा नगर विकास एवं आवास विभाग की समीक्षा बैठक की और कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जन संपर्क विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने जिला स्तर पर सांस्कृतिक धरोहरों की पहचान करने और इसके संबंध में पर्यटकों तक सहज और सरल ढंग से जानकारी पहुंचाने की व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि बिहार में बहुत कार्य किए गए हैं और राष्ट्रीय स्तर पर उसकी ब्रांडिंग अच्छे ढंग से होनी चाहिए। बिहार में किए गए बेहतर कार्यों को लोग जानें और समझें। राज्य के बाहर बिहार का मजबूत ढंग से ब्रांडिंग हो। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का प्रयोग रियल टाइम मॉनीटरिंग के लिए अच्छे ढंग से करने की भी उन्होंने बात कही। नगर विकास एवं आवास विभाग तथा पंचायती राज विभाग विशेष रूप से इस पर कार्य शुरू करें।

उन्होंने कहा कि सरकारी जमीन को चिह्नित कर विज्ञापन आदि के लिए उपयोग करें ताकि रेवेन्यू जेनरेट हो सके। सरकार के संसाधनों का सही उपयोग हो, यह हम सभी के लिए जरूरी है।

समीक्षा के दौरान सिविल विमानन विभाग के सचिव निलेश रामचंद्र देवरे ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बिहार सरकार के सिविल विमानन विभाग द्वारा राज्य में हवाई अवसंरचना के समग्र विकास एवं अंतर्राष्ट्रीय संपर्कता को सुदृढ़ करने के लिए किए जा रहे कार्यों के संबंध में जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में एरोसिटी के विकास की दिशा में भी ठोस पहल की जा रही है, जिसके अंतर्गत प्रमुख हवाई अड्डों के आसपास वाणिज्यिक, आतिथ्य, लॉजिस्टिक्स एवं पर्यटन आधारित अवसंरचना विकसित करने की योजना है। साथ ही, राज्य के छोटे एवं क्षेत्रीय हवाई अड्डों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने सभी जिलों में हवाई अड्डों के विकास को लेकर योजना तैयार करने के निर्देश दिए। सीएम ने कहा कि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों को बेहतर हवाई संपर्कता प्राप्त होगी तथा क्षेत्रीय संतुलित विकास को गति मिलेगी। बिहार सरकार राज्य में हवाई संपर्कता को बढ़ावा देने के साथ-साथ पर्यटन एवं निवेश को भी प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। विभिन्न हवाई अड्डों के विकास, एरोसिटी परियोजनाओं एवं अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों की शुरुआत से राज्य की आर्थिक एवं पर्यटन क्षमता को नई गति मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने नगरीय क्षेत्र के विकास के लिए तेजी से काम करने के लिए भी उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए।

मणिपुरः उखरुल जिले में दो नागा नागरिकों की गोली मारकर हत्या, जातीय तनाव बढ़ा

इंफाल । मणिपुर में जातीय तनाव के बीच शनिवार को उखरुल जिले में अज्ञात हथियारबंद हमलावरों ने गोलीबारी कर दो नागा नागरिकों की हत्या कर दी। यह घटना इम्फाल-दीमापुर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच- 2) पर उस समय हुई जब वाहन उखरुल की ओर जा रहे थे।

इम्फाल के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान चीनाओशांग शोखवुंगनाओ (45) और यारुइंगम वाशुम (42) के रूप में हुई है। शोखवुंगनाओ ताशर गांव के निवासी थे और वे नागा रेजिमेंट से सेवानिवृत्त सेना कर्मी रूइचुमहाओ शोखवुंगनाओ के पुत्र थे, जबकि वाशुम खरासोम गांव के निवासी थुइमी वाशुम के पुत्र थे।

घटना के बाद वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में अतिरिक्त सुरक्षा बल मौके पर पहुंच गए हैं और हमलावरों की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

तांगखुल नागा लॉन्ग की वर्किंग कमेटी ने इस हमले पर कड़ा आक्रोश जताते हुए आरोप लगाया कि यह हमला कूकी उग्रवादियों ने किया है, जो फिलहाल सरकार के साथ सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशन समझौते के तहत हैं। संगठन के अनुसार, यह घटना याओलेन कूकी गांव के पास हुई और दोनों पीड़ितों की मौके पर ही मौत हो गई।

संगठन ने कहा कि यह हमला तब हुआ जब महिलाओं, बच्चों और बीमार लोगों समेत यात्री इम्फाल से उखरुल जा रहे थे। काफिले में शामिल छह वाहनों को निशाना बनाया गया और हमलावरों ने स्नाइपर सहित आधुनिक हथियारों का इस्तेमाल किया।

तांगखुल नागा लॉन्ग ने राज्य और केंद्र की सुरक्षा एजेंसियों की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि उनकी निष्क्रियता के कारण उग्रवादियों के हौसले बढ़े हैं।

यह घटना मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह के उखरुल दौरे के एक दिन बाद हुई है, जिसमें उन्होंने हाईवे पर सुरक्षा और रोड ओपनिंग पेट्रोल की व्यवस्था का आश्वासन दिया था।

असमः बाढ़ से निपटने की तैयारी मजबूत करने के लिए सेना ने 'एक्सरसाइज जल राहत' का किया आयोजन

गुवाहाटी । असम में बाढ़ जैसी आपदाओं से निपटने की तैयारी को मजबूत करने के उद्देश्य से भारतीय सेना की रेड हॉर्न्स डिवीजन (गजराज कोर) ने शनिवार को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) गुवाहाटी में संयुक्त राहत अभ्यास 'एक्सरसाइज जल राहत' का आयोजन किया।

इस बड़े पैमाने के अभ्यास में सेना के साथ-साथ राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) सहित कई एजेंसियों ने भाग लिया। इस दौरान प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए समन्वित और एकजुट प्रयासों का प्रदर्शन किया गया।

वास्तविक बाढ़ जैसी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए किए गए इस अभ्यास में गहरे पानी में रेस्क्यू ऑपरेशन, फंसे हुए लोगों को सुरक्षित निकालना और ड्रोन जैसी आधुनिक तकनीकों के उपयोग का प्रदर्शन किया गया। टीमों ने डूबने की स्थिति में फंसे लोगों को बचाने और प्रभावितों

को तुरंत सहायता पहुंचाने की क्षमता दिखाई।

अधिकारियों के अनुसार, इस अभ्यास का उद्देश्य असम और पूर्वोत्तर में बार-बार आने वाली बाढ़ की स्थिति में बेहतर तैयारी और त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना है। संयुक्त अभ्यास के जरिए एजेंसियों के बीच तालमेल और तेज कार्रवाई की अहमियत पर जोर दिया गया।गजराज कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल नीरज शुक्ला ने इस अभ्यास की निगरानी की। उन्होंने आपदा प्रबंधन में 'पूरे समाज की भागीदारी' की आवश्यकता पर बल देते हुए 'अनुमान, तैयारी, सुरक्षा और प्रावधान' के सिद्धांत अपनाने का आह्वान किया।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रभावी आपदा प्रबंधन और लचीलापन बढ़ाने के लिए जनभागीदारी बेहद जरूरी है। इस अभ्यास का उद्देश्य सुरक्षा बलों और आपदा राहत एजेंसियों की तैयारियों के प्रति आम लोगों का भरोसा बढ़ाना भी है।इस कार्यक्रम में सेना के वरिष्ठ अधिकारी, राज्य प्रशासन के प्रतिनिधि, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और आपदा प्रबंधन संगठनों के अधिकारी मौजूद रहे। करीब 800 लोगों, जिनमें एनसीसी और एनएसएस कैडेट्स के साथ गुवाहाटी के स्कूल-कॉलेजों के छात्र शामिल थे, ने इस प्रदर्शन को देखा। अधिकारियों ने बताया कि सभी भागीदार एजेंसियों ने भविष्य में नियमित संयुक्त अभ्यास, मानक संचालन प्रक्रियाओं को अपडेट करने और क्षमता निर्माण पर निवेश करने का संकल्प लिया है।

मध्य प्रदेश में एमएसपी पर रिकॉर्ड खरीदी, 2 करोड़ क्विंटल गेहूं बेचने के स्लॉट बुकः गोविंद

भोपाल । मध्य प्रदेश में समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी चल रही है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि अभी तक 4,61,271 किसानों द्वारा 1,96,92,550 क्विंटल गेहूं के विक्रय के लिए स्लॉट बुक किए जा चुके हैं।

मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 1,36,237 किसानों से 59,48,980 क्विंटल गेहूं की खरीदी की जा चुकी है। किसानों को 575 करोड़ 86 लाख रुपए का भुगतान उनके बैंक खाते में किया जा चुका है। अभी तक 4,61,271 किसानों द्वारा एक करोड़ 96 लाख 92 हजार 550 क्विंटल गेहूं के विक्रय के लिए स्लॉट बुक किये जा चुके हैं।

किसान गेहूं विक्रय के लिए 30 अप्रैल तक स्लॉट बुक कर सकते हैं।

उन्होंने बताया है कि खरीदी के लिए 3171 उपार्जन केन्द्र बनाए गए हैं। गेहूं की खरीदी कार्यालयीन दिवसों में होती है। सेटेलाइट ई-मेल में मिलान नहीं पाए गए खसरों को छोड़कर उसी किसान के शेष खसरों पर गेहूं की फसल विक्रय के लिये स्लॉट बुकिंग की सुविधा दी गई है। उपार्जन केन्द्र की क्षमता अनुसार उपज की तौल की जा सके एवं अधिक से अधिक किसानों से उपार्जन किया जा सके, इसके लिये प्रतिदिन प्रति उपार्जन केन्द्र पर गेहूं विक्रय के लिये स्लॉट बुकिंग की क्षमता 1000 क्विंटल से बढ़ाकर 1500 क्विंटल की गई है।

मंत्री राजपूत ने बताया है कि जिन जिलों में गेहूं उपार्जन की प्रक्रिया शुरू हो गई है, वहां गेहूं विक्रय की सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उपार्जन केन्द्रों में छायादार स्थान में बैठने और पेय जल की समुचित सुविधा उपलब्ध कराई गई है। केंद्र में बारदाने, तौल कांटे सिलाई मशीन, कंप्यूटर, इंटरनेट, गुणवत्ता परीक्षण उपकरण और उपज की साफ सफाई के लिए पंखा, छनना आदि की व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की गई हैं।

शेष पेज - 01

'विपक्ष महिला आरक्षण बिल के भ्रूणहत्या के गुनहगार'...

वो केवल टेबल पर थाप नहीं थी, वो नारी के स्वाभिमान और उसके आत्मसम्मान पर चोट थी, लेकिन नारी सब भूल जाती है, लेकिन अपना अपमान कभी नहीं भूलती है।

उन्होंने कहा कि संसद में कांग्रेस और उसके सहयोगियों के व्यवहार की कसक हर नारी के मन में हमेशा रहेगी। देश की नारी जब भी अपने क्षेत्र में इन नेताओं को देखेगी तो वो याद करेगी कि इन्हीं लोगों ने संसद में महिला आरक्षण को रोकने का जश्न मनाया था। संसद में शुक्रवार को नारी शक्ति वंदन संशोधन अधिनियम का जिन भी दलों ने विरोध किया, उनसे मैं दो टूक कहूंगा, ये लोग नारी शक्ति को हल्के में ले रहे हैं। वो भूल रहे हैं, 21वीं सदी की हर नारी देश की हर घटना पर नजर रख रही है। वो उनकी मंशा भांप रही है और सच्चाई भी भली भांति जान चुकी है, इसलिए महिला आरक्षण का विरोध करके जो पाप विपक्ष ने किया है, उसकी उनकी सजा जरूर मिलेगी। इन दलों ने संविधान निर्माताओं की भावनाओं का भी अपमान किया और जनता द्वारा इसकी सजा से भी वो बच नहीं पाएंगे। सदन में नारी शक्ति वंदन संशोधन किसी से भी कुछ छीनने का नहीं था। नारी शक्ति वंदन संशोधन हर किसी को कुछ न कुछ देने का था।

पीएम मोदी ने कहा कि ये 40 साल से लटके हुए नारी हक को 2029 के लोकसभा चुनाव से उसका हक देने का संशोधन था। यह संशोधन 21वीं सदी के भारत की नारी को नया अवसर देने और नई उड़ान देने का प्रयास था। देश की आधी आबादी को उसका अधिकार देने का साफ नीयत के साथ ईमानदारी के साथ किया गया एक पवित्र प्रयास था। नारी को भारत की विकास यात्रा में सहयात्री बनने और सबको जोडने का प्रयास था। नारी शक्ति वंदन संशोधन समय की मांग है। यह संशोधन उत्तर, दक्षिण, पूरब और पश्चिम सभी राज्यों की और हर राज्य की शक्ति में समान वृद्धि का प्रयास था। यह संसद में सभी राज्यों की आवाज को अधिक शक्ति देने का प्रयास था। राज्य छोटा हो या बड़ा हो, आबादी कम हो ज्यादा हो...सबकी सामान अनुपात में शक्ति बढ़ाने की कोशिश थी, लेकिन इस ईमानदार प्रयास की कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने सदन में पूरे देश के सामने भ्रूण हत्या कर दी है। ये कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके और सपा जैसे दल इस भ्रूण हत्या के गुनाहगार हैं। ये देश के संविधान के अपराधी है, ये देश की नारी के अपराधी हैं। कांग्रेस महिला आरक्षण के विषय से ही नफरत करती है। उसने हमेशा से ही महिला आरक्षण को रोकने के लिए साजिश की। इस दिशा में पहले जितनी बार भी प्रयास हुए, उसको रोडे अटकाए। इस बार भी कांग्रेस और उसको साथियों में महिला आरक्षण को रोकने के लिए एक से बढ़कर एक झूठ का सहारा लिया।

उन्होंने कहा कि ऐसा करके इन दलों ने देश की नारी के सामने अपना असली चेहरा सामने लाने का काम किया। मुझे व्यक्तिगत तौर पर आशा थी कि कांग्रेस अपनी दशकों पुरानी गलती सुधारेगी और अपने पापों का प्रायश्चित करेगी, लेकिन कांग्रेस ने इतिहास रचने और महिलाओं के साथ खड़े होने का अवसर खो दिया। कांग्रेस खुद देश के अधिकांश हिस्सों में अपना वजूद खो चुकी है। कांग्रेस परजीवी की तरह क्षेत्रीय दलों के सहारे अपने वजूद को जिंदा रखे हुए। कांग्रेस यह भी नहीं चाहती कि क्षेत्रीय दलों की ताकत पढ़े, इसलिए कांग्रेस ने इस संशोधन का विरोध करवाकर अनेक क्षेत्रीय दलों के भविष्य को अंधकार में धकेलने का राजनीतिक षड्यंत्र रचा। कांग्रेस, सपा, डीएमके, टीएमसी और दूसरी पार्टियां इतने सालों से हर बार वही बहाने और कुतर्क बनाते आए हैं। कोई न कोई तकनीकि पेंच फंसाकर ये महिलाओं के अधिकारों पर ढाका डालते रहे हैं। देश इस राजनीतिक के गंदे खेल को समझ चुका है और उसके पीछे की वजह भी जान चुका है। नारी शक्ति वंदन के विरोध के एक बड़ी वजह इन परिवावरवादी पार्टियों का डर। इन्हें डर है कि अगर महिलाएं सशक्त हो गईं तो इन पार्टियों का नेतृत्व खतरे में पड़ जाएगा। ये कभी नहीं चाहेंगे कि इनके परिवार की बाहर की महिलाएं आगे बढ़ें। आज पंचायतों में लोकल बॉडीज में जिन हजारों-लाखों महिलाओं ने अपनी क्षमता को साबित किया है। जब आगे बढ़कर लोकसभा और विधानसभाओं में आना चाहती है और देश की सेवा करना चाहती हैं। परिवावादियों के भीतर उनसे असुरक्षा की भावना बैठी हुई है। परिसीमन के बाद महिलाओं के लिए कहीं ज्यादा सीटें होंगी। महिलाओं का कद बढ़ेगा, इसलिए इन लोगों ने नारी शक्ति वंदन संशोधन का विरोध किया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश की नारी शक्ति कांग्रेस और सहयोगियों को इस पाप के लिए कभी माफ नहीं करेगी। देशवासियों, कांग्रेस और उसकी साथी दल परिसीमन पर लगातार झूठ बोल रहे हैं। वे इस बहाने विभाजन की आग को भड़काना चाहते हैं, क्योंकि बांटो और राज करो...कांग्रेस ये राजनीति अंग्रेजों से विरासत में सीखकर आई है और आज भी इसी के सहारे चल रही है। कांग्रेस ने हमेशा देश में दरारों को हवा देने का काम किया है, इसलिए देश में यह झूठ फैलाया गया कि परिसीमन से देश के कुछ राज्यों को नुकसान होगा, जबकि सरकार ने पहले दिन से साफ किया है कि न किसी राज्य की भागीदारी का अनुपात बदलेगा और न किसी का प्रतिनिधित्व बदलेगा, बल्कि सभी राज्यों की सीटें समान अनुपात में बढ़ेंगी, लेकिन कांग्रेस और उसके सहयोगी दल इसे मानने को तैयार नहीं हुए। ये बिल सभी राज्यों के लिए एक अवसर था। इससे हर राज्य की सीटें बढ़तीं, लेकिन अपने राजनीतिक स्वार्थ की वजह से इन पार्टियों ने अपने राज्यों के लोगों को भी धोखा दे दिया। जैसे कि डीएमके के पास मौका था कि वो और ज्यादा तमिल लोगों को सांसद बना सकती थी, लेकिन उसने वो मौका खो दिया। इस तरह टीएमसी के पास भी बंगाल के लोगों को आगे बढ़ाने का मौका था, लेकिन उसने भी यह मौका खो दिया।

दो भारतीय जहाजों पर हुई फायरिंग ...

'उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत व्यापारिक जहाजों और नाविकों की सुरक्षा को कितना महत्व देता है, और याद दिलाया कि ईरान ने पहले भी भारत आने वाले कई जहाजों को सुरक्षित रास्ता देने में मदद की थी।

'व्यापारिक जहाजों पर गोलीबारी की इस गंभीर घटना पर अपनी चिंता दोहराते हुए, विदेश सचिव ने राजदूत से आग्रह किया कि वे भारत के विचारों को ईरान के अधिकारियों तक पहुंचाए, और होर्मुज स्ट्रेट से भारत आने वाले जहाजों को रास्ता देने की प्रक्रिया को जल्द से जल्द फिर से शुरू करें। ईरान के राजदूत ने इन विचारों को ईरानी अधिकारियों तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। बता दें, शनिवार को यूके मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) की ओर से वेबसाइट पर जारी चेतावनी के मुताबिक, ओमान के उत्तर-पूर्व में करीब 20 नॉटिकल मील दूरी पर गनबोट्स से हमला किया गया। टैंकर के मास्टर ने रिपोर्ट दी कि दो आईआरजीसी गनबोट्स बिना किसी वीएचएफ चेतावनी के करीब आईं और गोलीबारी शुरू कर दी। हालांकि, राहत की बात यह रही कि टैंकर और उसके चालक दल को कोई नुकसान नहीं हुआ।

विदेशी मीडिया ने बाद में बताया कि भारत का झंडा लगे दो जहाजों पर गोलीबारी हुई थी। इसमें—'जग अर्णव' और 'सन्मार हेराल्ड'—शामिल थे। शुरुआती रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'जग अर्णव' पर फायरिंग की गई, जबकि दूसरा जहाज सुरक्षित रहा।

नोएडा वर्कर प्रोटेस्ट हिंसाः मुख्य साजिशकर्ता आदित्य आनंद गिरफ्तार...

इतना ही नहीं, उसने तकनीकी माध्यमों का भी इस्तेमाल किया। आरोप है कि उसने क्यूआर कोड के जरिए कई व्हाट्सएप ग्रुप बनाए, जिनमें बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों को जोड़ा गया और उन्हें संगठित किया गया।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आदित्य आनंद इस पूरे प्रकरण का मुख्य मास्टरमाइंड था, जिसने सुनियोजित तरीके से प्रदर्शन को हिंसक रूप देने की साजिश रची। नोएडा पुलिस की जांच में उसका नाम सामने आने के बाद से वह फरार चल रहा था और लगातार अपनी लोकेशन बदल रहा था।

एसटीएफ को उसकी लोकेशन तमिलनाडु में मिलने के बाद टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी आदित्य आनंद ने एनआईटी जमशेदपुर से बीटेक की पढ़ाई की है, जिससे यह भी संकेत मिलता है कि वह तकनीकी रूप से दक्ष था और उसी का इस्तेमाल उसने इस साजिश को अंजाम देने में किया।

फिलहाल, एसटीएफ उससे पूछताछ कर रही है और इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी है। पुलिस का कहना है कि इस मामले में आगे और भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं, क्योंकि जांच में कई अन्य संदिग्धों की भूमिका भी सामने आ रही है।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में आईजीओएम ने पश्चिम एशिया की स्थिति ...

जिससे भारत के आयात-निर्यात कार्यों की सुरक्षा और स्थिरता मजबूत होगी। यह भारत के लिए एक मजबूत, सुरक्षित और अधिक लचीले व्यापार इकोसिस्टम की दिशा में एक बड़ा कदम है।

आईजीओएम को बताया गया कि दुनिया भर में सप्लाई में भारी रुकावट के बावजूद, भारत ने ईंधन का पर्याप्त स्टॉक बनाए रखा है और बिना किसी रुकावट के सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। फिलहाल, भारत के पास कच्चे तेल, पेट्रोल, डीजल और एटीएफ का इतना स्टॉक मौजूद है जो 60 दिनों से ज्यादा की खपत के लिए काफी है। इसके अलावा, घरेलू उत्पादन के सहारे एलएनजी का लगभग 50 दिनों और एलपीजी का लगभग 40 दिनों का स्टॉक भी बनाए रखा गया है।

होर्मुज जलडमरूमध्य पर अत्यधिक निर्भरता से पैदा होने वाले जोखिमों को कम करने के लिए, सरकार ने सक्रिय रूप से आयात के स्रोतों में विविधता लाई है और संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और लैटिन अमेरिका जैसे क्षेत्रों से कच्चे तेल, एलएनजी और एलपीजी की सप्लाई सुनिश्चित की है। अप्रैल और मई 2026 के लिए आयात की जरूरतें काफी हद तक पूरी कर ली गई हैं, जिससे सप्लाई की निरंतरता सुनिश्चित होती है।

एलपीजी पर निर्भरता कम करने के लिए जहां भी संभव हो, पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जा रहा है। मार्च 2026 से अब तक, 4.76 लाख से ज्यादा पीएनजी कनेक्शनों में गैस की आपूर्ति शुरू की जा चुकी है। इसके अलावा, 5.33 लाख से ज्यादा ग्राहकों ने नए कनेक्शनों के लिए पंजीकरण करवाया है। 17 अप्रैल तक 37,500 से ज्यादा पीएनजी उपभोक्ताओं ने वेबसाइट के जरिए अपने एलपीजी कनेक्शन सरेंडर कर दिए हैं, इसमें 15 फीसदी की दैनिक वृद्धि दर देखी गई है, जो पीएनजी की ओर एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है।

घरेलू बाजार के लिए पेट्रोकेमिकल फीडस्टॉक की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एक अंतर-मंत्रालयी संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) का गठन किया गया है। इसके बाद, भारत सरकार ने 1 अप्रैल के आदेश के माध्यम से, पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स सहित तेल रिफाइनरी कंपनियों को सेंटर फॉर हाई टेक्नोलॉजी (सीएचटी) द्वारा निर्धारित महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए सी3 और सी4 स्ट्रीम की एक निश्चित न्यूनतम मात्रा उपलब्ध कराने की अनुमति दी है।

डीसी ने आरसीबी को 6 विकेट से हराया...

इसके बाद टिम डेविड ने 26 रन, जबकि जितेश शर्मा ने 14 रन टीम के खाते में जोड़े। क्रुणाल पंड्या ने 12 रन जुटाए। विपक्षी खेमे से अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और लुंगी एनगिडी ने 2-2 विकेट हासिल किए, जबकि मुकेश कुमार ने 1 विकेट निकाला। इसके जवाब में दिल्ली कैपिटल्स ने 19.5 ओवर में जीत दर्ज कर ली। पारी की चौथी गेंद पर डीसी को पथुम निसांका (1) के रूप में झटका लगा। इसके बाद 2.5 ओवर में 18 के स्कोर तक टीम ने करुण नायर (5) और समीर रिजवी (2) का विकेट भी गंवा दिया। शुरुआती तीनों विकेट भुवनेश्वर कुमार के नाम रहे।

यहां से ट्रिस्टन स्टब्स ने केएल राहुल के साथ चौथे विकेट के लिए 44 गेंदों में 69 रन की साझेदारी की। राहुल 34 गेंदों में 2 छक्कों और 6 चौकों के साथ 57 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद कप्तान अक्षर पटेल ने स्टब्स के साथ मिलकर टीम को जीत के करीब पहुंचाया।

13.3 ओवर के बाद डीसी के कप्तान अक्षर पटेल क्रैंप्स के कारण परेशानी में नजर आए। हालांकि, कुछ देर मैदान पर ही उपचार के बाद उन्होंने बल्लेबाजी जारी रखी, लेकिन 15.5 ओवर के बाद एक बार फिर अक्षर दर्द में दिखे। आखिरकार, उन्हें रिटायर्ड हर्ट होकर वापस लौटना पड़ा और उनके स्थान पर डेविड मिलर बल्लेबाजी के लिए उतरे। कप्तान पटेल ने 19 गेंदों में 3 चौकों के साथ 26 रन टीम के खाते में जुटाए।

18वें ओवर में ऐसा मौका आया, जब दिल्ली कैपिटल्स की पारी में 24 गेंदों के बाद बाउंड्री आई। अंतिम ओवर में टीम को 15 रन की दरकार थी। रोमारियो शेफर्ड के इस ओवर की तीसरी और चौथी गेंद पर डेविड मिलर ने छक्के लगाए। अंतिम गेंद पर चौके के साथ मैच का अंत कर दिया।

आयुष्मान भारत में उत्कृष्ट प्रदर्शनः छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर दो बड़े पुरस्कार

रायपुर। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर दो पुरस्कार प्रदान किए गए हैं। ये सम्मान भारत सरकार के राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण द्वारा 17 और 18 अप्रैल को पुणे (महाराष्ट्र) में आयोजित चिंतन शिविर के दौरान दिए गए।

राज्य को 'हाई ट्रिगर एफिकेसी' श्रेणी में संदिग्ध दावों की पहचान और उनके विश्लेषण में दक्षता के लिए चुना गया। वहीं 'टाइमली प्रोसेसिंग ऑफ सस्पिशस क्लेम्स' श्रेणी में संदिग्ध दावों के समयबद्ध निपटान के लिए सम्मान मिला।

कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों को योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए आमंत्रित किया गया था। इस दौरान छत्तीसगढ़ को योजना के प्रभावी संचालन, प्रशासनिक व्यवस्था और पारदर्शी क्लेम प्रबंधन प्रणाली के लिए 'बेस्ट परफॉर्मिंग लार्ज स्टेट' श्रेणी में दो अलग-अलग मानकों पर सम्मानित किया गया।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार, राज्य में आईटी आधारित निगरानी प्रणाली और ऑडिट तंत्र को मजबूत करने के साथ अस्पतालों के साथ समन्वय बढ़ाने से क्लेम प्रोसेसिंग में सुधार हुआ है। इससे अनियमितताओं की पहचान और निपटान की प्रक्रिया तेज हुई है, तथा लाभार्थियों को समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद मिली है।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह सम्मान राज्य के स्वास्थ्य तंत्र की प्रतिबद्धता और सुधार के प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि सरकार आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से सभी पात्र नागरिकों तक गुणवत्तापूर्ण और निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए प्रयासरत है।

छत्तीसगढ़ की अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी संजू देवी को दी गयी 50 लाख की प्रोत्साहन राशि

रायपुर । भारत को कबड्डी विश्वकप और एशियन चैंपियनशिप में ऐतिहासिक जीत दिलाने वाली संजू देवी को छत्तीसगढ़ शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा शनिवार को 50 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई।

यह प्रदेश के इतिहास में पहली बार है जब किसी खिलाड़ी को इतनी बड़ी राशि से सम्मानित किया गया है। उप मुख्यमंत्री और खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने नवा रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में आयोजित एक विशेष समारोह में संजू देवी को यह चेक सौंपा। इस दौरान उन्होंने बिलासपुर के चिंगराजपारा कबड्डी क्लब के खिलाड़ियों के लिए कबड्डी मैट भी उपलब्ध कराया।

संजू देवी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने शानदार खेल से राज्य और देश का मान बढ़ाया है। नवंबर 2025 में बांग्लादेश में आयोजित कबड्डी विश्वकप में उन्हें पूरे टूर्नामेंट का मोस्ट वेल्युबल प्लेयर चुना गया था। विश्वकप के फाइनल मुकाबले में भारत द्वारा अर्जित किए गए कुल 35 अंकों में से 16 अंक अकेले संजू ने हासिल किए थे। इसके अलावा उन्होंने मार्च 2025 में ईरान में आयोजित एशियन कबड्डी चैंपियनशिप में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया और टीम को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई। वह छत्तीसगढ़ की पहली महिला कबड्डी खिलाड़ी हैं जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व किया है।

कोरबा जिले के एक छोटे से गांव केराकछार की रहने वाली 23 वर्षीय संजू देवी एक श्रमिक परिवार से ताल्लुक रखती हैं। अभावों के बीच पली-बढ़ी संजू ने अपनी कड़ी मेहनत और जुनून के दम पर यह मुकाम हासिल किया है। वह जुलाई 2023 से बिलासपुर की बहतराई आवासीय बालिका कबड्डी अकादमी में प्रशिक्षण ले रही हैं। उनकी इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अरुण साव ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार खिलाड़ियों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि संजू का प्रदर्शन छत्तीसगढ़ के गौरव को बढ़ाने वाला है और उनकी यह सफलता भविष्य में अन्य उभरते खिलाड़ियों को प्रेरित करेगी।

सरकार का लक्ष्य प्रदेश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना है जिसके लिए बजट में भी पर्याप्त प्रावधान किए गए हैं। उप मुख्यमंत्री ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स और बस्तर-सरगुजा ओलंपिक जैसे आयोजनों का जिक्र करते हुए कहा कि प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए सरकार हर संभव मंच प्रदान कर रही है।

महासमुंद में 912 किलो गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

महासमुंद । छत्तीसगढ़ के महासमुंद पुलिस ने ऑपरेशन निश्चय के तहत मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय गांजा तस्करी के एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए तस्कर को गिरफ्तार किया।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय महासमुंद की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस कार्रवाई में कुल 912.760 किलो गांजा जब्त किया गया है, जिसकी अनुमानित कीमत 4 करोड़ 56 लाख 38 हजार रुपए आंकी गई। इसके अलावा, परिवहन में इस्तेमाल की गई वाहन और अन्य सामान मिलाकर कुल जब्त संपत्ति की कीमत 4 करोड़ 66 लाख 45 हजार रुपए बताई गई।

दरअसल, पुलिस को सूचना मिली थी कि ओडिशा से एक वाहन के जरिए गांजा की बड़ी खेप पलसापाली बैरियर की ओर लाई जा रही है। सूचना के आधार पर एंटी-नारकोटिक टास्क फोर्स और थाना बसना पुलिस ने संयुक्त रूप से नाकाबंदी कर वाहन को रोका। तलाशी के दौरान वाहन में केले की बोरियों के बीच छुपाकर रखी गई 29 बोरियों में गांजा बरामद किया गया। तस्करों ने पुलिस को गुमराह करने के लिए फर्जी नंबर प्लेट का भी इस्तेमाल किया था। जांच में यह सामने आया है कि यह गांजा ओडिशा से लाकर उत्तर प्रदेश में सप्लाई किया जाना था।इस कार्रवाई के दौरान तस्करी में शामिल झारखंड निवासी अब्दुल नईम (42) को मौके से गिरफ्तार किया गया। आरोपी के खिलाफ कई संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

वेदांता पावर प्लांट हादसे की जांच करेगी केंद्रीय टीम

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले की डभरा तहसील स्थित वेदांता पावर प्लांट में हुए भीषण हादसे की जांच के लिए केंद्र सरकार की एक टीम द्वारा जल्द ही जांच शुरू किए जाने की संभावना है, जिसमें कई श्रमिकों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। इस टीम में औद्योगिक सुरक्षा विभाग और बॉयलर निरीक्षक विभाग के अधिकारी शामिल हैं।

एनडीटीवी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह टीम शनिवार को दिल्ली से सक्ती पहुंचकर हादसे की जांच करेगी। यह कदम राज्य के बॉयलर इंस्पेक्टर की रिपोर्ट के बाद उठाया गया है, जिसके आधार पर केंद्रीय स्तर पर जांच का फैसला लिया गया।

इधर, छत्तीसगढ़ सरकार ने भी इस हादसे की अलग से जांच के आदेश दिए हैं। इसके लिए बिलासपुर संभाग के आयुक्त को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। यह हादसा 14 अप्रैल को प्लांट के बॉयलर यूनिट-1 में हुआ था। शुरुआती जानकारी के अनुसार, स्टीम पाइपलाइन से जुड़े पानी की सप्लाई पाइप के जोड़ में तकनीकी खराबी के कारण

विस्फोट हुआ। राज्य सरकार ने इस घटना की गंभीरता को देखते हुए जांच में यह पता लगाने के निर्देश दिए हैं कि हादसा कब और कैसे हुआ, इसके पीछे क्या कारण थे और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए क्या कदम उठाए जा सकते हैं। आदेश के अनुसार, जांच अधिकारी को 30 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपनी होगी। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस घटना पर गहरा दुख जताया है और इसे बेहद दुखद और पीड़ादायक बताया। उन्होंने मृतकों को श्रद्धांजलि दी और उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। साथ ही अधिकारियों को निष्पक्ष और तेजी से जांच पूरी करने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

मौत का आंकड़ा बढ़कर 23 हुआ

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में स्थित वेदांता पावर प्लांट में हुए विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 23 हो गई है। शनिवार को दो और श्रमिकों ने दम तोड़ दिया, जबकि 12 अन्य का अलग-अलग अस्पतालों में उपचार चल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि घायलों में से तीन की स्थिति अभी भी गंभीर बनी हुई है।

सक्ती पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर ने जानकारी दी कि शनिवार सुबह इलाज के दौरान दो और घायल श्रमिकों की अलग-अलग अस्पतालों में मौत हो गई। इनमें से एक श्रमिक सुब्रत कुमार जाना रायगढ़ मेडिकल कॉलेज में भर्ती थे, जबकि दूसरे श्रमिक उपेंद्र साह का रायपुर के कालड़ा अस्पताल में इलाज चल रहा था।

पुलिस और प्रशासन के अनुसार इस हादसे में अब तक 23 लोगों की जान जा चुकी है। अस्पताल में भर्ती अन्य 12 श्रमिकों में से कुछ की हालत अब भी नाजुक बनी हुई है जिनका विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में इलाज किया जा रहा है।

पर्यटन के साथ पुनर्वासः सुकमा के तुंगल इको-पर्यटन केंद्र ने पेश किया विकास का मॉडल

रायपुर। सुकमा जिले में वन विभाग की पहल से विकास और पुनर्वास के तहत विकसित किया गया तुंगल इको-पर्यटन केंद्र आज आत्मनिर्भरता और सामाजिक परिवर्तन का प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है, एक आधिकारिक विज्ञप्ति में शनिवार को कहा गया।

सुकमा नगर से महज एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह स्थान पहले उपेक्षित अवस्था में था लेकिन अब इसे एक आकर्षक पर्यटन स्थल का रूप दे दिया गया है। यहाँ का प्राकृतिक वातावरण और विशेष रूप से निर्मित टापू स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ पड़ोसी राज्य ओडिशा के पर्यटकों को भी अपनी ओर खींच रहे हैं।

इस केंद्र की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यहाँ संचालित 'तुंगल नेचर कैफे' है। इसे 'आत्मसमर्पण पुनर्वास महिला स्वयं सहायता समूह' की 10 महिलाओं द्वारा चलाया जा रहा है। इस समूह में 5 ऐसी महिलाएँ शामिल हैं जिन्होंने पूर्व में नक्सलवाद का मार्ग त्याग कर आत्मसमर्पण किया है जबकि शेष 5 महिलाएँ नक्सल हिंसा से प्रभावित रही हैं। इन सभी महिलाओं को जगदलपुर और सुकमा के विभिन्न संस्थानों में विशेष

व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया है जिसके बाद वे अब आत्मविश्वास के साथ पर्यटकों का स्वागत कर रही हैं और सम्मानजनक आजीविका प्राप्त कर रही हैं।

पर्यटन केंद्र की सफलता के आंकड़े इसकी लोकप्रियता को दर्शाते हैं। 31 दिसंबर 2025 को इसके शुभारंभ के बाद से मात्र तीन महीनों के भीतर 30 मार्च 2026 तक यहाँ 8 हजार 889 पर्यटक पहुँच चुके हैं। इस अल्पावधि में केंद्र ने लगभग 2.92 लाख रुपए की आय अर्जित की है। यहाँ आने वाले पर्यटक न केवल स्थानीय व्यंजनों का स्वाद ले रहे हैं बल्कि तुंगल डैम में कयाकिंग, पैडल बोटिंग और बाँस राफ्टिंग जैसी साहसिक गतिविधियों का भी आनंद उठा रहे हैं।

यह परियोजना इस बात का प्रमाण है कि सही अवसर मिलने पर जीवन की दिशा बदली जा सकती है। तुंगल इको-पर्यटन केंद्र न केवल मनोरंजन का साधन है बल्कि यह उन महिलाओं के साहस और वन विभाग की दूरदर्शी सोच का परिणाम है। प्रकृति संरक्षण और मानव विकास के इस अनूठे संगम ने बस्तर की बदलती तस्वीर में एक सकारात्मक उदाहरण पेश किया है जो बंदूक के संघर्ष से निकलकर स्वावलंबन की ओर बढ़ता कदम है।

UFBU के नेतृत्व में पांच-दिवसीय कार्य सप्ताह को लेकर बैंक कर्मियों ने किया प्रदर्शन

रायपुर। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (UFBU) के आह्वान पर शनिवार को रायपुर के पंडरी क्षेत्र में बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों द्वारा एक सायंकालीन विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। प्रदर्शन में विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के 300 से अधिक कर्मचारी और अधिकारी शामिल हुए।

यह प्रदर्शन बैंकिंग क्षेत्र से जुड़ी मांगों को लेकर किया गया, जिसमें 5-दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था को लागू करने और परफॉर्मेंस लिंक्ड इंसेंटिव (PLI) योजना से संबंधित मुद्दों पर निष्पक्ष द्विपक्षीय वार्ता की मांग प्रमुख रही।UFBU ने कहा कि PLI योजना के क्रियान्वयन में अपनाया गया दृष्टिकोण एकतरफा और भेदभावपूर्ण है, जबकि यह मामला सुलह प्रक्रिया के अधीन है। संगठन के अनुसार, ऐसे कदम स्थापित द्विपक्षीय तंत्र को प्रभावित कर सकते हैं और कर्मचारियों के बीच असंतोष बढ़ा सकते हैं।

प्रदर्शन के दौरान प्रतिभागियों ने 5-दिवसीय बैंकिंग लागू करने में हो रही देरी पर भी चिंता व्यक्त की। उनका कहना था कि इस संबंध में सिद्धांतत: सहमति बन चुकी है और इसे सरकार को अनुशंसित भी किया गया है। कर्मचारियों ने बेहतर कार्य-जीवन संतुलन को कार्यकुशलता और मनोबल के लिए आवश्यक बताया।

UFBU ने बताया कि मांगों के समाधान तक आंदोलन के तहत आगामी हफ्तों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इनमें अलग-अलग स्तरों पर बैठकें, 2 मई को काले बैज धारण करना, 16 मई को काले वस्त्र पहनना, कार्य समय का सख्ती से पालन करना, अतिरिक्त कार्य से दूरी बनाना और अन्य सांकेतिक विरोध गतिविधियां शामिल हैं। सभा को संबोधित करते हुए संगठन के कई पदाधिकारियों ने अपने विचार रखे और कर्मचारियों से एकजुट रहने की अपील की।

कोरिया में अवैध खनन पर बड़ी कार्रवाई, 6 टन से अधिक कोयला जब्त

कोरिया । कोरिया जिला के पटना तहसील अंतर्गत देवखोल जंगल में अवैध कोयला उत्खनन के खिलाफ प्रशासन ने व्यापक कार्रवाई करते हुए 6 टन से भी ज्यादा कोयला जब्त किया है। शनिवार को यह जानकारी दी गई।

खनिज, वन, पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने शनिवार को सुबह से सघन अभियान चलाकर अवैध सुरंगों को ध्वस्त किया और मौके से करीब 150 बोरी यानी 6 टन 61 किलो अवैध कोयला बरामद किया।

सुरंगों में घुसकर की गई कार्रवाई, उपकरण भी जब्त

जिले में गठित टास्क फोर्स के

निर्देशन में चलाए गए इस अभियान में एसडीएम सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। टीम ने सुरंगों के भीतर प्रवेश कर कार्रवाई की और कोयले के साथ-साथ फावड़ा, गेती, विद्युत पंप, फुटबॉल पाइप तथा बड़ी मात्रा में बिजली के तार भी जब्त किए। इससे यह स्पष्ट होता है कि अवैध उत्खनन संगठित रूप से संचालित किया जा रहा था।

कानूनी प्रावधानों के तहत प्रकरण दर्ज

इस मामले में छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 की धारा 71 तथा खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 से 23 (ख) के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पहले भी बंद की गईं खदानें, फिर दोहराई जा रही गतिविधियां वन विभाग के अनुसार देवखोल क्षेत्र में पूर्व में भी अवैध खदानों को ब्लास्ट कर बंद किया गया था।

रायपुर के वैज्ञानिकों की सिकल सेल डायग्नोस्टिक किट ICMR समिट में प्रदर्शित होगी

रायपुर। पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय रायपुर के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित सिकल सेल डायग्नोस्टिक किट को भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद यानी आईसीएमआर द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित इनोवेटर्स टू इंडस्ट्री कनेक्ट समिट में प्रदर्शन के लिए चुना गया है।

शनिवार को जानकरि दी गयी की यह समिट 23 अप्रैल 2026 को भारत मंडपम नई दिल्ली में आयोजित होगी जिसमें देशभर के प्रमुख बायोमेडिकल इनोवेटर्स और

उद्योग जगत के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। इस सिकल सेल डायग्नोस्टिक किट का अनुसंधान एमआरयू के वैज्ञानिक जगन्नाथ पाल और योगिता राजपूत एवं उनकी टीम द्वारा किया गया है। इस पूरी प्रक्रिया में एमआरयू की नोडल ऑफिसर मंजुला बेक का विशेष मार्गदर्शन और सहयोग रहा है। यह किट विशेष रूप से नवजात शिशुओं में सिकल सेल एनीमिया के शीघ्र निदान और गर्भावस्था के दौरान होने वाली जांचों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। आईसीएमआर के मेडिकल इनोवेशन पेटेंट मित्र कार्यक्रम के अंतर्गत इस किट को देशभर से चयनित शीर्ष 10 तकनीकों में शामिल किया गया है। इस सूची में आईआईटी गुवाहाटी और एम्स नई दिल्ली जैसे प्रतिष्ठित संस्थान भी शामिल हैं जो छत्तीसगढ़ के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

इस नवाचार के लिए 6 फरवरी 2026 को भारतीय पेटेंट के लिए आवेदन किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि इस महत्वपूर्ण परियोजना को आईसीएमआर के एक्स्ट्राम्यूरल फंड द्वारा स्पॉन्सर किया गया था जिससे शोध कार्य को गति मिली। यह उपलब्धि क्षेत्र में सिकल सेल जैसी गंभीर बीमारी के सटीक निदान की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है। आईसीएमआर की इस पहल का मुख्य उद्देश्य बायोमेडिकल इनोवेशन को सीधे उद्योगों से जोड़ना और पेटेंट लाइसेंसिंग को प्रोत्साहित करना है ।

कन्नूर बम हमले में 10 माकपा कार्यकर्ताओं को 25 साल की सजा

कन्नूर। केरल के कन्नूर में थलिपरम्बा अदालत ने एक अहम फैसले में तिमिरी बम हमले मामले में 10 माकपा कार्यकर्ताओं को 25-25 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। यह फैसला राजनीतिक हिंसा के खिलाफ न्यायपालिका के सख्त रुख को दर्शाता है। यह निर्णय अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश के.एन. प्रसांत ने सुनाया। मामला 27 नवंबर 2011 का है, जब अलकोडे के पास तिमिरी इलाके में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं पर कथित तौर पर बम फेंके गए थे।

अभियोजन पक्ष के अनुसार यह हमला पूर्वनियोजित था और कन्नूर में लंबे समय से चल रही राजनीतिक प्रतिशोध की हिंसा का हिस्सा था। सजा पाने वालों में दूसरे आरोपी टी.वी. बीनू उर्फ 'उडुम्ब बीनू' भी शामिल हैं। सभी 10 दोषियों को 25 साल की सजा दी गई है, हालांकि इनमें से 9 दोषियों को सजा साथ-साथ काटने की अनुमति दी गई है, जिससे उनकी प्रभावी सजा 10 साल रह जाएगी।

दोषियों में माकपा के पंचायत सदस्य पी.वी. बाबूराज भी शामिल हैं, जिनकी सजा के बाद उनकी सदस्यता समाप्त हो जाएगी। अन्य दोषियों में एम.के. प्रदीप कुमार, पी.पी. सत्यन, ई.वी. विनोद कुमार, पलेरी विजयन, के.पी. सुरेश, टोबी, जनार्दनन और शिवप्रकाश शामिल हैं। गौरतलब है कि कन्नूर लंबे समय से माकपा और भाजपा/आरएसएस कार्यकर्ताओं के बीच राजनीतिक टकराव का केंद्र रहा है। वैचारिक मतभेद, जमीनी पकड़ और स्थानीय सत्ता संघर्ष अक्सर हिंसक झड़पों में बदलते रहे हैं, जिसमें दोनों पक्षों के कई कार्यकर्ताओं की जान जा चुकी है। अदालत ने माना कि अभियोजन पक्ष ने आरोपियों का दोष संदेह से परे साबित कर दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह फैसला स्पष्ट संदेश देता है कि राजनीतिक हिंसा में शामिल लोगों को कड़ी सजा मिलेगी और कानून का शासन सर्वोपरि रहेगा।

ईरान ने बांग्लादेश के मालवाहक जहाज को नहीं दी होर्मुज स्ट्रेट से निकलने की अनुमति

ढाका। बांग्लादेश के सरकारी बांग्लादेश शिपिंग कॉर्पोरेशन (बीएससी) का मालवाहक जहाज एमवी बांग्लार जॉयजात्रा को होर्मुज स्ट्रेट से निकलने की इजाजत नहीं मिली। बांग्लादेशी मीडिया ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, ईरानी अधिकारियों ने इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आरजीसीए) से ट्रांजिट की मंजूरी न लेने की वजह से आगे बढ़ने नहीं दिया। ढाका ट्रिब्यून ने बताया कि ईरान के होर्मुज स्ट्रेट खोलने के ऐलान के बाद 31 क्रू मेंबर वाला यह जहाज शारजाह पोर्ट के पास रुका था। पोर्ट से बांग्लादेशी जहाज के निकलने के बाद ईरानी सेना ने रोक दिया। ईरानी नेवी ने एक रेडियो निर्देश जारी करके सभी जहाजों को अपने इंजन बंद करने और आवाजाही रोकने का आदेश दिया और चेतावनी भी दी कि आईआरजीसी की इजाजत के बिना किसी भी जहाज को पार करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

बीएससी के मैनेजिंग डायरेक्टर कमोडोर महमूदुल मालेक ने ढाका ट्रिब्यून को बताया, 'कंपनी ने पहले इजाजत मांगी थी लेकिन कोई जवाब नहीं मिला, क्योंकि हमें कोई मनाही या कन्फर्मेशन नहीं मिला, इसलिए हमने मान लिया कि स्ट्रेट खुल गया है। करीब 40 कमर्शियल जहाज चलने लगे और बांग्लार जॉयजात्रा उनके पीछे-पीछे चला। उन्होंने कहा, 'अपनी स्पीड से जहाज तड़के करीब 3 बजे तक ओमान सागर में जा सकता था, लेकिन अचानक रात करीब 12:30 बजे, ईरानी नेवी और आईआरजीसी के एक मैसेज में सभी जहाजों को रुकने का निर्देश दिया गया।' बांग्लादेशी मीडिया ने बताया कि इससे पहले सीजफायर के बाद जहाज ने 8 अप्रैल को स्ट्रेट पार करने की कोशिश की थी। करीब 40 घंटे चलने के बाद यह 10 अप्रैल को आसपास पहुंच गया, लेकिन उसे आगे बढ़ने की इजाजत नहीं मिली थी। चीफ इंजीनियर रशीदुल हसन ने कहा कि जहाज ने पहले सऊदी अरब के रास अल खैर पोर्ट से करीब 37,000 टन फर्टिलाइजर लोड किया था और दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन तक अपनी यात्रा जारी रखने के लिए मंजूरी का इंतजार कर रहा था।

महाराष्ट्र सरकार का नया फैसला : रिक्शा-टैक्सी चालकों के लिए मराठी अनिवार्य, यूनियन ने किया विरोध

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। उन्होंने कहा है कि 1 मई 2026 से, यानी महाराष्ट्र दिवस से राज्य में सभी लाइसेंस प्राप्त ऑटोरिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए मराठी भाषा का ज्ञान अनिवार्य कर दिया जाएगा।

इसके तहत चालकों को मराठी पढ़ना, लिखना और बोलना आना चाहिए। अगर कोई चालक इस भाषा में बुनियादी दक्षता नहीं दिखा पाता, तो उसके लाइसेंस को रद्द कर दिया जाएगा। परिवहन विभाग के 59 क्षेत्रीय और उप-क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से पूरे राज्य में एक विशेष अभियान चलाया जाएगा, जिसमें चालकों की मराठी भाषा की जांच की जाएगी। यह कदम यात्रियों के साथ बेहतर संवाद और स्थानीय भाषा के सम्मान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उठाया गया है। सरकार का मानना है कि सार्वजनिक परिवहन में काम करने वाले चालकों को स्थानीय भाषा का ज्ञान होना चाहिए, ताकि मुसाफिरों की सुविधा बढ़े और कोई गलतफहमी न हो। मंत्री ने स्पष्ट किया कि यह नियम मोटर वाहन नियमों के तहत आता है और इसकी सख्ती से पालना सुनिश्चित की जाएगी। इस फैसले पर महाराष्ट्र ऑटोरिक्शा चालक-मालक संघटना संयुक्त कृती समिती ने तीखा विरोध जताया है। संगठन के अध्यक्ष शशांक राव ने कहा कि हम सरकार के इस निर्णय का पुरजोर विरोध करते हैं। उन्होंने इसे चालकों पर अनुचित बोझ बताया और मांग की कि सरकार को इस पर पुनर्विचार करना चाहिए।

शशांक राव ने आगे कहा, 'हमारा संगठन परिवहन मंत्री के उस फैसले का विरोध करता है, जिसमें 1 मई 2026 से लाइसेंस प्राप्त रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए मराठी भाषा को अनिवार्य बना दिया गया है।'

संगठन का कहना है कि कई चालक अन्य राज्यों से आकर महाराष्ट्र में काम करते हैं। उन्हें अचानक इतना कम समय देकर नई भाषा सीखने की मजबूरी उनके जीवनयापन पर असर डाल सकती है। वहीं, यूनियन ने सरकार से अपील की है कि चालकों को पर्याप्त समय और प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाए, ताकि वे बिना किसी परेशानी के इस नियम का पालन कर सकें। विरोध जताते हुए संगठन ने कहा कि मराठी भाषा सीखना जरूरी हो सकता है, लेकिन अचानक सख्ती और लाइसेंस रद्द करने की धमकी से चालकों में आक्रोश फैल गया है।

पीजीटीआई की सलाहकार बनीं रचना बहादुर

नई दिल्ली। डीपी वर्ल्ड प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई) ने शनिवार को सिंक्रोनी फाइनेंशियल की सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और कंट्री हेड रचना बहादुर को संगठन का सलाहकार नियुक्त करने की घोषणा की है।

एक अनुभवी वैश्विक लीडर रचना बहादुर के पास बैंकिंग, ऑपरेशंस और रिस्क मैनेजमेंट के क्षेत्र में तीन दशकों से ज्यादा का अनुभव है। वर्तमान में सिंक्रोनी फाइनेंशियल में सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और कंट्री हेड के तौर पर काम कर रहीं रचना एक गतिशील वर्कफोर्स का नेतृत्व करती हैं और रणनीतिक विकास, डिजिटल बदलाव और ऑपरेशनल उत्कृष्टता को बढ़ावा देती हैं। गोल्डमैन साच्स, जेपी मॉर्गन चेस और मॉर्गन स्टेनली जैसी कंपनियों में सीनियर लीडरशिप भूमिकाएं निभाने और यूएस, एशिया और यूरोप में 18 वर्षों से ज्यादा के वैश्विक नेतृत्व अनुभव के साथ, रचना अपने साथ एक अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण लेकर आती हैं। उनकी लोगों को प्राथमिकता देने वाली सोच, जो भरोसे, भलाई और सहयोगपूर्ण संस्कृति को बढ़ावा देने पर केंद्रित है—भारतीय गोल्फ के भविष्य के लिए डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई के दृष्टिकोण के साथ पूरी तरह से मेल खाती है। अपनी नियुक्ति पर विचार व्यक्त करते हुए रचना बहादुर ने कहा, 'मुझे डीपी वर्ल्ड प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया में एक सलाहकार के रूप में शामिल होने पर गर्व है। डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई ने भारत में पेशेवर गोल्फ को विकसित करने और बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और मैं प्रतिभा को निखारने और खिलाड़ियों के लिए अवसर पैदा करने के प्रति इसकी प्रतिबद्धता की बहुत सराहना करती हूं। मैं वैश्विक मंच पर भारतीय गोल्फ को ऊंचाई पर ले जाने के इसके मिशन में योगदान देने के लिए उत्सुक हूं।' इस बड़े घटनाक्रम पर टिप्पणी करते हुए प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया के अध्यक्ष कपिल देव ने कहा, 'हमें डीपी वर्ल्ड प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया के सलाहकार बोर्ड में रचना बहादुर का स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो रही है।

बच्चों में एचआईवी के मामलों में तेजी, असुरक्षित हेल्थकेयर प्रैक्टिस बनी बड़ी वजह

कराची। पाकिस्तान में पिछले नौ महीनों में कराची के तीन अस्पतालों में भर्ती बच्चों में ह्यूमन इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस (एचआईवी) के मामलों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है और ताजा रिपोर्ट के अनुसार यह संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

सिंध इन्फेक्शियस डिजीज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (एसआईडीएचएंडआरसी) ने 2024 में 10 एचआईवी पॉजिटिव बच्चों को भर्ती किया था और 2025 में उनकी संख्या बढ़कर 70 से ज्यादा हो गई। पाकिस्तानी मीडिया डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल एचआईवी पॉजिटिव 30 बच्चों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया।

2024 में इंडस हॉस्पिटल में 144 एचआईवी पॉजिटिव मरीज दर्ज किए गए थे, जबकि 2025 में यह संख्या बढ़कर 171 हो गई। इसके अलावा इसी वर्ष की पहली तिमाही में ही इस अस्पताल में 69 एचआईवी मरीज सामने आ चुके हैं। इंडस हॉस्पिटल में इन्फेक्शन कंट्रोल सर्विसेज की चेयर और इन्फेक्शियस डिजीज की कंसल्टेंट डॉ. समरीन सरफराज ने डॉन को बताया, 'हमारे हॉस्पिटल में बच्चों के पंजीकृत मामलों में बहुत ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। अगस्त 2025 से अब तक, 14 साल से कम उम्र के 72 बच्चे पंजीकृत हुए हैं, जिनमें से 68 फीसदी पांच साल से कम उम्र के हैं। 'सरफराज के मुताबिक, उनके पंजीकृत बच्चों के एचआईवी मामलों में से ज्यादातर की वजह असुरक्षित हेल्थकेयर प्रैक्टिस हैं। उन्होंने कहा कि सीरिंज, सुई, इंट्रावीनस ड्रिप सेट और कैनुला का दोबारा इस्तेमाल, खराब या गलत तरीके से स्टरिलाइज किए गए मेडिकल इंस्ट्रूमेंट्स का इस्तेमाल और बिना स्क्रीनिंग वाला खून चढ़ाना हेल्थकेयर सेटिंग्स में एचआईवी फैलने के मुख्य कारण हैं। सरफराज ने यह भी बताया कि कमर्शियल वजहों से पब्लिक सेक्टर के कई डॉक्टर खाने वाली दवाओं के बजाय ड्रिप और इंजेक्शन पसंद करते हैं। उनके मुताबिक, यूएसएआईडी (यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट) की फंडिंग रुकने से पूरे पाकिस्तान में एंटीरेट्रोवायरल और एंटी-ट्यूबरकुलोसिस दवाओं की कमी हो गई है।

सरफराज के मुताबिक, रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ईस्टर्न मेडिटेरेनियन (डब्ल्यूएचओ ईएमआरओ) के सभी इलाकों में पाकिस्तान में एचआईवी महामारी सबसे तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने सिरिंज, कैनुला, ड्रिप सेट और मल्टी-डोज वायल के दोबारा इस्तेमाल जैसी आम गड़बड़ियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और इंजेक्शन सेफ्टी के लिए नेशनल एक्शन प्लान 2019 को लागू करने की भी मांग की।

आईपीएल 2026: मोटी रकम पर रिटेन किए गए 5 विदेशी, जिन्होंने फ्रेंचाइजी के फैसले को सही साबित किया

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की नीलामी में कुछ फ्रेंचाइजी ने विदेशी खिलाड़ियों को मोटी रकम पर रिटेन किया। इस सीजन का शुरुआती चरण देखा जाए, तो इन फ्रेंचाइजी का यह दांव कारगर साबित हुआ। आइए, ऐसे ही रिटेन किए गए 5 विदेशी खिलाड़ियों के बारे में जानते हैं, जो इस सीजन अपनी चमक बिखेर रहे हैं।

हेनरिक क्लासेन: सनराइजर्स हैदराबाद ने इस सीजन साउथ अफ्रीकी विकेटकीपर-बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन को 23 करोड़ रुपए में रिटेन किया था। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने आईपीएल 2026 में अपनी चमक बिखेरी। उन्होंने शुरुआती 5 मुकाबलों में 44.80 की औसत के साथ 224 रन बनाए, जिसमें कोलकाता नाइट राइडर्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के विरुद्ध लगातार दो मुकाबलों में अर्धशतक भी शामिल हैं।

जोफ्रा आर्चर: इंग्लैंड के इस दाएं हाथ के तेज गेंदबाज को राजस्थान रॉयल्स ने 12.50 करोड़ रुपए में रिटेन किया था। इस सीजन जोफ्रा 5 मुकाबलों में 17 ओवर गेंदबाजी कर चुके हैं, जिसमें कुल 102 रन देकर 7 विकेट हासिल किए। इस दौरान उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 2-2 विकेट निकाले।

फिलिप साल्ट: इंग्लैंड के इस खिलाड़ी को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 11.50 करोड़ रुपए में रिटेन किया था। साल्ट इस सीजन आरसीबी के बेहतरीन ओपनर साबित हुए हैं, जिन्होंने शुरुआती 2 मुकाबलों में 33.67 की औसत के साथ 202 रन बना लिए हैं। इस बीच साल्ट ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 46 रन, मुंबई इंडियंस के विरुद्ध 78 रन, जबकि दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 63 रन की पारियां खेली हैं।

जोस बटलर: इंग्लैंड के इस विकेटकीपर-बल्लेबाज को गुजरात टाइटंस ने 15.75 करोड़ रुपए में रिटेन किया, जिसके बाद बटलर ने न सिर्फ अपनी बल्लेबाजी, बल्कि विकेटकीपिंग से भी वाहवाही बटोरी। इस सीजन 5 मुकाबलों में बतौर विकेटकीपर 8 कैच लेने के अलावा, बटलर बल्ले से 40.20 की औसत के साथ 201 रन बना चुके हैं। इस दौरान उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के विरुद्ध लगातार मुकाबलों में अर्धशतक लगाए।

कगिसो रबाडा: गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2026 में साउथ अफ्रीका के इस दाएं हाथ के तेज गेंदबाज को 10.75 करोड़ रुपए में रिटेन किया था। रबाडा इस सीजन 5 मुकाबलों में कुल 19 ओवर गेंदबाजी कर चुके हैं, जिसमें 114 रन देकर 7 विकेट निकाले। इस दौरान उन्होंने केकेआर के खिलाफ 29 रन देकर 3 विकेट हासिल किए।

एनसीआर में एक बार फिर बदलेगा मौसम का मिजाज, 23 अप्रैल तक पारा 40 डिग्री के पार

नोएडा। नोएडा, गाजियाबाद, दिल्ली समेत संपूर्ण एनसीआर में मौसम एक बार फिर करवट बदलने वाला है। मौसम विभाग द्वारा जारी ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, हालांकि किसी भी प्रकार की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है, लेकिन आसमान में आंशिक बादल छाए रहेंगे।

वहीं, तापमान में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, 18 अप्रैल को अधिकतम तापमान 40 डिग्री और न्यूनतम 21 डिग्री रहेगा, जबकि ह्यूमिडिटी 75 से 25 प्रतिशत के बीच रहेगी। 19 अप्रैल को पारा 41 डिग्री और न्यूनतम 23 डिग्री तक पहुंचने का अनुमान है, वहीं 20 अप्रैल को फिर 40 डिग्री और न्यूनतम 21 डिग्री रहेगा। 21, 22 और 23 अप्रैल को भी अधिकतम तापमान 40 से 41 डिग्री के बीच रहेगा, जबकि न्यूनतम तापमान 21 से 23 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है। ह्यूमिडिटी 65 से 75 प्रतिशत के बीच उतार-चढ़ाव करेगी। अगले तीन दिनों तक मुख्य रूप से साफ आसमान रहने का पूर्वानुमान है। हालांकि तेज हवाओं और हल्की बारिश से वायु गुणवत्ता सूचकांक में आंशिक सुधार आया है, लेकिन अभी भी स्थिति पूरी तरह बेहतर नहीं हुई है।

दिल्ली के विभिन्न इलाकों के आंकड़े बताते हैं कि हवा सेहत के लिए हानिकारक बनी हुई है। आनंद विहार: 260 (खराब), अलीपुर: 236, सीआरआरआई मथुरा रोड: 211, अशोक विहार: 203 और बवाना: 196 एक्यूआई दर्ज किया गया है। वहीं, गाजियाबाद और ग्रेटर नोएडा के क्षेत्रों में हालात और भी गंभीर हैं। लोनी: 244, वेद विहार-लोनी: 228, इंदिरापुरम: 213, वसुंधरा: 206, नॉलेज पार्क- ढ्ढढ्ढ, ग्रेटर नोएडा: 198 और नॉलेज पार्क- ङ्क, ग्रेटर नोएडा: 235 एक्यूआई दर्ज किया गया है।

फिलहाल, तेज गर्मी और बढ़ते प्रदूषण के बीच एनसीआर के लोगों को राहत की उम्मीद है, लेकिन मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में किसी बड़े बदलाव की संभावना से इनकार किया है।

23 मार्च से अब तक 17.25 लाख से ज्यादा 5 किलो के एलपीजी सिलेंडर बिके, 4.76 लाख से ज्यादा पीएनजी कनेक्शन सक्रिय : सरकार

नई दिल्ली। सरकार ने एक आधिकारिक बयान में शनिवार को बताया कि पश्चिम एशिया में बदलती स्थितियों के बीच 23 मार्च से अब तक 5 किलो वाले छोटे एलपीजी सिलेंडर (एफटीएल) की बिक्री 17.25 लाख से ज्यादा हो चुकी है। ये छोटे सिलेंडर खासतौर पर प्रवासी मजदूरों को ध्यान में रखकर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने बयान में कहा कि 3 अप्रैल से अब तक सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों यानी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) ने 6,450 से ज्यादा जागरूकता कैंप लगाए हैं, जिनमें 90,000 से ज्यादा 5 किलो सिलेंडर बेचे गए।

ये 5 किलो एफटीएल सिलेंडर राज्य सरकारों को दिए जा रहे हैं, ताकि वे ओएमसी की मदद से अपने राज्यों में प्रवासी मजदूरों को इन्हें उपलब्ध करा सकें।

इस बीच, कमर्शियल एलपीजी की कुल सप्लाई को बढ़ाकर संकट से पहले के स्तर का लगभग 70 प्रतिशत कर दिया गया है, जिसमें 10 प्रतिशत सुधार-आधारित आवंटन भी शामिल है। 17 अप्रैल को 8,216 मीट्रिक टन कमर्शियल एलपीजी की बिक्री हुई, जो करीब 4.32 लाख 19 किलो वाले सिलेंडरों के बराबर है। वहीं, 14 मार्च से अब तक कुल 1,58,583 मीट्रिक टन कमर्शियल एलपीजी बेची जा चुकी है। इसमें 9,200 मीट्रिक टन से ज्यादा ऑटो एलपीजी भी शामिल है। मंत्रालय के मुताबिक, ऑटो एलपीजी की मांग में बदलाव देखने को मिला है, जहां निजी कंपनियों से हटकर अब पीएसयू कंपनियों की ओर झुकाव बढ़ा है। बढ़ती मांग को देखते हुए पीएसयू कंपनियों की ऑटो एलपीजी बिक्री में 70 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है।

कहानी

हरिप्रकाश राठी

मैं जब भी घर से निकलता वे मुझे इस तरह देखते मानो कच्चा खा जाएंगे। देखते हुए उनका चेहरा हिदायतों का इश्तिहार बन जाता। अनेक बार उनकी बड़ी-बड़ी आंखों से गोलियां बरसतीं। कभी मैं उनकी तरफ नहीं देखता तो वे काले प्लास्टिक के फ्रेम का चश्मा नीचे कर इस तरह देखते कि मैं उनकी ओर ध्यान देने को मजबूर हो जाता। अरे यार! पैदा कर दिया तो प्राण पी जाओगे क्या मैं मन ही मन कुढ़ता, 'पापा! अब मैं बच्चा नहीं रहा, बड़ा हो गया हूँ, अपना भला-बुरा समझता हूँ,' पर मजाल वे मेरी बात सुनते। हर बार कोई न कोई राय इस तरह टांग देते जैसे मैं कोई खूंटी हूँ एवं वे अपनी कमीज टांक रहे हों। कई बार तो मेरा चेहरा उनकी कमीज की तरह लटक जाता ।

वर्षों पहले फिर भी वे मेरी सुनते, राय मिलाते पर अब तो सपाट दादागिरी करते हैं। इससे अच्छा है सूली पर लटका दो। खैर ! मैंने लंबे अनुभव से जान लिया है इन पैंतरों से उन पर कोई फर्क नहीं पड़ने वाला। उन्हें जो कहना है वे कहेंगे चाहे मैं सुनना चाहूं या न चाहूं। यही नहीं कभी-कभी यूं कुढ़ता हूँ तो ऊपर के होंठ से नीचे का होठ काटकर यूं दबी मुस्कुराहट बिखेरते हैं जैसे कोई जले पर नमक छिड़कता है। मुझे आश्चर्य इस बात का है कि हर बार वे मुझसे अपनी बात मनवा लेते हैं। आप मुझे कितना ही पिता विरोधी कह दो पर मैं कहकर रहूंगा बाप किसी बला से कम नहीं होता। शब्द विशेषज्ञों को जो कहना है कहें मैं तो आश्वस्त हूँ कि बाप शब्द के मूल में ताप रहा होगा। वे यूं तपते हैं जैसे तपना उनका जन्मसिद्ध अधिकार हो। तपो, मुझे क्या!

आज सुबह मैं जल्दी उठ गया हूं , उठ क्या गया हूँ नित्य जल्दी ही उठता हूँ। चार बजते ही मेरी आँख खुल जाती है। मुर्गा मुझे देखकर बांग देता है। सच कहूं मुझे तो उसकी बांग से भी एक ही स्वर सुनाई देता है- बाप से डरते रहो। मेरे सभी मित्र सुबह आठ बजे उठते हैं एवं मेरी भी यही इच्छा होती है पर पापा की हिदायतें मेरी आत्मा में इस कदर पैठ गई हैं कि मैं चाह कर भी कुछ नहीं कर पाता। वे सांस तक नहीं लेने देते। जाने कितनी तो लोकोक्तियां उनकी जुबान पर चढ़ी हैं। कभी कहते हैं 'जागे सो पावै ' कभी 'अरली बर्ड केचेज द वर्म्स ' तो कभी पुरानी फ़िल्म का गाना गुनगुनाते हैं 'अब जाग मुसाफिर भोर भई अब रैन कहां जो सोवत है '। अब ऐसी तानों को सुनकर कोई बिस्तर में रह सकता है ?

बचपन से सुबह चार बजे उठने की कठोर हिदायत थी। उनके निर्देश लक्ष्य उन्मुख मिसाइल की तरह मेरे पीछे लगे होते। जल्दी उठो ,वर्जिश करो फिर नहा-धोकर स्टडी टेबल पर बैठ जाओ। मैं उस-मुस करता तो वही पुराना जुमला , ' सुबह पढ़ाई सीधा दिमाग में उतरती है। दुनिया के महान् शख्सियतों में जो खास गुण था वह यह कि सभी जल्दी उठकर अधिकांश कार्य निपटा लेते थे। इससे वे बाकी दिन तनावमुक्त होकर कार्य करते।' मुझे चिढ़ होती, 'अरे बाबा! मुझे कोई महान् व्यक्ति थोड़े बनना है।' खैर ! उन्हें क्या, पापा की नजरों का प्रभाव हर बात मनवा लेता।

अभी कुछ देर पहले मॉर्निंग वॉक करके आया हूँ। शहर की फिज़ाओं में इन दिनों फागुन की गंध घुली हुई है। शाम ढलने से देर रात तक डफ बजते हैं एवं सुबह यहां-वहां मंदिरों से आती होली के गीतों की आवाज़ें कानों में रस घोलती है....होरी खेलत है गिरधारी।

आज वॉक करते हुए चांद सामने था। वह भी किसी नाज़नीं की तरह श्वेत कुर्ता पहने होरी खेलने को उत्सुक था। सूरज अभी उगा नहीं था पर उसके छिपे हाथों में गुलाल की भनक उसे लग गई थी। इस रहस्य को जानते ही चांद शर्म से लाल हो गया। प्रकृति भी क्या खूब होली खेलती है। आसमान में हर रंग के तारे हैं। बृहस्पति पीला तो शनि नीला , मंगल लाल तो सूरज नारंगी एवं न जाने कितने-कितने रंग। अकेले हों तो अपने-अपने रंग , मिल जाए तो इंद्रधनुष। पापा एक बार बता रहे थे कि मनुष्य ने आसमान से होली खेलना सीखा है। ओह , पापा का ध्यान आते ही उनका एक और जुमला याद हो आया है 'समय की कद्र करो ताकि समय एक दिन तुम्हारी कद्र करे।' जी पापा ! कहकर मैं घर लौट आया हूँ। अपन बहस नहीं करते। वर्षों पहले एक बार बहस हुई थी तब चित्त हुए पहलवान की तरह मुझे ही धूल चाटनी पड़ी। बार-बार धूल कौन चाटे ?

अब तैयार होकर डाइनिंग टेबल पर बैठा हूँ। लता अभी-अभी मुझे ' स्मार्ट ' बोलकर गई है। लगता है आज डिश अच्छी बनेगी एवं दिन भी अच्छा निकलेगा। लता ठीक कहती है चालीस की उम्र में आज भी मैं युवा दिखता हूँ। आज भी नित्य बैडमिंटन खेलता हूँ। लता की तरह मेरी कद-काठी-नक्श भी अच्छे हैं। कार्यालय में स्टाफ सदस्य बहुधा कहते हैं व्यासजी स्मार्ट , चुस्त बन्दे हैं। लेकिन पापा भी तो कहें। अभी कहेंगे, कहेंगे क्या कहना शुरु कर दिया है, 'बहू ! मनीष को नाश्ते में ज्यादा मीठा न दिया करो। इसके पेट के टायर्स बढ़ते जा रहे हैं।' एक बार पापा ने कह दिया लता वैसा ही करेगी। मैं प्रतिकार करता हूँ तो कहती है पापा से अनुमति दिलवा दो। सब को बाज की तरह पंजों में पकड़ रखा है। एक बार मैंने लता को कहा भी पापा से बगावत करनी पड़ेगी तो वह उल्टे मुझ पर बिफर पड़ी, 'इतनी फूंक है क्या आप में ?' मैं अपना-सा मुंह लेकर रह गया।

बच्चों की पढ़ाई को लेकर भी पापा कम हिदायतें नहीं देते, ' अरे ! इन्हें महज तोता रटन्त मत बनाना , कुछ संस्कार भी देना। कुछ कम पढ़ गए तो इतनी हानि नहीं होगी जितनी गलत संस्कारों से होगी। इन्हें खेल-कूद , वाद-विवाद , साहित्य एवं इतर गतिविधियों में भी पारंगत बना। बच्चों को घर का हर काम आना चाहिए जाने कब जरूरत पड़ जाए। इन्हें रसोई, साफ-सफाई ही नहीं दैनन्दिनी अन्य कार्य भी आने चाहिए। कभी थैला देकर शाक-तरकारी-किराना भी मंगवाया कर। यह प्रायोगिक गणित किताबी गणित से कहीं ऊपर एवं अधिक उपयोगी है। पढ़ाई तो कम-ज्यादा सभी कर लेते हैं पर जनता के दुलारे वही बनते हैं जिनमें कोई खास हुनर हो , जो मेहनती हों। इसके लिए बच्चों की नैसर्गिक प्रतिभा पहचाननी होगी।

पापा की जिद पर ही मैंने दोनों बच्चों रवीश एवं आयशा को क्लासिकल गायन का प्रशिक्षण दिलवाया। आज रवीश चौबीस पार है , इस वर्ष अहमदाबाद से एमबीए किया है। कॉलेज का ख्यात गायक है। फेयरवेल पार्टी में उसके गाए गीत 'अभी अलविदा मत कहो दोस्तों' को सुनकर प्राचार्य इतने मुग्ध हुए कि उन्होंने स्वयं मंच पर आकर उसका कंधा थपथपाया। आयशा अठारह की है , अब सीए फाइनल में है। गायन के साथ उसका व्यक्तित्व भी देखते बनता है। आयशा में नेतृत्व के अद्भुत गुण हैं। बच्चों को पापा कुछ नहीं कहते पर उनकी किसी प्रकार की बेजा हरकत देखकर मुझे ऐसे देखते हैं मानो कह रहे हों , 'कुछ अक्ल तो तुझमें भी होगी।' यह सुनते ही मैं झेंप उठता हूँ। ओह पिताश्री ! कभी तो सीधे मुंह बात कर लिया करो।

अभी कुछ दिन पूर्व आयशा देर रात पिक्चर देखकर आई तो मुझे हैरत हुई। मैंने पापा की ओर देखा। उन्हें देखकर मैं समझ गया ऐसा इस घर में नहीं चलेगा। वे मानो चिल्ला रहे थे, 'बच्चों पर, उनकी संगति पर नजर रख! अच्छे बनो पर अंधे मत बनो। '

पापा के उपदेशों से मुझे क्रोध तो आया पर सावधान भी मैं इसी वजह से हुआ। मैंने आयशा को आड़े हाथों लिया। उसके बाद आयशा देरी से नहीं आई। बाद में जानकारी करने पर पता चला कि वह जिस लड़के के साथ पिक्चर देखने गई वह एक अय्याश, लफाड़ी किस्म का लड़का था। लता ने आयशा को समझाया, बच्ची समय रहते चेत गई अन्यथा आफत बन जाती।

मैं बैंक में कार्य करता हूँ। एक बार स्टाफ से पंगा हो गया, वे अपनी जायज ही नहीं नाजायज मांगों पर भी अड़ गए। दूसरे दिन बैंक जा रहा था तो पापा जाने कैसे समस्या ताड़ गए। उन्होंने तरेरा तो इस बार मैं बरस पड़ा, 'यही कहना चाह रहे हो न कि स्टाफ के अंतिम व्यक्ति से प्रेमपूर्वक सम्बन्ध रखा कर। उन्हें समझोगे तो वे भी तुम्हें समझेंगे। ऐसा करने पर वे तुम्हें सहयोग तो करेंगे ही, आदर भी देंगे।' मैंने अधीनस्थ स्टाफ से रिश्ते बेहतर बनाए। आश्चर्य ! पापा यहां भी सही सिद्ध हुए।

कुछ दिनों में ही यूनियन की समस्या समाप्त हो गई।

एक बार मैंने मित्रों के उकसाने पर पार्टी में क्षमता से अधिक ड्रिंक करली। उस रात समझ पर पत्थर पड़ गए। घर आया तो पापा ऐसे देख रहे थे मानो कह रहे हों, 'बरखुरदार ! अब मुंह पर स्याही भी पोत दे। कम से कम मेरी पगड़ी का तो ख्याल किया कर।' मेरा सिर नीचे हो गया। मैं चुपचाप बैडरूम में चला आया। लता इस बात को लेकर कई दिन उखड़ी रही। मैंने ठोड़ी में हाथ डालने की कोशिश की तो हाथ झटक दिए। मेरी फूंक निकल गई। इसके कुछ दिन बाद रविश देर रात ड्रिंक करके आया तो मुझे समझ आया कि पापा ठीक कहते हैं , 'हर गलती कीमत मांगती है। हम जैसा करेंगे वही संस्कार बनकर बच्चों में प्रतिफलित होगा।'

याद करूं तो ऐसे एक नहीं अनेक कार्य हैं जो मैंने महज इसलिए किए चूंकि पापा ऐसा चाहते थे। बात बचत करने की हो, बच्चों को कैरियर में सैटल करने की , पापा की समझाइश एवं उनके अप्रत्यक्ष भय ने ही मेरी राह सुगम की। मुझे समाजसेवा एवं सबसे मित्रवत् व्यवहार करने के गुण भी पापा से मिले। यह उन्हीं का अनुशासन था कि जीवन की प्रतिकूलतम स्थितियों में भी मैं संयत रहा।

यकायक मेरी आँखें डबडबा आई हैं।

आज ' फादर्स डे ' पर मैंने उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण किया है।

उन्हें गुजरे बीस वर्ष होने को आए।

घर के मुख्यद्वार के आगे बैठक की मुख्य दीवार पर लगी यह तस्वीर मुझे आज भी देखती है , बातें करती है। उनकी आंखों में वही सम्मोहन है जो उनके जीते जी था।

मैंने ही उनका दाह-संस्कार किया है , मैंने ही उनके फूल चुने हैं , मैने ही उनकी अस्थियों को गंगा में प्रवाहित किया है।

इस पर भी वे मरे कहां हैं ?

वे मरकर मुझमें जीवित हैं।

घर में आते-जाते मैं नित्य उनके दर्शन करता हूँ। वे आज भी मुझे आगाह करते हैं, 'बेटा ! यह करना, वह न करना। '

वे अब भी मुझे वैसे ही प्रेम करते हैं , वैसे ही समझाते हैं जैसे जीते-जी समझाते थे। उनसे रूबरू होते ही मुझे समाधान मिल जाते हैं। उनकी निगाहें लैम्पपोस्ट की तरह आज भी मेरी अंधेरी राहों को रोशन करती है.

मोबाइल : 9414132483

लैम्पपोस्ट

लघुकथा

खाली सुराही

डॉ. सुधीर शर्मा

शहर के एक आलीशान बंगले के सबसे पीछे वाले अंधेरे कमरे में अस्सी वर्षीय दीनानाथ जी खांस रहे थे। पास रखी पानी की सुराही खाली थी।

'अरे ओ बहू... जरा पानी देना,' उन्होंने आवाज़ लगाई. ?बाहर हॉल में किटी पार्टी चल रही थी। बहू विनीता ने झल्लाते हुए सहेलियों से कहा, 'ये बुड्ढे भी न... चैन से दो पल बैठने नहीं देते। खाना खिला तो दिया, अब और क्या चाहिए? '

उसी समय बेटा राहुल ऑफिस से आया। उसने पिता के कमरे की ओर झाँका तक नहीं। सीधे डाइनिंग टेबल पर बैठते हुए बोला, 'माँ-बाप को गाँव भेज देना चाहिए था। यहाँ फिजूल में स्पेस भी घिरती है और हर वक्त की किच-किच अलग। '

बूढ़े पिता ने प्यास के मारे अपनी आँखें मूँद लीं।उनकी दवाइयों का समय निकल चुका था.

इंटरवेल...ठीक दो महीने बाद।..

दीनानाथ जी अब इस दुनिया में नहीं रहे। ?राहुल ने फेसबुक पर अपने पिता की एक पुरानी धुंधली तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह पिता का हाथ पकड़े हुए था । कैप्शन में लिखाः ? 'आज मैंने अपना सब कुछ खो दिया। पिता जी मेरे आदर्श थे। उनकी अंतिम साँस तक मैंने और विनीता ने दिन-रात एक करके सेवा की। उनकी हर ज़रूरत का ध्यान रखना हमारे जीवन का एकमात्र लक्ष्य था। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे। मिस यू पापा! '

विनीता ने भी इंस्टाग्राम पर एक भावुक 'रील' डाली, जिसमें वह पिताजी के खाली बिस्तर के पास बैठकर रोने का नाटक कर रही थी। नीचे लिखा था– 'पिताजी की सेवा का सौभाग्य हर किसी को नहीं मिलता. हमें संतोष है कि उनको अंतिम समय फूलों की तरह सहेज कर रखा। '

पोस्ट पर कमेंट्स की बाढ़ आ गई :

.. 'आप जैसे बच्चे किस्मत वालों को मिलते हैं! '

.. 'आज के दौर में ऐसी सेवा मिसाल है। '

उधर कमरे के कोने में दीनानाथ जी की खाली पानी की सुराही अब भी धूल खा रही थी।

दो ग़ज़लें

गोविन्द सेन
9893010439

1.
जुल्म के हम निवाले हुए
हिटलरों के हवाले हुए
अश्क आँखों में छले हुए
हम तबाही के पाले हुए
छिन गई लब से आवाज़ भी
लोग तो बंद ताले हुए
रात गहरी हुई इस क़दर
रौशनी के भी लाले हुए
बोलना अब यहाँ जुर्म है
डस रहे सांप पाले हुए

2.
थोड़ा लिखना
ज्यादा दिखना
पैदल हो तो
पैदल चलना
आंधी आई
दीपक लड़ना
खाली बातें
करते रहना
रीढ़ें साबुत
भूलीं झुकना

लघुकथा

डिजिटल चेहरा

पूजा अग्निहोत्री

एक मध्यमवर्गीय परिवार का मुखिया रवि। अकेला ही कमाने वाला.उस पर आश्रित थे उसके माँ- पिता, पत्नी, दो किशोरवय बच्चे। जीवन ठीक-ठाक चल रहा था. पर वक्त तब थम गया, जब उसे अचानक कार्डियक अरेस्ट हुआ. वह ऑफिस में अपनी सीट पर बैठा तो बैठा ही रह गया। मौत के बाद उसका परिवार जैसे अपंग ही हो गया क्योंकि किसी को भी उसकी प्रॉपर्टी, बचत, बीमा, लेन-देन, क्रिप्टो, पासवर्ड या किसी भी चीज की कोई जानकारी नहीं थी।

अंतिम संस्कार के लिये जब पैसों की जरूरत पड़ी, तो रवि का मोबाइल खोलने की बहुत कोशिश की गई पर सफलता नहीं मिली। मोबाइल के एक्सपर्ट ने बताया कि जब तक रेटिना पर लेंस नहीं पड़ेगा, फेस लॉक नहीं खुल पायेगा। बेटे ने काँपते हाथों से पिता का चेहरा फोन के सामने किया। एक्सपर्ट ने बहुत सावधानी से एक -एक कर कई एंगल सेट किये और लॉक खोलने की कोशिश की। हर बार स्क्रीन थोड़ी-सी चमकती और मैसेज आता, 'फेस नॉट रिकग्नाइज्ड '. बेटे की आँखें भर आईं और उसके मुँह से निकला, 'सबसे बड़ी विरासत भी एक चेहरे की गर्मी पर टिकी थी, जो मौत ने छीन ली। '

द्वारा श्री प्रदीप अग्निहोत्री, रूम नंबर-1236 उर्जानगर 'ष्ट' ब्लॉक, बिजुरी, अनूपपुर-484440 चलभाष - 7987219458

गीतिका

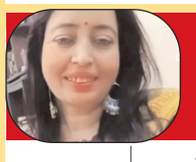

डॉ. नीलिमा पाण्डेय

प्रेम भाँवर लूँ, जताऊँ तुम पे मैं अधिकार सौ,
तुम यूँ ही रूठो, मनाऊँ मैं करूं मनुहार सौ।
मन भटकता है किए जाता है सबकी अनसुनी ,
रोकने की कोशिशें कर ली हैं बारम्बार सौ ।
जिद मेरी अड़ियल अभी भी है खड़ी उस ठौर पर,
खाई गिर-गिर के भले ही अब तक उसने हार सौ।
खोजती हैं आँखें मेरी, बस वही सपना सुखद,
जिसमें उनके आने से ही होते थे सिंगार सौ।
यूँ अचानक देख उनको, छा गईं खुशियाँ अनेक,
एक ही दिन पड़ गए हों जिस तरह त्योहार सौ।
जब भी आकर मिल सकोगे, मेरे प्रिय, मेरे सनम,
सँग में आएँगी बहारें, प्रीति की बौछार सौ।
नयन बाउर हो गए, औ रँग सलोना चढ़ गया।
देखकर उनको है गूँजी कानों में झंकार सौ।
ऐसे तो सब सुख मिला है ऐ सखी ससुराल में,
फिर भी बपई को जो देखूं, बहती गंगाधार सौ।

मुंबई.
मो. 7045547501

लघुकथा

विज्ञापन

प्रीति मिश्रा

बड़े कार्पोरेट जगत में कम्पनियों का इवेंट चल रहा था। जिसमें उनके प्रोडक्ट हेयर आयल व ब्यूटी प्रोडक्ट की मार्केटिंग के लिए मॉडलिंग हो रही थी। एक खूबसूरत अदाकारा रैंप पर प्रोडक्ट का गुणगान करती इतरा रही थी। इवेंट काफी शानदार था ।

डिनर करते खुशनुमा माहोल में जब माडल से किसी ने उसकी खूबसूरती व लम्बे घने बालों की तारीफ करते हुए ,उसका राज पूछा तो उसने बड़ी सी मुस्कुराहट के साथ बताया कि मैं तो घरेलू चीजों से ही बना पेस्ट व तेल उपयोग करती हूँ । अलग-अलग तरह के फ्रूट , एलोवेरा, मेथी, नारियल तेल यह इन्हीं का कमाल है ।

सभी की नजरें विज्ञापन के बड़े पोस्टर व प्रोजेक्टर पर गईं ,वह मानों मुँह चिढ़ा रहे थे।

रायपुर

पुस्तक समीक्षा

मानवीय संवेदनाओं का सुन्दर दस्तावेज

सुरभि डागर

डॉ. पारुल तोमर का कविता-संग्रह 'गाँव से लौटते हुए ' समकालीन हिंदी साहित्य में एक महत्वपूर्ण कृति के रूप में उभर रहा है। यह संग्रह केवल शब्दों का संयोजन नहीं, बल्कि स्मृतियों, संस्कारों और मानवीय संवेदनाओं का सजीव संसार रचता है। कुछ कविताएँ पढ़कर कर मन भीग जाता है । लगता है कि यह केवल कवयित्री के ही आत्मानुभव नहीं हैं, बल्कि हम सभी के साझा अनुभव हैं । कविताओं में लोकजीवन का स्पर्श और समय की बदलती चेतना की सहज एवं गहन अभिव्यक्ति है।

कृति : गाँव से लौटते हुए
(कविता-संग्रह)
कवयित्री- पारुल
प्रकाशक : किताबघर, नई दिल्ली
प्रकाशन- फरवरी 2026
मूल्य-300

संग्रह का शीर्षक ही इसकी मूल संवेदना को उद्घाटित करता है। 'गाँव से लौटते हुए' केवल भौगोलिक वापसी नहीं, बल्कि भावनात्मक और सांस्कृतिक पुनः सम्पर्क का प्रतीक है। शहर में रहते हुए भी मन, बार-बार अपने अतीत,अपनी जड़ों की ओर लौटता है यही अंतर्द्वंद्व और आकर्षण इस संग्रह की कविताओं में निरंतर प्रवाहित होता है। शीर्षक कविता में पिता द्वारा दिए गए हरे चने, भुट्टे और स्नेह से भरी पोटलियाँ केवल वस्तुएँ नहीं, बल्कि संबंधों की ऊष्मा और ग्रामीण जीवन की आत्मा का प्रतीक बन जाती हैं। 'ऋतुएँ अपना पत्र /लाद भेजती हैं तितलियों के पंखों पर /रूप और सुगन्ध की हँसी /फैल जाती है धरती की हथेलियों पर '.

कवयित्री ने तितलियों को प्रकृति का संदेशवाहक की तरह प्रस्तुत किया है, जो अपने 'पत्र' तितलियों के पंखों पर लादकर भेजती हैं। यह बिंब अत्यंत सजीव और सुन्दर लगता है ।संदेशवाहक तितलियाँ केवल कीट नहीं रह जातीं, बल्कि ऋतु-परिवर्तन की रंगीन दूत बन जाती हैं। साहित्यिक दृष्टि से यह काव्य-संग्रह संतुलित, सहज और प्रभावशाली है। भाषा सरल होते हुए भी भाव-गर्भित है, जिसमें अनावश्यक अलंकरण या जटिलता का आग्रह नहीं है। डॉ. पारुल साधारण जीवन-स्थितियों में भी असाधारण सौंदर्य खोज लेती हैं। 'डाकिया' ,'भुट्टे का मौसम' और 'डोडे कपास के' जैसी कविताएँ इस बात का प्रमाण हैं कि वे छोटे-छोटे अनुभव भी व्यापक अर्थ प्रदान करने में सक्षम हैं।

बिम्ब-योजना इस संग्रह की प्रमुख शक्ति है। प्रकृति के माध्यम से जीवन-दर्शन को अत्यंत सजीव रूप में व्यक्त किया गया है। 'नदी-सी लड़की' में स्त्री का नदी के रूप में चित्रण उसके प्रवाह, संघर्ष और निरंतरता का सशक्त प्रतीक बन जाता है। इसी प्रकार 'पगडंडी' केवल एक रास्ता नहीं, बल्कि पीढ़ियों और संस्कारों को जोड़ने वाली जीवनरेखा बनकर सामने आती है।

सांस्कृतिक दृष्टि से यह संग्रह अत्यंत समृद्ध है। इसमें ग्रामीण जीवन की परंपराएँ, त्योहार, लोकगीत और पारिवारिक संबंधों की गरिमा आत्मीयता से चित्रित हुई है। 'झूलों वाले गाँव' 'रंगों भरी सुगन्ध'और 'दीपों की हुँकार ' जैसी कविताएँ भारतीय लोकजीवन के उत्सवधर्मी स्वरूप को जीवंत कर देती हैं। यहाँ केवल उत्सव का वर्णन नहीं, बल्कि सामूहिकता और सांस्कृतिक निरंतरता की अनुभूति भी गहराई से उपस्थित है। 'अनलिखी विरासतें 'कविता विशेष रूप से उल्लेखनीय है, जिसमें दादी-नानी की कहानियों के माध्यम से मौखिक परंपरा के महत्व को रेखांकित किया गया है। यह कविता आधुनिक जीवन में उपेक्षित होती जा रही उन परंपराओं की ओर ध्यान आकर्षित करती है, जो हमारी सांस्कृतिक पहचान की आधारशिला हैं।

यह काव्य-संग्रह केवल अतीत में रमण नहीं करता, बल्कि समकालीन सामाजिक यथार्थ से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। 'भीड़' कविता में भीड़तंत्र की संवेदनहीनता और व्यक्ति की पहचान के संकट को तीखे ढंग से प्रस्तुत किया गया है। इसी प्रकार स्त्री-विमर्श से संबंधित कविताएँ स्त्री को करुणा, सृजन और शक्ति के स्रोत के रूप में स्थापित करती हैं, बिना उसे किसी आदर्शवादी ऊँचाई पर रखे। 'पुरुष होना एक तपस्या' कविता पुरुष के मौन संघर्ष और सामाजिक अपेक्षाओं के दबाव को संवेदनशीलता से उजागर करती है, जो कवयित्री की संतुलित दृष्टि को दर्शाता है।

पारिवारिक संबंधों की अभिव्यक्ति इस संग्रह की आत्मा है। 'माँ लौट आओ ना ' 'माँ का बटुआ', 'रेशम होते पिता',' रंगरेज' 'राग-अनुराग 'और 'मौसियाँ 'जैसी कविताएँ गहन भावनात्मक स्पर्श लिए हुए हैं। इनमें प्रेम, स्मृति और अपनत्व का ऐसा समन्वय है, जो पाठक के अपनत्व भाव को छू लेता है।

शिल्प की दृष्टि से यह संग्रह विविधता से भरा हुआ है। कहीं गीतात्मकता है तो कहीं मुक्तछंद की सहजता और कहीं लोकधर्मी लय का मधुर स्पर्श। यह विविधता पाठक को निरंतर नवीन अनुभव प्रदान करती है।'गाँव से लौटते हुए 'कविता-संग्रह मानवीय संवेदनाओं का सुन्दर दस्तावेज़ है । इसमें मानवीय जीवन और लोकजीवन के विभिन्न पहलुओं का सुन्दर चित्रण है । ग्रामीण परिवेश पाठक को उसकी जड़ों से जोड़ता है और जीवन के प्रति एक संवेदनशील एवं सकारात्मक दृष्टि विकसित करता है। यह आधुनिकता और परंपरा के बीच एक सेतु का कार्य करता है, जहाँ स्मृतियाँ और वर्तमान एक-दूसरे से संवाद करते हैं। यह कविता संग्रह न केवल साहित्यिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि सांस्कृतिक और मानवीय मूल्यों की पुनर्स्थापना का भी एक सार्थक प्रयास है।

बिजनौर

व्यंग्य

लाइकाचार्य और पाठकपुराण

संदीप तोमर

एक समय जरूर साहित्य को मापने का सबसे बड़ा टूल लेखन स्टाइल, कंटेंट, और लेखन की गहराई रहे होंगे लेकिन आजकल साहित्य का स्तर इस बात से नहीं मापा जाता कि आपने क्या लिखा है, बल्कि इस बात से तय होता है कि आपकी पोस्ट पर कितने 'दिल ' और 'वाह-वाह' के इमोजी बरसे हैं। अगर आपकी सोशल मिडिया की किसी पोस्ट पर पचास लोग 'लाजवाब' लिख दें, तो समझ लीजिए आपने तुलसीदास और प्रेमचंद को एक साथ मात दे दी है।

लेकिन सोशल मिडिया का एक बड़ा रहस्य है, जिसे समझना हर नए-पुराने लेखक के लिए जरूरी है– यह रहस्य है 'डॉट (.) का दर्शन। '

जी हाँ, आपने बिल्कुल सही सुना। डॉट की महिला अपरम्पार है, किसी महिला मित्र ने यदि अपनी फेसबुक वाल पर सिर्फ एक डॉट '.' डाल दिया, तो वह डॉट नहीं, डिजिटल युग का ब्रह्मवाक्य बन जाता है। उस एक बिंदु में लोग पूरा उपनिषद पढ़ लेते हैं– 'क्या गहराई है! '

'वाह! क्या अभिव्यक्ति है!' 'आपने तो सब कह दिया... 'अब उधर बेचारा पुरुष पूरी रात जागकर, पत्नी की डाँट खाकर, चाय के पाँच कप पीकर, समाज की विसंगतियों पर 1500 शब्दों का लेख लिखता है, सोशल मिडिया पर पोस्ट करता है। फिर वह अपनी ही पोस्ट के नीचे खुद ही आकर झाँकता है, जैसे कोई दुकानदार अपनी ही दुकान में ग्राहक बनकर पूछे– 'भैया, कुछ बिक भी रहा है क्या? '

उसे लगता है कि शायद फेसबुक का एल्गोरिदम उससे व्यक्तिगत दुश्मनी निकाल रहा है। लेकिन असलियत यह है कि यहाँ एल्गोरिदम नहीं, 'लाइकाचार्य' काम कर रहे हैं, जो यह तय करते हैं कि किसे महाकवि बनाना है और किसे मौन साधक।

कुछ लोग तो इतने कर्मठ होते हैं कि किसी की सोशल मिडिया पोस्ट पढ़ना उन्हें समय की बर्बादी लगता है। वे सीधे लाइक बटन से आक्रमण करते हैं और कभी-कभी अतिक्रमण भी। उनका सिद्धांत साफ है– 'बिना पढ़े ही लाइक करो, अपना समय बचाओ और संबंध निभाओ। '

ऐसे लोग आपके हर लेख पर लाइक करेंगे, चाहे आपने कविता लिखी हो, व्यंग्य लिखा हो या बिजली का बिल ही क्यों न अपलोड कर दिया हो। इनके लिए रचना की विधा कोई मायने नहीं रखती। उनके लिए हर रचना समान है। उनके जैसे समानता के इस भाव के जैसा लोकतंत्र आपको दुनिया में कहीं और नहीं मिलेगा।

दूसरी ओर, कुछ लेखक मित्रों का दर्द भी कम रोचक नहीं है। वे रोज सुबह उठते ही सबसे पहले अपनी पोस्ट पर लाइक गिनते हैं– 'कल शर्मा जी की पोस्ट पर सत्रह सौ लाइक थे, मेरी पर मात्र सत्रह, ऐसा क्यों और कैसे होता है? क्या मैं इतना बुरा लिखता हूँ? या फिर मुझे भी डॉट डालना शुरू कर देना चाहिए? '

कई तो इस हद तक निराश हो जाते हैं कि अगली पोस्ट डालते समय ही लिख देते हैं– 'दोस्तों, अगर यह पोस्ट पसंद आए तो लाइक जरूर करें।' जैसे कि साहित्य नहीं, कोई यूट्यूब वीडियो हो और आपको कहाँ पड़े – 'लाइक, शेयर और सब्सक्राइब करना न भूलें।

इसी बात पर याद आया– पहले आपके लेखन, कार्यक्रम, या साहित्यिक पुरस्कार की खबार अखबार में आती थी और आम जनता उसे पढ़कर लेखक को जानती, समझती और पहचानती थी, आज लेखक को अखबार की कतरन पढने के लिए व्हाट्सअप से खुद से जुड़े पाठक तक पुनः ठेलनी पड़ती है। पहले लेखक की कीर्ति अलग-अलग राज्यों तक फैली होती थी, अब अखबार मांगने आये पडोसी द्वारा आपकी किताबे देखने पर आश्चर्य करने पर आपको स्वयं बताना पड़ता है कि आप पडोसी होने के साथ-साथ लेखक भी हैं।

अब ऐसे माहौल में अगर कोई समझदार व्यक्ति कह दे कि 'लाइक और कमेंट लेखन का मूल्यांकन नहीं हैं ', तो लोग उसे ऐसे देखते हैं जैसे उसने कोई बहुत बड़ा आध्यात्मिक रहस्य खोल दिया हो।

असल में, सच्चाई थोड़ी कड़वी है– लाइक भीड़ का खेल है, और पाठक अकेलेपन का।

जो लोग सच में पढ़ते हैं, वे अक्सर चुप रहते हैं। वे लाइक नहीं करते, क्योंकि उन्हें शब्दों को समझने में समय लगता है। वे कमेंट नहीं करते, क्योंकि वे सोचते हैं। और जब वे आपसे मिलते हैं, तो आपकी एक पंक्ति पकड़कर पूछते हैं– 'यहाँ आपने यह क्यों लिखा?' बस, वही क्षण आपके लेखक होने का असली पुरस्कार होता है।

बाकी जो लोग बिना पढ़े 'वाह-वाह' करते हैं, वे साहित्य के नहीं, सोशल मीडिया के नागरिक हैं। उनका काम है ट्रैफिक बढ़ाना, विचार नहीं।

तो हे व्यथित लेखक!

अगर आपकी पोस्ट पर कम लाइक आ रहे हैं, तो निराश मत होइए। संभव है, आप सच में लिख रहे हैं।

और अगर किसी दिन आपकी पोस्ट पर अचानक बहुत सारे लाइक आ जाएँ, तो थोड़ा सावधान हो जाइए– कहीं आपने अनजाने में कोई 'डॉट' तो नहीं लिख दिया?

अंत में बस यही– आपका काम लिखना है, लाइक की खेती करना नहीं।

लिखते रहिए, क्योंकि शब्द ही अंततः बचते हैं– लाइक तो अगली पोस्ट आते ही पलट जाते हैं.

डी 2/1 जीवन पार्क,उत्तम नगर नई दिल्ली 110059
मोबाइल: 8377875009

अमेरिका-ईरान शांति वार्ता के चलते इस सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी मजबूत बढ़त के साथ हुए बंद

मुंबई । अमेरिका-ईरान के बीच जारी शांति वार्ता की उम्मीदों ने भारतीय शेयर बाजार को इस हफ्ते मजबूत सपोर्ट दिया। सकारात्मक वैश्विक संकेतों, रुपए में मजबूती और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के चलते निवेशकों का भरोसा बढ़ा और बाजार में व्यापक खरीदारी देखने को मिली।

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को सेंसेक्स 504.86 अंक यानी 0.65 फीसदी की तेजी के साथ 78,493.54 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 156.80 अंक या 0.65 फीसदी चढ़कर 24,353.55 के स्तर पर बंद हुआ।

सेक्टोरल स्तर पर लगभग सभी सेक्टरों में खरीदारी का माहौल रहा। बजाज ब्रोकिंग रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार बाजार का रुख पूरे हफ्ते सकारात्मक बना रहा। खासतौर पर निफ्टी एफएमसीजी, मेटल और ऑयल एंड गैस सेक्टर में 1 से 3 फीसदी तक की बढ़त दर्ज की गई, जबकि आईटी सेक्टर अपेक्षाकृत कमजोर रहा।

बड़े सूचकांकों के मुकाबले मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में करीब 1.27 फीसदी की तेजी आई, जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स लगभग 1.48 फीसदी चढ़ा।

विश्लेषकों के अनुसार, भारतीय बाजारों में इस हफ्ते धीरे-धीरे लेकिन स्थिर रिकवरी देखने को मिली। वैश्विक माहौल में सुधार और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने निवेशकों के भरोसे को मजबूत किया। हालांकि, बाजार में सतर्कता का माहौल भी बना रहा, लेकिन लगातार खरीदारी और जोखिम लेने की बढ़ती क्षमता ने इंडेक्स को मजबूती दी।

पोनमुडी आर ने कहा कि हाल के हफ्तों के मुकाबले इस बार बाजार का उतार-चढ़ाव काफी नियंत्रित रहा। गिरावट आने पर निवेशकों ने खरीदारी दिखाई, जो इस बात का संकेत है कि बाजार का सेंटिमेंट धीरे-धीरे मजबूत हो रहा है। हालांकि, अभी भी बाजार ऊपरी स्तर पर निर्णायक ब्रेकआउट देने में सफल नहीं हुआ है, जिससे यह साफ है कि ट्रेंड अभी बदलाव के दौर में है।

बाजार का रुख अब सतर्क आशावाद की ओर बढ़ता दिख रहा है। कच्चे तेल की नरम कीमतें, बेहतर वैश्विक संकेत और स्थिर निवेश प्रवाह इस रिकवरी को सहारा दे रहे हैं। निकट भविष्य में गिरावट का जोखिम सीमित नजर आ रहा है, जबकि तेजी की संभावना धीरे-धीरे बढ़ रही है।

इस बीच, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के रुख में भी सुधार के संकेत मिले हैं। लंबे समय से बिकवाली करने के बाद एफआईआई ने हफ्ते के आखिरी तीन सत्रों में खरीदारी की, जिससे बाजार को सहारा मिला।

केंद्रीय कर्मचारियों के लिए बड़ी खुशखबरी, केंद्रीय कैबिनेट ने महंगाई भत्ते में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी को दी मंजूरी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शनिवार को हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी गई है। यह बढ़ोतरी 1 जनवरी 2026 से लागू होगी, जिससे कर्मचारियों की सैलरी में इजाफा होगा।

कैबिनेट ने केंद्रीय कर्मचारियों के लिए अतिरिक्त महंगाई भत्ता (डीए) और पेंशनर्स के लिए महंगाई राहत (डीआर) जारी करने की भी मंजूरी दी है। यह बढ़ोतरी मौजूदा 58 प्रतिशत की दर से 2 प्रतिशत ज्यादा है, जो महंगाई के असर को कम करने के लिए दी जा रही है।

सरकार के अनुसार, डीए और डीआर बढ़ाने से सरकारी खजाने पर सालाना करीब 6,791.24 करोड़ रुपए का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। इस फैसले से लगभग 50.46 लाख केंद्रीय कर्मचारी और 68.27 लाख पेंशनर्स को फायदा मिलेगा।

यह बढ़ोतरी 7वां केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों के आधार पर तय किए गए फॉर्मूले के अनुसार की गई है।

इस फैसले से कर्मचारियों की सैलरी में बढ़ोतरी होगी, वहीं दूसरी ओर प्रस्तावित 8वें वेतन आयोग को लेकर भी वेतन संरचना में बड़े बदलाव की मांग तेज हो रही है।

इसी बीच, नेशनल काउंसिल-जॉइंट कंसल्टेटिव मशीनरी (एनसी-जेसीएम) ने सरकार को दिए गए ज्ञापन में फिटमेंट फैक्टर को 3.83 तक बढ़ाने की मांग की है। अगर यह प्रस्ताव मान लिया जाता है, तो न्यूनतम बेसिक सैलरी 18,000 रुपए से बढ़कर करीब 69,000 रुपए तक पहुंच सकती है।

फिटमेंट फैक्टर एक ऐसा गुणक होता है, जिसके जरिए महंगाई और जीवन-यापन की लागत को ध्यान में रखते हुए कर्मचारियों की सैलरी तय की जाती है। एनसी-जेसीएम ने इसके अलावा हर साल 6 प्रतिशत वेतन वृद्धि, प्रमोशन पर दो इंक्रीमेंट और कम से कम 10,000 रुपए का लाभ देने जैसे सुझाव भी दिए हैं।

यदि ये बदलाव लागू होते हैं, तो देश के 50 लाख से अधिक केंद्रीय कर्मचारी और करीब 65 लाख पेंशनर्स सीधे तौर पर प्रभावित होंगे।

कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश के लिए 24,815 करोड़ रुपए के दो महत्वपूर्ण रेलवे प्रोजेक्ट्स को दी मंजूरी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शनिवार को हुई आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) ने उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश के लिए 24,815 करोड़ रुपए की लागत वाली रेलवे के दो बड़े मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दे दी।

इन प्रोजेक्ट्स के तहत दोनों राज्यों के 15 जिलों में रेलवे नेटवर्क का विस्तार किया जाएगा, जिससे भारतीय रेलवे का नेटवर्क करीब 601 किलोमीटर तक बढ़ जाएगा। इसमें गाजियाबाद-सीतापुर के बीच तीसरी और चौथी लाइन (403 किमी) और राजमुंद्री (निदादवोलू)-विशाखापत्तनम (दुव्वाडा) के बीच तीसरी और चौथी लाइन (198 किमी) शामिल हैं।

सरकार का कहना है कि इन प्रोजेक्ट्स से देश के कई प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों तक पहुंच आसान हो जाएगी। इनमें दूधेश्वरनाथ मंदिर, गढ़मुक्तेश्वर गंगा घाट, अमरोहा की दरगाह शाह विलायत जामा मस्जिद, नैमिषारण्य (सीतापुर), अन्नवरम, अंतरवेदी और द्राक्षाराम जैसे स्थान शामिल हैं।

ये रेल मार्ग कोयला, अनाज, सीमेंट, पेट्रोलियम उत्पाद (पीओएल), लोहा-इस्पात, कंटेनर, उर्वरक, चीनी, रसायन और चूना पत्थर जैसे जरूरी सामानों की ढुलाई के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं।

गाजियाबाद-सीतापुर रूट पहले से ही डबल लाइन है और यह दिल्ली-गुवाहाटी हाई डेंसिटी नेटवर्क का अहम हिस्सा है। इस रूट पर 14,926 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा, जिससे उत्तर और पूर्वी भारत के बीच कनेक्टिविटी और मजबूत होगी।

यह प्रोजेक्ट गाजियाबाद (मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा), मुरादाबाद (पीतल और हस्तशिल्प), बरेली (फर्नीचर, टेक्सटाइल), शाहजहांपुर (कालीन और सीमेंट) और रोजा (थर्मल पावर प्लांट) जैसे बड़े औद्योगिक केंद्रों से होकर गुजरेगा।

भीड़भाड़ कम करने के लिए इस प्रोजेक्ट में हापुड़, सिम्भावली, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, शाहजहांपुर और सीतापुर जैसे स्टेशनों को बायपास किया जाएगा। इसके लिए छह नए स्टेशन भी बनाए जाएंगे।

वहीं, राजमुंद्री-विशाखापत्तनम रूट हावड़ा-चेन्नई हाई डेंसिटी नेटवर्क का हिस्सा है। इस पर 9,889 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे और यह ईस्ट कोस्ट रेल कॉरिडोर का एक व्यस्त माल ढुलाई मार्ग है। यह प्रोजेक्ट आंध्र प्रदेश के ईस्ट गोदावरी, कोनसीमा, काकीनाडा, अनाकापल्ले और विशाखापत्तनम जिलों से होकर गुजरेगा।

भारत को वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने में आड़े आ रहीं ये समस्याएं, सीआईआई ने सरकार को दिए सुझाव

नई दिल्ली। देश में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को रफ्तार देने के लिए उद्योग संगठन भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने औद्योगिक भूमि प्रबंधन में बड़े सुधारों की जरूरत बताई है। सीआईआई ने अपनी रिपोर्ट 'सीआईआई भूमि मिशन: भारत में औद्योगिक भूमि प्रबंधन में सुधार हेतु एक रूपरेखा' जारी करते हुए कहा कि अगर भारत को वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग हब बनना है तो औद्योगिक जमीन की उपलब्धता को आसान, पारदर्शी और तेज बनाना बेहद जरूरी है।

इस रिपोर्ट को सीआईआई के पूर्व अध्यक्ष टीवी नरेंद्रन के नेतृत्व में तैयार किया गया है। इसे बनाने के लिए विभिन्न उद्योग क्षेत्रों के विशेषज्ञों और हितधारकों से व्यापक बातचीत की गई, ताकि जमीनी स्तर की समस्याओं और उनके व्यावहारिक समाधान सामने आ सकें।

रिपोर्ट में कहा गया है कि औद्योगिक जमीन मैन्युफैक्चरिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर, नवीकरणीय ऊर्जा और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों की बुनियादी जरूरत है, लेकिन वर्तमान व्यवस्था में कई बड़ी समस्याएं हैं, जैसे प्रक्रियाओं का बिखराव, नियमों की जटिलता, जमीन के स्वामित्व (टाइटल) की अस्पष्टता, कब्जा मिलने में देरी और आवंटित जमीन का सही उपयोग न होना। इन कारणों से परियोजनाओं की लागत बढ़ती है, समय ज्यादा लगता है और निवेशकों, खासकर एमएसएमई और नई परियोजनाओं के लिए भरोसा कमजोर होता है।

रिपोर्ट में जमीन से जुड़े पूरे लाइफसाइकिल का विश्लेषण किया गया है। जमीन की पहचान से लेकर आवेदन, आवंटन, भूमि उपयोग परिवर्तन (सीएलयू), सत्यापन, अधिग्रहण, कब्जा, उपयोग और संस्थागत क्षमता तक। इसमें यह भी सामने आया कि दस्तावेजों का मानकीकरण नहीं है, कई विभागों के चक्कर लगाने पड़ते हैं, समय सीमा तय नहीं है और भूमि रिकॉर्ड अधूरे हैं।

सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा, 'मेक इन इंडिया, नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, नवीकरणीय ऊर्जा और आधुनिक लॉजिस्टिक्स जैसे बड़े लक्ष्यों को तभी हासिल किया जा सकता है, जब औद्योगिक जमीन पूरी तरह तैयार, पारदर्शी और निवेश के अनुकूल हो।'

रिपोर्ट में एक बड़ा सुझाव 'राष्ट्रीय औद्योगिक भूमि बैंक' बनाने का है, जो जीआईएस तकनीक से जुड़ा हो और जिसमें जमीन की उपलब्धता, जोनिंग, सुविधाएं, पर्यावरणीय स्थिति और स्वामित्व की जानकारी रियल टाइम में मिले। इससे निवेशक तेजी से और सही निर्णय ले सकेंगे।

इसके अलावा, एक डिजिटल सिंगल विंडो सिस्टम बनाने की सिफारिश की गई है, जिससे सभी मंजूरियां एक ही प्लेटफॉर्म पर मिल सकें। इसमें तय समयसीमा (एसएलए), रियल टाइम ट्रैकिंग और डिम्ड अप्रूवल जैसी व्यवस्था भी शामिल हो।

भारतीय शेयर बाजार में एफआईआई की बिकवाली थमी, वापसी के संकेत; डीआईआई का सपोर्ट बरकरार

नई दिल्ली । भारतीय शेयर बाजार में लंबे समय से जारी बिकवाली के बाद अब विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के रुख में सुधार के शुरुआती संकेत दिखने लगे हैं।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, इस हफ्ते के आखिरी तीन कारोबारी सत्रों में एफआईआई नेट खरीदार बने, जिससे बाजार में रिकवरी को सपोर्ट मिला और निवेशकों का भरोसा भी बेहतर हुआ।

हालांकि, पूरे हफ्ते के हिसाब से देखें तो एफआईआई का कुल निवेश अब भी करीब 250 करोड़ रुपए नकारात्मक रहा। इसका मतलब है कि मजबूत और लगातार निवेश आने पर ही बाजार में स्थायी सुधार की पुष्टि होगी।

वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की बात करें तो इस दौरान उनका आउटफ्लो करीब 6,300 करोड़ रुपए रहा। इसके बावजूद, विश्लेषकों का मानना है कि डीआईआई अब भी बाजार के लिए एक स्थिर सहारा बने हुए हैं और लंबी अवधि में बाजार को मजबूती देते रहेंगे।

इस हफ्ते रुपए में भी मजबूती देखने को मिली। भारतीय मुद्रा 93.24 के स्तर पर रही, जो करीब 0.15 प्रतिशत की बढ़त को दर्शाता है। डॉलर इंडेक्स में कमजोरी और अमेरिका-ईरान के बीच तनाव कम होने की उम्मीदों ने डॉलर की मांग घटाई, जिससे रुपए को सपोर्ट मिला।

एलकेपी सिक्योरिटीज के कमोडिटी और करेंसी के वीपी रिसर्च एनालिस्ट जतीन त्रिवेदी ने कहा कि बाजार का सकारात्मक माहौल एफआईआई के निवेश और भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता की उम्मीदों से भी मजबूत हुआ है, जिससे घरेलू बाजारों में पूंजी का प्रवाह बढ़ा है।

इसके अलावा, पिछले 48 घंटों में कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट ने भी भारत के आयात बिल पर दबाव कम किया है, जिससे रुपए को और मजबूती मिली।

वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में तेज गिरावट तब आई जब ईरान ने घोषणा की कि युद्धविराम के दौरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज व्यापारिक जहाजों के लिए पूरी तरह खुला है। यह दुनिया के सबसे अहम तेल आपूर्ति मार्गों में से एक है।

रिपोर्ट के मुताबिक, इजरायल और लेबनान के बीच युद्धविराम के बाद ईरान के विदेश मंत्री के बयान से तेल की कीमतों में करीब 10 प्रतिशत तक गिरावट आई।

विश्लेषकों का कहना है कि फिलहाल रुपए को सपोर्ट मिल रहा है, लेकिन आगे इसकी मजबूती इस बात पर निर्भर करेगी कि भू-राजनीतिक हालात कैसे बदलते हैं और कच्चे तेल की कीमतें किस दिशा में जाती हैं।

विश्लेषकों के मुताबिक, आने वाले हफ्ते में बाजार का रुख खबरों पर ज्यादा निर्भर रहेगा, लेकिन माहौल फिलहाल सकारात्मक बना हुआ है। निवेशकों की नजर खास तौर पर अमेरिका-ईरान वार्ता के नतीजों पर रहेगी।

बंद हो चुके नोट बदलने के संबंध में आरबीआई के कोई नए नियम नहीं: पीआईबी फैक्ट चेक

नई दिल्ली। प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) की फैक्ट-चेक यूनिट ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रही उन खबरों को खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया जा रहा था कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बंद हो चुकी करेंसी को बदलने के लिए नए नियम जारी किए हैं।

पीआईबी फैक्ट चेक ने इन दावों को पूरी तरह फर्जी बताया और साफ किया कि आरबीआई ने ऐसा कोई भी ऐलान नहीं किया है।

पीआईबी यूनिट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, 'कुछ खबरों में दावा किया जा रहा है कि आरबीआई ने बंद नोटों को बदलने के लिए नई गाइडलाइंस जारी की हैं। यह दावा फर्जी है। आरबीआई ने ऐसा कोई भी ऐलान नहीं किया है।

पीआईबी फैक्ट चेक ने यह भी कहा कि वित्तीय नियमों और करेंसी से जुड़ी जानकारी के लिए आरबीआई की आधिकारिक वेबसाइट ही सबसे भरोसेमंद स्रोत है। सही और प्रमाणित जानकारी के लिए लोगों को केवल आरबीआई की वेबसाइट पर ही भरोसा करना चाहिए।

इसके साथ ही लोगों को बिना जांचे-परखे किसी भी संदेश को आगे न भेजने की सलाह दी गई है। पीआईबी ने कहा कि केवल भरोसेमंद और आधिकारिक स्रोतों से मिली जानकारी ही साझा करें। अगर कोई संदिग्ध मैसेज, फोटो या वीडियो मिले, तो उसे सत्यापन के लिए पीआईबी को व्हाट्सएप या ईमेल के जरिए भेजा जा सकता है।

गौरतलब है कि पिछले साल अक्टूबर में भी पीआईबी ने ऐसी ही एक फर्जी खबर का खंडन किया था, जिसमें कहा गया था कि आरबीआई ने पुराने 500 और 1000 रुपए के नोट बदलने के लिए नए नियम जारी किए हैं। ये नोट नोटबंदी के दौरान नवंबर 2016 में बंद कर दिए गए थे और तब से अब तक इन्हें बदलने के लिए कोई नया नियम जारी नहीं किया गया है।

बीईसीआईएल और सी-डीएसी के बीच हुआ अहम समझौता; एआई, 5जी, क्लाउड और नई टेक्नोलॉजी को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि सरकारी कंपनी ब्रॉडकास्ट इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड (बीईसीआईएल) ने उन्नत तकनीकों और डिजिटल इंडिया को बढ़ावा देने के लिए सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डीएसी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस साझेदारी के तहत दोनों संस्थाएं मिलकर उन्नत तकनीकों, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और स्किल डेवलपमेंट के क्षेत्र में काम करेंगी। इसमें संयुक्त प्रोजेक्ट, कंसल्टेंसी और तकनीकी सहयोग के साथ-साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), मशीन लर्निंग (एमएल), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), साइबर सिक्योरिटी, 5जी और क्लाउड कंप्यूटिंग जैसी नई तकनीकों पर समाधान विकसित किए जाएंगे। इसके अलावा, यह साझेदारी अलग-अलग सेक्टर में टर्नकी सॉल्यूशंस तैयार करने, नई तकनीकों के ट्रांसफर और इनोवेटिव प्रोडक्ट्स के व्यावसायीकरण को भी बढ़ावा देगी। इस समझौते में स्किल डेवलपमेंट और वर्कफोर्स को अपस्किल करने पर भी जोर दिया गया है, ताकि तकनीकी क्षमताओं को मजबूत किया जा सके। इस मौके पर बीईसीआईएल के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर डीके मुरली ने कहा कि यह साझेदारी कंपनी की उन्नत तकनीकों और डिजिटल बदलाव की क्षमता को मजबूत करेगी। उन्होंने कहा कि दोनों संस्थाओं की ताकत का सही इस्तेमाल कर देश के डिजिटल विकास में अहम योगदान दिया जाएगा । यह साझेदारी इनोवेशन को बढ़ावा देने, नई तकनीकों को तेजी से अपनाने और भारत में मजबूत तथा भविष्य के लिए तैयार डिजिटल इकोसिस्टम बनाने में मदद करेगी।

30 साल से महिला आरक्षण बिल पर ग्रहण, 7वीं बार फेल हुआ मिशन, जानिए कब-किस सरकार में लगा झटका

महिलाओं को आरक्षण के मुद्दे पर देश में सियासी आग लगी हुई है। देश की लोकसभा के साथ ही विधानसभाओं में एक-तिहाई आरक्षण लागू करने से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को लोकसभा में जरूरी बहुमत नहीं मिल सका। महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के प्रावधान के साथ ही लोकसभा और राज्य विधानसभाओं की सीटों में भी बढ़ोतरी का प्रस्ताव रखा गया था। सदन में बहुमत नहीं मिल पाने के बाद भाजपा ने सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया। पीएम नरेंद्र मोदी ने भी विपक्ष के रवैये पर नाराजगी जाहिर की है। भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में 'महिला आरक्षण विधेयक' एक ऐसा चैप्टर बन चुका है, जो बार-बार संसद की दहलीज तक तो पहुंचता है, लेकिन मुकम्मल अंजाम तक पहुंचने से पहले ही राजनीति की भेंट चढ़ जाता है। पिछले 30 साल में 7वीं बार ऐसा हुआ।

17 अप्रैल 2026 को संसद के विशेष सत्र के दौरान महिला आरक्षण के मुद्दे पर एक बार फिर इतिहास ने खुद को दोहराया। लोकसभा में संविधान संशोधन बिल (131वां संशोधन) पर वोटिंग के दौरान केंद्र सरकार दो-तिहाई बहुमत जुटाने में विफल रही, जिससे 30 साल में यह बिल 7वीं बार खारिज हो गया। सियासी सदन में महिलाओं को प्रतिनिधित्व देने का विचार पहली बार 1990 के दशक में परवान चढ़ा था। 1996 से लेकर 2026 तक का सफर उतार-चढ़ाव भरा रहा है।

विधेयक पर कब-कब मिली नाकामी?

महिला आरक्षण का विचार पहली बार 1990 के दशक में परवान चढ़ा था। तब से लेकर आज तक सात प्रमुख मौकों पर इसे सदन में पेश किया गया या फिर चर्चा हुई, लेकिन हर बार यह किसी न किसी कारणवश गिर गया। हर एक बार क्या हुआ था, आइए वजह पर गौर फरमाते हैं।

साल 1996 में सबसे पहली बार एचडी देवेगौड़ा के नेतृत्व वाली जनता दल सरकार के दौरान पहली कोशिश हुई। 12 सितंबर 1996 को 81वें संविधान संशोधन विधेयक के रूप में इसे पहली बार पेश किया गया। भारी हंगामे के बीच इसे गीता मुखर्जी की अध्यक्षता वाली संयुक्त संसदीय समिति को भेज दिया गया। लोकसभा भंग होने के कारण विधेयक पहली बार लैप्स हो गया।

1998 में अटल बिहारी वाजपेयी की एनडीए सरकार में दूसरी बार कोशिश हुई। तत्कालीन कानून मंत्री एम. थंबीदुरई ने इसे सदन में रखा। विपक्षी दलों, खासकर राजद और सपा, ने 'कोटा के भीतर कोटा' यानी ओबीसी आरक्षण की मांग को लेकर जबरदस्त विरोध किया। 12वीं लोकसभा भंग होने के साथ ही यह दूसरी बार गिर गया।

तीसरी कोशिश अगले ही साल यानी 1999 में हुई, जब वाजपेयी सरकार ने दोबारा प्रयास किया। एनडीए सरकार ने एक बार फिर इसे पेश किया। इस बार संसद में धक्का-मुक्की और बिल की प्रतियां फाड़ने जैसी अप्रिय घटनाएं हुईं। आम सहमति नहीं बनने के कारण यह तीसरी बार विफल रहा।

साल 2002 से 2003 में एनडीए और बाद में यूपीए के शुरुआती दौर में चौथी कोशिश हुई। इसे पुनर्जीवित करने की कोशिशें हुईं, लेकिन राजनीतिक गतिरोध बरकरार रहा। आधिकारिक तौर पर इसे पारित कराने की कोशिशें सदन के पटल पर ही दम तोड़ गईं।

पांचवीं कोशिश मनमोहन सिंह की यूपीए सरकार के दौरान हुई। 2010 में ऐतिहासिक मोड़ आया। 9 मार्च 2010 के दिन यह बिल राज्यसभा में पहली बार पारित हुआ। मार्शल बुलाने तक की नौबत आई, लेकिन उच्च सदन की मुहर लग गई। हालांकि, लोकसभा में इसे पेश करने की हिम्मत सरकार नहीं जुटा सकी, क्योंकि सहयोगी दलों ने समर्थन वापस लेने की धमकी दी थी।

दूसरे विश्व युद्ध में क्या हुआ था कि कार बनाने वाली कंपनियों को मिली हथियार बनाने की इजाजत, अमेरिका फिर वही कर रहा

ईरान और यूक्रेन में लगातार चल रहे जंग के बीच हथियारों की कमी होने लगी है। अब अमेरिका इसकी कमी को पूरा करने के लिए जनरल मोटर्स (जीएम) की सीईओ मैरी बैरा और फोर्ड मोटर के सीईओ जिम फार्ले से संपर्क साध रहा है। दरअसल, पूरी दुनिया में जारी जंग के बीच गोला-बारूद, मिसाइलें और मिलिट्री व्हीकल्स की मांग इतनी बढ़ गई है कि पारंपरिक डिफेंस कॉन्ट्रैक्टर्स जैसे कि लॉकहीड मार्टिन और बोइंग जैसी कंपनियां सप्लाई को पूरा नहीं कर पा रही हैं। हालांकि, ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है कि कार बनाने वाली कंपनियों को जंग के लिए हथियार बनाने के निर्देश दिए गए हैं। इतिहास के पन्नों में कई ऐसे चौंकाने वाले उदाहरण दर्ज हैं। द्वितीय विश्व युद्ध (World War II) में भी कार बनाने वाली कंपनियों को टैंक, बमवर्षक विमान और मशीनगन बनाने के निर्देश दिए गए थे। चलिए, इतिहास के पन्नों में झांकते हैं।

क्या आप सोच सकते हैं कि जिन कारखानों में चमचमाती लग्जरी गाड़ियां बनती थीं, वहां से अचानक टैंक, बमवर्षक विमान और मशीनगनें निकलने लगें? जी हां, द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी और जापान जैसे देशों में ठीक ऐसा ही हुआ था। सरकारों के आदेश पर दुनिया की सबसे बड़ी कार कंपनियों ने आम गाड़ियां बनाना बंद कर दिया और युद्ध के लिए विनाशकारी हथियार बनाने शुरू कर दिए।

आम कारों पर बैन और हथियारों की भारी मांग

जब 1939 में द्वितीय विश्व युद्ध शुरू हुआ और 1941 (पर्ल हार्बर हमले) के बाद इसने भीषण रूप ले लिया, तो सेनाओं को रातों-रात लाखों की संख्या में बंदूकों, टैंकों, जीपों और लड़ाकू विमानों की जरूरत पड़ने लगी। इतने कम समय में हथियारों की नई फैक्ट्रियां लगाना लगभग असंभव था। युद्ध के कारण दुनिया भर में स्टील, रबर और ईंधन की भारी किल्लत पैदा हो गई। इन सभी संसाधनों को सेना के लिए आरक्षित कर दिया गया। इसी वजह से अमेरिका और ब्रिटेन जैसी सरकारों ने आम नागरिकों के लिए निजी कारों के निर्माण पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया। कार कंपनियों को ही क्यों मिली हथियार बनाने की इजाजत?

सरकारों को यह बात अच्छी तरह पता थी कि फोर्ड और जनरल मोटर्स जैसी कार कंपनियों के पास असेंबली लाइन तकनीक की गजब की महारत है। जो फैक्ट्री एक ही सांचे का इस्तेमाल करके एक दिन में हजारों कारें जोड़ सकती है, वह कुछ ही समय में टैंक या हवाई जहाज भी बना सकती है। अमेरिका में कारों से हथियारों के इस महा-बदलाव को 'लोकतंत्र का शस्त्रागार' (Arsenal of Democracy) का नाम दिया गया।

हर 63 मिनट में एक विमान और बीटल बनी आर्मी जीप

इस दौर में कार कंपनियों ने जो कारनामे किए, वे इंजीनियरिंग का चमत्कार थे।

क्या आप जानते हैं कि आपके टूथब्रश की भी एक एक्सपायरी डेट होती है? दंत चिकित्सकों की राय

ज्यादातर लोग अपने टूथब्रश के बारे में ज्यादा नहीं सोचते—बस दिन में दो बार इस्तेमाल करते हैं। एक ब्रश लेते हैं, महीनों तक चलाते हैं और तभी बदलते हैं जब वह घिसा हुआ दिखने लगता है। लेकिन दंत चिकित्सकों के अनुसार, इसका एक तय 'एक्सपायरी समय' होता है—और यह आपकी सोच से पहले आ जाता है।

औसतन, टूथब्रश को हर तीन महीने में बदल देना चाहिए।

यह कोई मनमाना आंकड़ा नहीं है। समय के साथ ब्रश के रेशे (ब्रिसल्स) फैलने लगते हैं और अपनी शेप खो देते हैं। जब ऐसा होता है, तो वे दांतों को सही तरीके से साफ नहीं कर पाते, खासकर उन जगहों पर जहां पहुंचना मुश्किल होता है। यानी भले ही आपका ब्रश देखने में ठीक लगे, वह अपना काम सही से नहीं कर रहा होता।

साफ-सफाई (हाइजीन) भी एक बड़ा कारण है।

आपका टूथब्रश रोजाना बैक्टीरिया के संपर्क में आता है। हर बार ब्रश करने पर कुछ कीटाणु उसके रेशों में रह जाते हैं। धोने से मदद मिलती है, लेकिन पूरी तरह साफ नहीं होता। ऊपर से अगर ब्रश को नमी भरे बाथरूम में रखा जाए, तो बैक्टीरिया और तेजी से बढ़ते हैं।

इसीलिए पुराने टूथब्रश को ज्यादा समय तक इस्तेमाल करना सही नहीं है।

कुछ स्थितियों में इसे और जल्दी बदलना चाहिए। अगर आप हाल ही में बीमार पड़े हों—जैसे सर्दी, फ्लू या गले में खराश—तो ठीक होने के बाद ब्रश बदल लेना बेहतर होता है। इससे दोबारा संक्रमण का खतरा कम होता है।

ब्रिसल्स पर भी ध्यान दें। अगर वे मुड़े हुए, फैले हुए दिखें या मुलायम के बजाय खुरदरे लगें, तो नया ब्रश लेने का समय आ गया है। घिसा हुआ ब्रश न केवल ठीक से सफाई नहीं करता, बल्कि मसूड़ों में जलन भी पैदा कर सकता है।

बच्चों के मामले में यह और जल्दी होता है। वे अक्सर ज्यादा जोर से ब्रश करते हैं, कभी-कभी ब्रिसल्स को चबा भी लेते हैं, जिससे ब्रश जल्दी खराब हो जाता है। इसलिए उनके ब्रश को समय-समय पर बदलना और भी जरूरी है।

इलेक्ट्रिक टूथब्रश के हेड पर भी यही नियम लागू होता है। भले ही उसका हैंडल लंबे समय तक चलता है, लेकिन ब्रश हेड को हर कुछ महीनों में बदलना जरूरी है।

अच्छी बात यह है कि यह बदलाव आसान है।

ज्यादातर स्वास्थ्य आदतों की तुलना में टूथब्रश बदलना बहुत सरल है।

रातभर एसी चलाने पर भी बिल नहीं आएगा ज्यादा, कर लें ये सेटिंग

गर्मियों का मौसम आते ही एसी हमारी जिंदगी का एक जरूरी हिस्सा बन जाता है। इसके बिना गुजारा करने के बारे में तो हम सोच ही नहीं सकते हैं। खासकर रात में सोते समय भी रातभर एसी चलाना पड़ता है, क्योंकि इसे बंद करने पर कमरा गर्म हो जाता है और नींद नहीं आती। इस वजह से कई लोग रातभर एसी चलाते हैं और महीने के आखिर में जब बिजली का बिल आता है तो दिमाग चकरा जाता है। अगर आप भी सुकून से सोने के लिए एसी को रातभर ऑन रखते हैं, तो आज हम आपको एसी की कुछ ऐसी सेटिंग्स बताएंगे, जिन्हें करके आप बिल को कंट्रोल में रखने के साथ ही सुकून से सो भी सकते हैं।

एसी के बिल को कैसे कम करें

टेंपरेचर

सबसे पहली चीज, जिसका आपको ध्यान रखना है, वह है एसी को सही टेंपरेचर पर सेट करके रखना। बहुत से लोग एसी को 16-18 डिग्री पर सेट कर देते हैं। ऐसा करने से कमरा जल्दी ठंडा हो जाता है, लेकिन असल में यह टेंपरेचर इतना जरूरी नहीं है। एक्सपर्ट्स की मानें तो 23-24 डिग्री पर टेंपरेचर सेट करने पर भी कमरा ठंडा रहता है और बिजली की खपत भी कम होती है।

स्लीप मोड

इसके अलावा दूसरी ट्रिक है एसी का स्लीप मोड। आमतौर पर एसी में स्लीप मोड होता है, लेकिन लोगों को इसका सही इस्तेमाल नहीं आता। जब आप एसी को स्लीप मोड पर सेट करते हैं, तो इसमें आपके सेट किए गए समय के बाद एसी अपने आप बंद हो जाता है। रात के समय जब टेंपरेचर सही रहता है, तो ज्यादा गर्मी नहीं लगती और एसी भी खुद-ब-खुद बंद हो जाता है, जिससे ज्यादा ठंड भी नहीं लगती और बिजली की बचत भी होती है।

टाइमर सेट करना

कुछ एसी में स्लीप मोड की जगह टाइमर होता है। इस सेटिंग में आप एसी को अपने हिसाब से कितनी देर तक चलाना है, उसका टाइमर सेट कर सकते हैं और उसे कुछ घंटों के बाद बंद कर सकते हैं।

कमरे को सही से सील करें

इसके साथ ही कमरे को देर तक ठंडा रखने के लिए उसे सही तरीके से बंद करना भी बेहद जरूरी है। आप दरवाजों और खिड़कियों को ठीक से सील करें, ताकि बाहर की गर्म हवा अंदर न आए और कमरा देर तक ठंडा रहे।

पंखे के साथ चलाएं AC

इसके साथ ही एक और तरीका है, जिसमें आप एसी के साथ पंखे को भी चलाएं। पंखा ठंडी हवा को कमरे में फैलाता है और एसी की कूलिंग जल्दी और बेहतर होती है।

अगर आप इन छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखेंगे, तो न सिर्फ आपका कमरा ठंडा रहेगा, बल्कि बिजली का बिल भी काफी हद तक कम हो जाएगा।

सात अनाजों से मिलकर बनता है सत्तू, गर्मियों में शरीर को देता है ठंडक, जानें घर पर कैसे बनाएं?

गर्मियों का मौसम आते ही शरीर को हाइड्रेटेड रखना सबसे बड़ी चुनौती है। ऐसे में देसी चीजों की बात करें तो सत्तू एक बेहतरीन विकल्प है। सत्तू सिर्फ एक अनाज से नहीं, बल्कि सात अलग-अलग अनाजों को मिलाकर बनाया जाता है, जिससे इसकी पौष्टिकता और भी बढ़ जाती है। यह न सिर्फ शरीर को अंदर से ठंडक देता है, बल्कि एनर्जी बनाए रखने में भी मदद करता है। चलिए जानते हैं सत्तू को किन चीजों से तैयार किया जाता है और इसे घर पर कैसे बनाएं?

किन चीजों से तैयार होता है सत्तू?

सत्तू में प्रोटीन, फाइबर, आयरन और कई जरूरी मिनरल्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। सत्तू नाम इसलिए पड़ा क्योंकि यह सात अनाजों से मिलकर तैयार होता है। सत्तू को जौ, चना, गेहूं, मक्का, ज्वार, बाजरा और चावल से तैयार किया जाता है। इन सभी अनाजों को भूनकर पीसा जाता है, जिससे यह पचने में आसान और शरीर के लिए फायदेमंद बन जाता है। गर्मियों में इसका सेवन लू से बचाने, पेट को ठंडा रखने और डिहाइड्रेशन से बचाने में मदद करता है।

घर पर कैसे बनाएं?

पहला स्टेप: अगर आप सत्तू को घर पर बनाना चाहते हैं, तो सबसे पहले जौ, चना, गेहूं, मक्का, ज्वार, बाजरा और चावल को साफ करके धूप में अच्छी तरह से सुखा लें।

दूसरा स्टेप: अब, इसके बाद इन्हें धीमी आंच पर अलग-अलग भून लें, ताकि इनमें हल्की खुशबू आने लगे। जब अनाज हल्का सुनहरा हो जाए तब गैस बंद कर दें।

तीसरा स्टेप: अब सभी भूने हुए अनाजों को ठंडा करके मिक्सर या चक्की में बारीक पीस लें। तैयार पाउडर को एयरटाइट डिब्बे में स्टोर करें।

कैसे करें सेवन?

सत्तू का सेवन कई तरह से किया जा सकता है। आप इसे ठंडे पानी में नमक, नींबू और जीरा डालकर नमकीन शरबत की तरह पी सकते हैं। यह न सिर्फ ठंडक देता है, बल्कि लंबे समय तक पेट भरा रखने में भी मदद करता है, जिससे बार-बार भूख नहीं लगती। इस तरह, सात अनाजों से बना सत्तू गर्मियों में सेहत और ठंडक दोनों का परफेक्ट कॉम्बिनेशन है, जिसे आप आसानी से घर पर बनाकर अपनी डेली डाइट में शामिल कर सकते हैं।

कैसे सत्ता संघर्ष ने एक देश को तोड़ दिया: सूडान के तीन साल के युद्ध की कीमत

15 अप्रैल को जब सूडान का गृहयुद्ध चौथे साल में प्रवेश कर गया, तब इस संकट के प्रभाव और गहराते नजर आ रहे हैं। 2023 में दो सैन्य नेताओं के बीच सत्ता की लड़ाई के रूप में शुरू हुआ यह संघर्ष अब पूरे देश में फैल गया है, जिसने देश को विभाजित कर दिया, अर्थव्यवस्था को तबाह कर दिया और लाखों लोगों को जीवित रहने के संघर्ष की कगार पर ला खड़ा किया है।

संयुक्त राष्ट्र अब सूडान को दुनिया के सबसे गंभीर मानवीय संकट का सामना कर रहा देश बताता है। लेकिन इस एक लेबल के पीछे राजनीतिक विफलता, प्रतिस्पर्धी सशस्त्र गुटों, विदेशी हस्तक्षेप और ढहते राज्य की कहानी छिपी है, जिसके प्रभाव दशकों तक बने रहने की आशंका है।

सूडान में युद्ध क्यों हो रहा है?

इस युद्ध की जड़ में सूडान के सेना प्रमुख जनरल अब्देल फत्ताह अल-बुरहान और अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (RSF) के नेता जनरल मोहम्मद हमदान डगालो (हेमेदती) के बीच सत्ता संघर्ष है।

दोनों कभी सहयोगी थे। 2019 में उन्होंने लंबे समय से शासन कर रहे उमर अल-बशीर को जनआंदोलन के बाद सत्ता से हटाने के लिए हाथ मिलाया था। इसके बाद नागरिक शासन की ओर एक

कमजोर संक्रमण शुरू हुआ, लेकिन वह स्थिर नहीं हो सका। अक्टूबर 2021 में बुरहान और हेमेदती ने फिर मिलकर तख्तापलट किया और नागरिक सरकार को हटा दिया।

लेकिन यह गठबंधन जल्दी टूट गया। मुख्य विवाद RSF को नियमित सेना में शामिल करने और देश की राजनीतिक व्यवस्था पर अंतिम नियंत्रण को लेकर था। जैसे ही नए संक्रमण पर बातचीत ठप हुई, 15 अप्रैल 2023 को तनाव खुले संघर्ष में बदल गया।

जो विवाद नेतृत्व तक सीमित था, वह जल्द ही फैल गया। रॉयटर्स के अनुसार, इसमें कई स्थानीय मिलिशिया शामिल हो गए और यह क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्विता में उलझकर दो पक्षों के युद्ध से बढ़कर एक बिखरे हुए युद्धक्षेत्र में बदल गया।

कौन लड़ रहा है और किसका समर्थन है?

यह संघर्ष बुरहान के नेतृत्व वाली सूडानी सेना (SAF) और RSF के बीच है, जो एक शक्तिशाली अर्धसैनिक बल है और पश्चिमी सूडान में इसकी गहरी पकड़ है।

समय के साथ यह युद्ध क्षेत्रीय रूप ले चुका है। रॉयटर्स के मुताबिक, मिस्र, तुर्की, सऊदी अरब और कतर जैसे देश अलग-अलग स्तर पर सूडानी सेना का समर्थन कर रहे हैं।

दूसरी ओर, संयुक्त राष्ट्र के शोधकर्ताओं और अमेरिकी सांसदों ने आरोप लगाया है कि RSF को पड़ोसी देशों के जरिए संयुक्त अरब अमीरात से समर्थन मिल रहा है, हालांकि UAE इन आरोपों से इनकार करता है।

कूटनीतिक प्रयास भी इस बाहरी हस्तक्षेप को दर्शाते हैं। 'क्वाड' नामक एक समूह—जिसमें अमेरिका, सऊदी अरब, मिस्र और UAE शामिल हैं—ने युद्धविराम कराने की कोशिश की, लेकिन स्थायी सफलता नहीं मिली।

अफ्रीकी संघ और इगाड जैसे क्षेत्रीय संगठन भी बातचीत कराने की कोशिश कर चुके हैं, लेकिन संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी की प्रतिनिधि मैरी-हेलेन वर्नी के अनुसार 'किसी समाधान की दिशा में स्पष्ट प्रगति नजर नहीं आ रही है।

8 घंटे की शिफ्ट पर छिड़ी जंग : दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह के काम करने के तरीके में बड़ा अंतर

मुंबई। हिंदी सिनेमा में आठ घंटे काम करने का मुद्दा दोबारा गरमा गया है। दीपिका पादुकोण ने मां बनने के बाद सिनेमा में आठ घंटे की शिफ्ट की मांग की थी। उनका कहना था कि इंडस्ट्री में 8 घंटे से ज्यादा काम करने को प्रतिबद्धता मान लिया गया है। वहीं इस मुद्दे को दोबारा हवा देते हुए कंगना रनौत ने हालिया इंटरव्यू में एक्ट्रेस का सपोर्ट किया, जिसके बाद इंडस्ट्री में दोबारा 8 घंटों की शिफ्ट को लेकर बहस छिड़ गई है लेकिन क्या आप जानते हैं कि काम के मामले में दीपिका पादुकोण और उनके पति रणवीर सिंह दोनों की राय बहुत अलग है।

दीपिका पादुकोण जहां आठ घंटे की शिफ्ट को मेंटल और फिजिकल हेल्थ से जोड़कर देखती हैं, वहीं रणवीर सिंह के लिए काम ही सब कुछ है। उन्होंने धुरंधर में लगातार बिना ब्रेक लिए काम किया था। जिसका खुलासा, वे कई पोस्ट में कर चुके हैं। निर्देशक आदित्य धर ने खुद बताया था कि रणवीर सिंह समेत पूरी टीम ने 16-18 घंटे काम किया था। वहीं अभिनेता ने एक पुराने इंटरव्यू में भी खुलासा किया था कि उनकी वजह से उनके बाकी को-स्टार को भी परेशानी होती थी, क्योंकि वह आठ घंटे की शिफ्ट पर यकीन नहीं करते। उन्होंने कहा था, हिंदी सिनेमा में या एक फिल्म को बनाने में आठ घंटे में काम कर पाना बहुत मुश्किल है, तो थोड़ा ज्यादा कर लो शूटिंग, क्योंकि मैं काम को 'ट्रांजेक्शन' या सिर्फ एक लेन-देन के रूप में नहीं देखता।'

उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा था कि मेरे को-स्टार भी मुझसे परेशान हैं क्योंकि उनको लगता है कि मेरी वजह से उन्हें भी शिफ्ट से ज्यादा काम करना पड़ेगा और मैं सिनेमा के शिफ्ट स्टैंडर्ड को खराब कर रहा हूं, लेकिन अगर जो चीज हमें सीन के लिए चाहिए, अगर वह आठ घंटे में नहीं निकली तो क्या हुआ, थोड़ा सा और कर लो शूटिंग।

बता दें कि रणवीर सिंह का बयान दीपिका पादुकोण के बयान से पहले आया था, जब दोनों साथ में कई फिल्में कर रहे थे। हालांकि दीपिका के बयान का बहुत सारे सिलेब्स ने सपोर्ट किया, सिवाय रणवीर सिंह के। जबकि संदीप रेड्डी वांगा और फराह खान जैसे निर्देशकों ने जमकर विरोध किया। यही कारण था कि दीपिका पादुकोण ने संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' को ठुकरा दिया था, जिसके बाद तृप्ति डिमरी को फिल्म में कास्ट किया गया।

बिहार या यूपी, किसकी होगी जीत : रिलीज हुआ रानी चटर्जी और संजना पांडेय की 'यूपी वाली, बिहार वाली' का ट्रेलर

मुंबई। भोजपुरी सिनेमा की फेमस एक्ट्रेस रानी चटर्जी और संजना पांडेय जल्द ही अपकमिंग फिल्म 'यूपी वाली, बिहार वाली' पोस्टर रिलीज के बाद से ही सुर्खियों में बनी हुई हैं, लेकिन अब फिल्म का मजेदार ट्रेलर भी रिलीज हो गया है।

ट्रेलर में रानी चटर्जी और संजना पांडेय के बीच बिहार और यूपी राज्य को लेकर खींचतान जारी है। रानी चटर्जी जहां यूपी वाली हैं, तो संजना पांडेय बिहार वाली हैं। रानी अपने घर के लिए बिहार वाली देवरानी को पसंद करती है, लेकिन बोलचाल से लेकर पहनावे तक टोकती भी रहती है। शादी के बाद इन्हीं सब चीजों को लेकर दोनों के बीच जबरदस्त तकरार भी होती है। संजना सिंह यूपी की बुराई करती है, तो रानी बिहार की, लेकिन संजना के मां बनने की खुशखबरी से घर में सब कुछ बदल जाता है।

देवरानी-जेठानी के बीच प्यार पनपने लगता है, लेकिन एक हादसा पूरे घर की खुशियां छीन लेता है। संजना के बच्चे की मौत हो जाती है और वह मानसिक रूप से कमजोर हो जाती है। संजना को ठीक करने के लिए पूरा परिवार एक हो जाता है लेकिन आगे क्या होता है, उसके लिए फिल्म के रिलीज का इंतजार करना होगा। यूजर्स को भी फिल्म का ट्रेलर काफी अच्छा लग रहा है और वे दोनों अभिनेत्रियों की खुलकर तारीफ कर रहे हैं।

'यूपी वाली, बिहार वाली' के निर्देशक मंजुल ठाकुर कर रहे हैं, जबकि फिल्म के निर्माता संदीप सिंह और मंजुल ठाकुर हैं। फिल्म की कहानी अरविंद तिवारी ने लिखी है। फिल्म में रानी चटर्जी और संजना सिंह के अलावा, प्रशांत सिंह, अलोक सिंह, रीना रानी, ललित उपाध्याय, श्वेता वर्मा और प्रेम दुबे भी दिखेंगे। फिल्म की रिलीज डेट अभी साफ नहीं है लेकिन फिल्म को जल्द ही टीवी पर रिलीज किया जाएगा।

बता दें कि रानी चटर्जी और संजना पांडेय दोनों ही भोजपुरी की जानी-मानी अभिनेत्री है। दोनों ही अभिनेत्रियों ने सास-बहू के इत्तर महिला उन्मुख फिल्मों में काम किया है। रानी चटर्जी ने कई फिल्में अपने बलबूते पर हिट कराई है।

'आखिर कब तक इंतजार', महिला आरक्षण कानून के पास न होने से निराश खुशबू पाटनी

मुंबई। लंबी बहस और मतभेदों के बीच शुक्रवार को संविधान का 31वां संशोधन बिल लोकसभा में गिर गया। यह बिल महिला आरक्षण कानून में संशोधन लाने के लिए लाया गया था, लेकिन बिल को पास करने के लिए दो-तिहाई वोट की आवश्यकता होती है। बिल को पास कराने के पक्ष में 298 वोट और विरोध में 230 वोट पड़े, जो दो तिहाई से बहुत कम है। कुल मिलाकर महिला आरक्षण कानून पास नहीं हो पाया। अब राजनीतिक गलियारों से लेकर सोशल मीडिया तक हर कोई अपना पक्ष रख रहा है।

बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी की बहन और फिटनेस कोच खुशबू पाटनी ने बिल न पास होने पर दुख जताया है। खुशबू पाटनी ने विरोध दर्ज कराया है कि कब तक सिर्फ महिलाएं ही सहती रहेंगी और अपने अधिकारों से वंचित रहेंगी। खुशबू का कहना है कि सालों से महिलाओं के हक में लाए जा रहे बिल के बारे में सुना, लेकिन इतने साल बीत गए लेकिन बिल लागू नहीं हो पाया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर सवाल किया कि कितना और इंतजार करना होगा। उन्होंने लिखा, 'कितना और इंतज़ार? कभी जनगणना ने रोका, कभी परिसीमन ने रोका, कभी किसी राजनीतिक बहस ने रोका। आज तक महिला आरक्षण बिल लागू नहीं हो सका।' उन्होंने आगे लिखा, 'सबको पता है 2026 में परिसीमन फ्रीजिंग हट जाएगी, तब भी कोई समाधान नहीं। ये समस्या हमारी है या राजनीतिक पार्टियों की?? कितने साल और इंतजार करना होगा, 2035 तक। जब पैदा हुई तब सुना था, आज भी सुन ही रही हूं। ऐसा नहीं हो बुढ़ापे में भी सुनती रहूंगी।'

खुशबू पाटनी महिलाओं से जुड़े हर मुद्दे पर अपनी राय रखती हैं। वे सोशल मीडिया के जरिए महिला सुरक्षा की न सिर्फ बात करती हैं, बल्कि महिलाओं को आत्मरक्षा की ट्रेनिंग भी देती हैं। उन्होंने अपना खुद का एक सस्ता पेपर स्प्रे भी लॉन्च किया था, जो किसी भी खराब स्थिति में महिलाओं को बचाने में मदद के लिए है। वहीं दूसरी तरफ खुशबू पहली बार रियलिटी शो 'ट्राइबवर्स' में दिख रही हैं। शो जियो हॉटस्टार पर टेलीकास्ट हो चुका है।

फर्श से अर्श तक अरशद वारसी : अनाथ हुए लेकिन नहीं हारी हिम्मत, आज हैं बॉलीवुड के 'कॉमेडी किंग'

मुंबई। मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस.' का सर्किट का किरदार हो या 'गोलमाल' सीरीज के माधव, कॉमेडी के मामले में अरशद वारसी को टक्कर दे पाना बहुत मुश्किल है।

इन दोनों ही किरदारों ने अरशद की जिंदगी बदल दी, लेकिन एक समय ऐसा था, जब अभिनेता ने सब कुछ खो दिया था और उनकी दुनिया पूरी तरीके से बदल गई थी।

19 अप्रैल को मुंबई में जन्मे अरशद वारसी के लिए हिंदी सिनेमा में पैर जमाना आसान नहीं था, और उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वे एक्टिंग की दुनिया में कदम रखेंगे, लेकिन कहते हैं कि भाग्य में जहां जाना लिखा होता है, वहां के दरवाजे आपके लिए खुलते ही चले जाते हैं। अभिनेता के साथ भी वैसा ही हुआ। माता-पिता की बीमारी और उनके असमय छोड़कर जाने की वजह से अरशद ने छोटी उम्र में काम करना शुरू कर दिया था।

अरशद ने खुद खुलासा करते हुए बताया था कि उनके पिता एक अच्छे बिजनेसमैन नहीं थे और उन्होंने पूरे परिवार को बर्बाद कर दिया था।

अभिनेता के पिता ने सारा पैसा बिजनेस में डूबा दिया और बोन कैंसर से जूझने लगे, जबकि मां किडनी की बीमारी से ग्रसित थी। हर हफ्ते मां का डायलिसिस होता था और घर में सेविंग के नाम पर कुछ नहीं था। उन्होंने कहा था, 'उस वक्त मैं कोरियोग्राफर था। गाने कोरियोग्राफ और प्ले करता था। मेरी सारी कमाई मां के एक हफ्ते के डायलिसिस पर खर्च हो जाती थी। हर हफ्ते यही प्रक्रिया दोबारा होनी थी। उस वक्त लगा कि क्या जिंदगी है, एक छोटे से घर में जिंदगी बिताना।

माता-पिता के निधन ने अभिनेता को तोड़ दिया था, क्योंकि कोई आस-पास नहीं था, जो मदद कर सके। उसी पल ने अरशद वारसी को एक रात में बड़ा कर दिया था। अरशद वारसी ने बचपन में माता-पिता के साथ गहरा लगाव महसूस नहीं किया था क्योंकि वे बोर्डिंग स्कूल में पढ़े थे। अभिनेता इतना अकेला महसूस करते थे, खुद को चिट्ठियां लिखते थे और अपने दोस्तों से डाक के जरिए पोस्ट कराते थे।

एक पुराने इंटरव्यू में अभिनेता ने बताया था कि मुझे वो लोग समझ नहीं आते, जो कहते हैं कि वे अपने माता-पिता के बिना नहीं रह सकते। कभी-कभी उनके माता-पिता उनकी छुट्टियां भूल जाते थे, जिसकी वजह से उन्हें स्कूल में ही छोड़ दिया जाता था जबकि बाकी बच्चे घर चले जाते थे। वे खुद को चिट्ठियां भी लिखते थे। मैं साल में सिर्फ दो बार घर जाता था।

इतना सब झेलने के बाद भी उन्होंने हार नहीं मानी और जया बच्चन की वजह से फिल्मों में एंट्री ली। अभिनेता की पहली फिल्म थी तेरे मेरे सपने। यह फिल्म अमिताभ बच्चन की कंपनी एबीसीएल बैनर के तले बनी थी, जिसके बाद अभिनेता 'बेताबी,' 'मेरे दो अनमोल रत्न,' और 'हीरो हिंदुस्तानी' जैसी फिल्मों में दिखे, लेकिन सर्किट के किरदार ने सिनेमा में उन्हें जीवनदान दिया।

राजनीतिक लाभ के लिए विपक्ष ने पास नहीं होने दिया महिला आरक्षण कानून: पवन कल्याण

मुंबई। साउथ सिनेमा के बड़े अभिनेता और जन सेना पार्टी की नींव रखने वाले पवन कल्याण महिला आरक्षण बिल संशोधन पास नहीं होने के कारण काफी निराश हैं।

अभिनेता ने इसके लिए विपक्ष को खूब खरी-खोटी सुनाई है और उन पर राजनीतिक लाभ के लिए महिलाओं को अधिकारों से वंचित रखने का आरोप भी लगाया है। इसके साथ पवन कल्याण ने पीएम मोदी की महिला-आधारित नीतियों की खुलकर तारीफ की है और उनका समर्थन भी किया है।

पवन कल्याण ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर विपक्ष पर जमकर निशाना साधा है। अभिनेता के मुताबिक विपक्ष ने जानबूझकर बिल को पास नहीं होने दिया है। अभिनेता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'भारत की विधानसभाओं में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को मजबूत करने का एक ऐतिहासिक अवसर विपक्ष द्वारा जानबूझकर अवरुद्ध किया गया है। विपक्ष का यह रुख स्पष्ट करता है कि उनमें भारत के लोकतंत्र को मजबूत करने और महिलाओं को सशक्त बनाने वाले परिवर्तनकारी सुधारों का समर्थन करने की मंशा नहीं है।

पवन कल्याण का कहना है कि विपक्ष ने एक बार फिर साबित कर दिया कि राष्ट्रीय प्रगति के ऊपर राजनीतिक लाभ है, जिससे महिलाओं के अधिकारों को क्षति पहुंची है। उन्होंने आगे लिखा, 'इस ऐतिहासिक सुधार का समर्थन करना महिलाओं को सशक्त बनाने और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता को दिखाता है। एनडीए सहयोगी के रूप में, जनसेना पार्टी माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व का तहे दिल से स्वागत और सराहना करती है, जिन्होंने इस महत्वपूर्ण विधेयक को संसद के समक्ष प्रस्तुत किया।

जापान में महसूस हुआ 5 से ऊपर तीव्रता का भूकंप पीएम ताकाइची ने लोगों से अलर्ट रहने की अपील की

टोक्यो। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार, स्थानीय समयानुसार शनिवार दोपहर 1:20 बजे उत्तरी नागानो प्रांत में 5.0 तीव्रता का भूकंप आया। जापानी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, देश के शिंडो भूकंपीय तीव्रता पैमाने पर भूंकप की तीव्रता 5 से ऊपर थी। प्रधानमंत्री शाने ताकाइची ने लोगों से अलर्ट रहने के लिए कहा है।

प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'आज दोपहर करीब 1:20 बजे, उत्तरी नागानो प्रीफेक्चर में भूकंप का सेंटर था, और नागानो प्रीफेक्चर के ओमाची शहर में जापानी स्केल पर 5 की मैक्सिमम सीस्मिक इंटेंसिटी के साथ तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप के बाद सरकार ने तुरंत पीएम ऑफिस के क्राइसिस मैनेजमेंट सेंटर में प्रधानमंत्री ऑफिस कॉन्टैक्ट रूम बनाया।' लोगों से सतर्क रहने की अपील करते हुए पीएम ताकाइची ने कहा, 'इसके अलावा, मैंने नुकसान की स्थिति का आकलन करने, जनता को जानकारी देने और दूसरे मामलों के बारे में निर्देश जारी किए। जिन इलाकों में भूकंप के झटके तेज थे, वहां के लोगों से मैं कहना चाहती हूं कि वे उसी तीव्रता के भूकंप की संभावना के प्रति सतर्क रहें।' 'द जापान टाइम्स' के अनुसार, जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने कहा कि भूकंप से सुनामी का कोई खतरा नहीं है। भूकंप का सेंटर प्रीफेक्चर के उत्तरी इलाके में था, जो 10 किलोमीटर की गहराई पर था। ओमाची शहर में भूकंप की ऊपरी तीव्रता 5 और नागानो शहर में निचली तीव्रता 5 दर्ज की गई। ओगावा गांव में इसकी तीव्रता 4 दर्ज की गई, जबकि मात्सुमोतो शहर में इसकी तीव्रता 3 दर्ज की गई। इसके बाद जापान में एक और भूकंप के झटके महसूस हुए, जिसकी तीव्रता 3 थी। दूसरा भूकंप लगभग दो घंटे बाद दोपहर 3:30 बजे ओमाची में आया। टोक्यो इलेक्ट्रिक पावर कंपनी होल्डिंग्स ने कहा कि पड़ोसी निगाटा प्रीफेक्चर में काशीवाजाकी-कारीवा न्यूक्लियर पावर प्लांट में कोई गड़बड़ी नहीं मिली। अधिकारियों ने इलाके में ऐसे ही भूकंप आने की चेतावनी दी है और लोगों से सावधान रहने को कहा है।

नेपाल सरकार के सीमा पार खरीद पर शुल्क लगाने के फैसले पर विरोध

काठमांडू । नेपाल सरकार द्वारा भारत के सीमावर्ती कस्बों से लाए जाने वाले 100 नेपाली रुपये से अधिक मूल्य के सामान पर कस्टम ड्यूटी लगाने के फैसले का विरोध शुरू हो गया है। सीमा क्षेत्रों के लोगों और हितधारकों का कहना है कि यह कदम उनके लिए मुश्किलें बढ़ाने वाला है, क्योंकि वे लंबे समय से सस्ते सामान के लिए भारतीय बाजारों पर निर्भर रहे हैं।

सरकार ने पिछले कुछ दिनों से इस नियम को सख्ती से लागू करना शुरू किया है। हालांकि यह प्रावधान कई साल पहले बनाया गया था, लेकिन व्यावहारिक दिक्कतों के कारण इसे लागू नहीं किया जा रहा था। नई सरकार के इस फैसले से अब स्थानीय स्तर पर नाराजगी बढ़ गई है।

नेपाल-भारत खुली सीमा संवाद समूह ने शनिवार को सरकार से कस्टम नीति में तुरंत संशोधन करने की मांग की। संगठन ने चेतावनी दी कि मौजूदा नियम सीमा क्षेत्रों में रहने वाले लोगों पर अनावश्यक बोझ डाल रहे हैं।

जारी बयान में संगठन ने नेपाल और भारत के बीच सदियों पुराने सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों का हवाला देते हुए सरकार से व्यावहारिक और जनहितैषी कदम उठाने की अपील की, ताकि सीमा पार आवाजाही आसान हो सके और लोगों के बीच संबंध मजबूत हों।

संगठन की प्रमुख मांगों में 100 नेपाली रुपये से अधिक मूल्य के सामान पर लगने वाली कस्टम ड्यूटी को तत्काल खत्म करना शामिल है। उनका कहना है कि यह नियम खासकर कम आय वाले परिवारों को प्रभावित करता है और इसे लागू करना भी मुश्किल है। इसके बजाय घरेलू उपयोग के सामान पर शून्य शुल्क की मांग की गई है।

इसके अलावा, संगठन ने सीमा क्षेत्रों में सुव्यवस्थित और सस्ते बाजार विकसित करने की भी मांग की, ताकि लोगों को जरूरी वस्तुएं आसानी से मिल सकें। साथ ही धार्मिक और सांस्कृतिक यात्राओं के लिए विशेष कस्टम-फ्री सुविधा देने का प्रस्ताव रखा गया है।

दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति का भारत दौरा आज से

सोल । दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग की रविवार से शुरू हो रही तीन दिवसीय भारत यात्रा को भारत और दक्षिण कोरिया के द्विपक्षीय संबंधों को नई दिशा देने वाला अहम पड़ाव माना जा रहा है। यह दौरा आर्थिक सहयोग से आगे बढ़कर सुरक्षा, संस्कृति और लोगों के बीच संबंधों को भी मजबूती देने वाला माना जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय पत्रिका द डिप्लोमैट की रिपोर्ट के अनुसार, 2026 को 'स्पेशल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' के दूसरे दशक में एक नए चरण की शुरुआत के रूप में याद किया जा सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति की भारत की पिछली राजकीय यात्रा जुलाई 2018 में हुई थी, जबकि नरेंद्र मोदी की आखिरी दक्षिण कोरिया यात्रा फरवरी 2019 में हुई थी। इसके बाद दोनों देशों के शीर्ष नेताओं के बीच संपर्क मुख्य रूप से बहुपक्षीय मंचों तक सीमित रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, यह ठहराव उस समय है जब वैश्विक परिदृश्य में भारत की रणनीतिक स्थिति तेजी से मजबूत हुई है। बढ़ती वैश्विक अस्थिरता के बीच कई देश और कंपनियां भारत को एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में देख रही हैं। भारत फ्रांस और यूनाइटेड किंगडम को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और इस दशक के अंत तक जापान तथा जर्मनी को पीछे छोड़ तीसरे स्थान पर पहुंचने की संभावना जताई गई है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत—जो दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र और सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है—ने बुनियादी ढांचे में बड़े निवेश और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नियमों में उदारीकरण के जरिए अपने कारोबारी माहौल में सुधार किया है।

हालांकि, रिपोर्ट इस बात पर जोर देती है कि भारत और दक्षिण कोरिया अभी तक अपने बहु-संरेखण (मल्टी एलाइनमेंट) दृष्टिकोण के बीच संभावित तालमेल को पूरी तरह नहीं तलाश पाए हैं, जबकि इसके लिए अनुकूल परिस्थितियां तेजी से बन रही हैं।

19 से 21 अप्रैल तक प्रस्तावित यह यात्रा मौजूदा कूटनीतिक माहौल में बड़ा बदलाव ला सकती है।

रिपोर्ट के अनुसार, जून 2025 में सत्ता में आई दक्षिण कोरिया की वर्तमान सरकार पूर्व राष्ट्रपति मून जे-इन की 'न्यू सदर्न पॉलिसी' को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसका उद्देश्य एशिया की उभरती अर्थव्यवस्थाओं के साथ संबंधों को मजबूत करना था।

सरकार अपने '123 नेशनल पॉलिसी एजेंडा' में 'ग्लोबल साउथ' शब्द का इस्तेमाल करते हुए बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की तैयारी का संकेत दे रही है। इस संदर्भ में भारत—जो ग्लोबल साउथ की प्रमुख आवाज माना जाता है—के साथ संबंध मजबूत करना सियोल की प्राथमिकता बनता दिख रहा है।

रिपोर्ट में भारत और दक्षिण कोरिया के बीच पूरक क्षमताओं पर भी जोर दिया गया है। खासकर रक्षा और शिपबिल्डिंग जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग के जरिए वैल्यू-चेन को मजबूत करने और आर्थिक सुरक्षा बढ़ाने की बड़ी संभावनाएं हैं।

ट्रंप की इमिग्रेशन नीति से अमेरिका के इनोवेशन को नुकसान : विशेषज्ञ

स्टैनफोर्ड। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सख्त इमिग्रेशन नीतियों को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। सिलिकॉन वैली के इमिग्रेशन विशेषज्ञ विवेक वाधवा का कहना है कि इन नीतियों की वजह से अमेरिका अपनी प्रतिभा और नवाचार खो रहा है, जबकि भारत इसका बड़ा फायदा उठा रहा है। सिलिकॉन वैली में लंबे समय से काम कर रहे विवेक वाधवा ने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में कहा कि अमेरिका अब सबसे बेहतर और प्रतिभाशाली लोगों को खुद ही दूर भगा रहा है। ये पिछड़ी हुई इमिग्रेशन नीतियां अमेरिका को भारी नुकसान पहुंचा रही हैं।

विवेक वाधवा लंबे समय से अमेरिकी इनोवेशन में प्रवासियों की भूमिका पर रिसर्च कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले सिलिकॉन वैली में करीब आधे स्टार्टअप प्रवासियों द्वारा शुरू किए जाते थे, लेकिन पिछले एक दशक में यह आंकड़ा गिरकर 40 से 44 प्रतिशत तक आ गया है और अब यह संभवत: 30 प्रतिशत के आसपास या उससे भी कम रह गया है।

उन्होंने अपने अनुभव का उदाहरण देते हुए बताया कि जब उन्होंने सिलिकॉन वैली में मेडिकल डायग्नोस्टिक कंपनी शुरू करने की कोशिश की, तो उन्हें न तो पर्याप्त प्रतिभा मिली और न ही निवेश। विवेक वाधवा ने कहा, 'मुझे यहां न टैलेंट मिला, न फंडिंग।' निवेशक ऐसे प्रोजेक्ट्स में पैसा लगाने से हिचक रहे थे जिनका रिसर्च और डेवलपमेंट अमेरिका के बाहर हो।

इसके बाद विवेक वाधवा ने अपनी कंपनी का काम भारत शिफ्ट कर दिया, जहां उन्होंने आईआईटी मद्रास और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान जैसे संस्थानों के साथ काम किया। उनका दावा है कि सिर्फ एक साल में वहां ऐसे ब्रेकथ्रू हुए, जो अमेरिका में संभव नहीं लगते थे। विवेक वाधवा ने कहा कि भारत में आज भी ऐसे विशेषज्ञों की अच्छी संख्या है जो थर्मोडायनामिक्स, प्लाज्मा फिजिक्स, केमिस्ट्री और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग जैसे विषयों की गहरी समझ रखते हैं। इसके उलट, उन्होंने अमेरिकी स्टार्टअप इकोसिस्टम में इस तरह की प्रतिभा की कमी की बात कही।

उन्होंने एच-1बी वीजा प्रक्रिया को भी बड़ी समस्या बताया। विवेक वाधवा ने कहा कि इस बैकलॉग और जटिल प्रक्रिया के चलते मैं वह टैलेंट अमेरिका नहीं ला सका, जिसकी मुझे जरूरत थी। ग्रीन कार्ड मिलने में लंबा समय भी प्रवासियों के लिए बड़ी चिंता है। उन्होंने सवाल उठाया, 'लोग हमेशा डर में रहते हैं कि उन्हें कभी भी बाहर किया जा सकता है, ऐसे में कौन यहां आना चाहेगा?' विवेक वाधवा ने अपने 1980 के दशक के अनुभव से तुलना करते हुए कहा, 'जब मैं अमेरिका आया था, तो मुझे 18 महीने में ग्रीन कार्ड मिल गया था। आज यही प्रक्रिया सालों खिंच सकती है।'

उन्होंने चेतावनी दी कि इसका असर सिर्फ इमिग्रेशन तक सीमित नहीं है, बल्कि इनोवेशन पर भी पड़ रहा है। इनोवेशन अब ग्लोबल हो चुका है।

पाकिस्तानी सेना ने पांच बलूचों का किया कत्ल, 4 अब भी लापता: मानवाधिकार संगठन

क्वेटा । बलूचिस्तान के स्थानीय लोगों संग पाकिस्तानी आर्मी की ज्यादती का सिलसिला जारी है। एक बड़े सामाजिक और मानवाधिकार संगठन ने दावा किया है कि हाल ही में पाक सेना ने पांच बलूचों को बिना किसी कानूनी कार्रवाई के जान से मार डाला, वहीं चार अब तक लापता बताए जा रहे हैं।

ह्यूमन राइट्स बॉडी बलूच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) ने बताया कि 17 साल के छात्र हातिम बलूच का गोलियों से छलनी शव 16 अप्रैल को क्षत-विक्षत हालात में मिला। लगभग 11 दिन पहले पाकिस्तान के फ्रंटियर कॉर्प्स के जवान उसे पंजगुर जिले के परूम इलाके से कथित तौर पर जबरन उठा ले गए थे।

इस बेरहमी से हुई हत्या की निंदा करते हुए, बीवाईसी ने कहा, 'सरकार ने बलूचिस्तान को खून से नहला दिया है। सरकार बलूचों के खून की प्यासी है। जब भी सरकार अपने जोश में आती है, तो वह बिना किसी डर या रोक-टोक के बलूचों का खून बहाती है। जो लोग सवाल पूछने की हिम्मत करते हैं, उन्हें चुप कराने के लिए जेलों और काल कोठरी में डाल दिया जाता है।

आम लोगों पर ड्रोन हमले किए जाते हैं, लोग मारे जाते हैं, और डर का माहौल बनाया जाता है ताकि लोग डर के मारे चुप रहें।'

उसी दिन एक अलग घटना में, मानवाधिकार संगठनों ने खुलासा किया कि पाकिस्तानी सेना ने एक फर्जी एनकाउंटर में चार बलूचों को मार डाला और उनका शव बेहद दयनीय स्थिति में पंजगुर हॉस्पिटल पहुंचाया। दावा किया कि ये जवाबी कार्रवाई में मारे गए।

बलूचिस्तान में ह्यूमन राइट्स के उल्लंघन पर गहरी चिंता जताते हुए, मानवाधिकार संगठन ने कहा, 'बलूचों की हत्या, खासकर फर्जी एनकाउंटर में हत्या (उन लोगों की जिन्हें पहले गायब किया गया हो) बलूच नरसंहार का एक बेरहम सिस्टेमैटिक रूप ले चुका है। अकेले पंजगुर जिले में, पिछले तीन महीनों में लगभग 40 बलूच युवाओं को बेरहमी से मार दिया गया और उनके क्षत-विक्षत शव फेंक दिए गए।'

बलूचिस्तान में आम लोगों पर हो रहे अत्याचारों पर रोशनी डालते हुए, पांक, बलूच नेशनल मूवमेंट के ह्यूमन राइट्स डिपार्टमेंट ने शुक्रवार को पंजगुर में पाकिस्तानी सेना के हाथों दो बलूच युवाओं को जबरन उठा कर ले जाने को एक श्रृंखला बताते हुए कड़ी निंदा की।

जानकारी का हवाला देते हुए, संगठनों ने बताया कि एफसी के लोगों ने दाद मोहम्मद के घर पर छापा मारा, और उनके बेटे अब्दुल वाहिद दाद को एक और व्यक्ति, अशफाक आदम के साथ हिरासत में ले लिया। उनकी गिरफ्तारी के बाद, दोनों लोगों को जबरन गायब कर दिया गया, और उनके ठिकाने का पता नहीं चला। इसके अलावा, 19 साल के बलूच युवक अली असगर को 16 अप्रैल को पाकिस्तानी मिलिट्री इंटेलिजेंस (एमआई) रेड के दौरान बलूचिस्तान के ग्वादर जिले के जिवानी इलाके में उसके घर से जबरदस्ती गायब कर दिया गया।

इसके अलावा, 19 साल के छात्र, मेहराज 12 अप्रैल को पाकिस्तान के काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट (सीटीडी) के लोगों ने प्रांतीय राजधानी क्वेटा में चिल्ड्रेन्स हॉस्पिटल के पास ग्रीन प्लाजा से किडनैप कर लिया।

राइट्स बॉडी ने कहा कि मेहराज के किडनैप होने के बाद से, उसका कोई अता-पता नहीं है, जिससे 'उसकी सुरक्षा को लेकर बहुत चिंता है और उसके परिजन बेहाल हैं।

हम जापान से सैन्यवाद से पूरी तरह अलग होने का अनुरोध करते हैं: चीनी रक्षा मंत्रालय

बीजिंग । चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता चांग श्याओकांग ने 17 अप्रैल को प्रेस वार्ता में सम्बंधित सवाल के जवाब में बताया कि हम जापान से ऐतिहासिक धारा के विपरीत कार्रवाई बंद कर सैन्यवाद से पूरी तरह अलग होने का अनुरोध करते हैं, वरना जापान एशियाई पड़ोसी देशों और अंतरराष्ट्रीय समाज का विश्वास खो देगा।

रिपोर्ट के अनुसार जापानी सिनेट ने 2026 वित्त वर्ष का बजट पारित किया, जिसमें प्रतिरक्षा बजट 90 खरब जापानी येन पार कर नयी ऊँचाई पर पहुंच गया। इधर जापान सरकार को इस महीने सैद्धांतिक रूप से आघातकारी हथियार के निर्यात की मंजूरी देने की योजना है। इसके बारे में संबंधित सवाल के जवाब में चांग ने उपरोक्त बात कही।17 अप्रैल को जापानी प्रतिरक्षा दल का एक ध्वंसक जहाज थाईवान स्ट्रेट से गुजरा। इस पर टिप्पणी करते हुए चांग ने कहा कि यह जानबूझ कर उकसावा है। पूर्वी कमान ने इस की पूरी निगरानी की और प्रभावी नियंत्रण किया। चीनी सेना हमेशा ऊंचे स्तर पर सर्तक रहती है और राष्ट्रीय प्रभुसत्ता और प्रादेशिक अखंडता की डटकर रक्षा करेगी।

पाकिस्तान की अफगान निर्वासन नीति पर वैश्विक आलोचना तेज: रिपोर्ट

लंदन। पाकिस्तान की 'इलीगल फॉरेनर्स रिपैट्रिएशन प्लान' (आईएफआरपी) को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना तेज हो गई है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि यह नीति बड़े पैमाने पर जबरन निर्वासन का उदाहरण बन गई है, जिसमें राजनीतिक हितों को मानव जीवन से ऊपर रखा गया है।

यूके आधारित अखबार एशियन लाइट की रिपोर्ट के अनुसार, अक्टूबर 2023 में शुरू हुई इस योजना के तहत 2026 की शुरुआत तक 20 लाख से अधिक अफगान शरणार्थियों को पाकिस्तान से वापस भेजा जा चुका है। इनमें कई ऐसे लोग भी शामिल हैं जिनके पास वैध दस्तावेज थे।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस अभियान के दौरान मनमानी गिरफ्तारियां, वसूली और दबाव डालकर लोगों को देश छोड़ने के लिए मजबूर करने जैसे कई आरोप सामने आए हैं। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों और संयुक्त राष्ट्र ने इस नीति को अपारदर्शी और भेदभावपूर्ण बताते हुए इसकी आलोचना की है।

रिपोर्ट के मुताबिक, फरवरी 2026 तक किए गए एक साल के आकलन में सामने आया कि 10 लाख से अधिक अफगानों को वापस भेजा गया, जबकि उनके पास बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी थी। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने भी आईएफआरपी की कड़ी निंदा करते हुए इसे 'अवैध और अमानवीय' बताया है। मार्च 2025 में संगठन ने इस योजना को वापस लेने की मांग की थी ।

लेबनान के राष्ट्रपति ने इजरायल के साथ सीजफायर के बाद स्थायी समझौते पर बातचीत करने का किया ऐलान

बेरूत। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन ने कहा कि लेबनान एक नए फेज में आ गया है, जो अपने लोगों के अधिकारों, अपने इलाके की एकता और देश की संप्रभुता की सुरक्षा के लिए स्थायी समझौते पर बातचीत करने पर फोकस कर रहा है।

लेबनान के लोगों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति आउन ने कहा कि देश सीजफायर लागू करने की कोशिशों से आगे बढ़कर लंबे समय तक स्थिरता बनाए रखने के बड़े स्टेज की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने भरोसा जताया कि पिछले फेज की तरह, ये कोशिशें लेबनान को बचाने में मदद करेंगी।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने सीजफायर का क्रेडिट लेबनान के लोगों की मिली-जुली कोशिशों और कुर्बानियों को दिया, जिसमें फ्रंटलाइन इलाकों में रहने वाले लोग भी शामिल हैं। इसके साथ ही इसमें अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय साझेदारों के साथ लगातार डिप्लोमैटिक जुड़ाव भी शामिल है।

आउन ने कहा कि बातचीत कमजोरी या पीछे हटने का संकेत नहीं है, बल्कि यह लेबनान के हितों की रक्षा करने और जानमाल के नुकसान को रोकने और विस्थापन को खत्म करने का एक संप्रभु फैसला है।

संघर्ष में हुए भारी नुकसान के बारे में बताते हुए लेबनानी राष्ट्रपति आउन ने कहा कि हजारों लेबनानी मारे गए हैं और वादा किया कि विदेशी हितों या राजनीतिक हिसाब-किताब के लिए और जान नहीं जानी चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैं इन फैसलों की पूरी जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार हूं।'

आउन ने आने वाले फेज के मुख्य मकसद बताए, जिसमें लेबनानी इलाके पर इजरायली हमलों को रोकना, इजरायली सेना की वापसी सुनिश्चित करना, कैदियों की वापसी सुनिश्चित करना, बेघर हुए नागरिकों की सुरक्षित वापसी मुमकिन बनाना और सभी लेबनानी इलाकों में सरकार का पूरा अधिकार वापस लाना शामिल है।

उन्होंने एक ही सरकारी अथॉरिटी, संविधान और सेना के तहत देश की एकता की भी अपील की और अंदरूनी फूट और बाहरी एजेंडा के खिलाफ चेतावनी दी।

इस बीच, हिजबुल्लाह की पॉलिटिकल काउंसिल के एक बड़े सदस्य वाफिक सफा ने बेरूत में बीबीसी अरबी को बताया कि इस मंच पर समूह के हथियारों के जखीरे पर कोई मोल-भाव नहीं हो सकता।सफा ने कहा, 'हिजबुल्लाह कभी भी हथियार नहीं छोड़ेगा। हमले रुकने, इजरायल के हटने, कैदियों की वापसी, बेघर हुए लोगों के अपने वतन लौटने और फिर से बसने से पहले, हम हिजबुल्लाह के हथियारों के बारे में बात नहीं कर सकते।

केंद्रीय कैबिनेट ने पीएमजीएसवाई-III को मार्च 2028 तक जारी रखने की दी मंजूरी; तय किया गया 83,977 करोड़ रुपए का नया बजट

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शनिवार को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई-द्वद्वद्व) के तीसरे चरण को मार्च 2025 के बाद बढ़ाकर अब मार्च 2028 तक जारी रखने की मंजूरी दे दी है। इस योजना के लिए संशोधित बजट 83,977 करोड़ रुपए तय किया गया है।

इस योजना के तहत ग्रामीण इलाकों में मुख्य सड़कों और जरूरी संपर्क मार्गों को मजबूत किया जाएगा। खास तौर पर गांवों को ग्रामीण कृषि बाजार (ग्राम), उच्च माध्यमिक स्कूलों और अस्पतालों से जोड़ने पर जोर दिया जाएगा।

सरकार का मानना है कि इस योजना की समय-सीमा बढ़ाने से इसके सामाजिक और आर्थिक फायदे पूरी तरह से सामने आएंगे। इससे ग्रामीण सड़कों के उन्नयन का काम पूरा हो सकेगा और लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि बेहतर सड़क कनेक्टिविटी से ग्रामीण अर्थव्यवस्था और व्यापार को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। इससे किसानों और अन्य उत्पादकों को बाजार तक पहुंच आसान होगी, परिवहन समय और लागत कम होगी, और ग्रामीण आय में सुधार आएगा।

इसके अलावा, बेहतर कनेक्टिविटी से शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच भी आसान होगी, खासकर दूर-दराज और पिछड़े इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए।

कैबिनेट ने योजना के तहत सड़कों और पुलों के निर्माण की समय-सीमा भी बढ़ा दी है। मैदानी इलाकों में सड़कों और पुलों के लिए मार्च 2028 तक का समय दिया गया है, जबकि पहाड़ी क्षेत्रों में पुलों के निर्माण के लिए समय-सीमा मार्च 2029 तक बढ़ाई गई है। साथ ही, 31 मार्च 2025 से पहले स्वीकृत लेकिन अभी तक शुरू नहीं हुए प्रोजेक्ट्स को भी अब टेंडर के जरिए आगे बढ़ाया जा सकेगा।

इसके अलावा, लंबी दूरी के पुल भी योजना में शामिल किए गए हैं। ऐसे 161 पुलों को मंजूरी दी जाएगी, जिनकी अनुमानित लागत 961 करोड़ रुपए है। इन्हें पहले से स्वीकृत सड़कों के साथ जोड़ा जाएगा।

सरकार का कहना है कि इस योजना के विस्तार से रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। सड़क निर्माण के जरिए सीधे रोजगार मिलेगा, जबकि अप्रत्यक्ष रूप से ग्रामीण व्यवसाय और सेवाओं को भी बढ़ावा मिलेगा।

कश्मीर घाटी में 5.3 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए

श्रीनगर। कश्मीर घाटी में शनिवार को रिक्टर पैमाने पर 5.3 तीव्रता वाले भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिसका केंद्र अफगानिस्तान के बदाखशान प्रांत में था। घरों में पंखे सहित अन्य वस्तुएं हिलती हुई देख लोग घरों से बाहर निकल आए। हालांकि अभी तक भूकंप से किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है।

आपदा प्रबंधन अधिकारियों ने बताया कि शनिवार सुबह 8:24 बजे रिक्टर पैमाने पर 5.3 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र पृथ्वी के 190 किलोमीटर अंदर था। इसके निर्देशांक 36.55 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 70.92 डिग्री पूर्वी देशांतर हैं। भूकंप विज्ञान के अनुसार, कश्मीर घाटी भूकंप की आशंका वाले क्षेत्र में स्थित है।

पूर्व में कश्मीर में भूकंपों ने भारी तबाही मचाई है। 8 अक्टूबर, 2005 को जम्मू-कश्मीर में रिक्टर पैमाने पर 7.6 तीव्रता का एक भूकंप आया था, जिसमें 80,000 से अधिक लोगों की जान चली गई थी।

इस भूकंप का केंद्र पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर (पीओके) के मुजफ्फराबाद शहर में था। इस भूकंप के झटकों से वह शहर पूरी तरह से मलबे में तब्दील हो गया था। घाटी के बारामूला जिले में स्थित सीमावर्ती शहर उरी को भी 2005 के भूकंप में भारी नुकसान पहुंचा था।

कश्मीर का इतिहास विनाशकारी भूकंपों से भरा रहा है, क्योंकि यह एक उच्च-भूकंपीय क्षेत्र में स्थित है। इसके इतिहास में 1555 और 1885 के विनाशकारी भूकंप जैसी प्रमुख घटनाएं शामिल हैं, जिन्होंने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई थी और हजारों लोगों की जान ले ली थी।

30 मई 1885 को बारामूला में आए भूकंप की तीव्रता 6.8 थी, जिसके कारण श्रीनगर/बारामूला क्षेत्र में 3,000 से अधिक लोगों की मौत हुई और इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा था।

स्ट्रक्चरल इंजीनियरों और भूकंप विशेषज्ञों ने कश्मीर में भूकंप-रोधी घरों और अन्य इमारतों के निर्माण की वकालत की है। विशेषज्ञों ने सीमेंट-कंक्रीट से बने घरों और इमारतों का विरोध किया है। भूकंप के झटकों के प्रति ये इमारतें सबसे अधिक संवेदनशील होती हैं, क्योंकि इनमें झटकों को सहने की क्षमता बहुत कम होती है, जिसके कारण ये ढह जाती हैं।

संक्षिप्त खबर

केरल में वालपराई त्रासदी को लेकर शोक का माहौल, 9 लोगों की गई जान

मलप्पुरम। केरल के वालपराई में हुए भीषण सड़क हादसे में नौ लोगों की जान चली गई, जिससे पेरिंथलमन्ना का एक पूरा गांव और एक स्कूल सदमे में है। जब मृतकों के शव उनके गृह नगर लाए गए तो हजारों की संख्या में लोग नम आंखों के साथ अंतिम विदाई देने के लिए एकत्रित हुए। पीड़ितों के शव लेकर एम्बुलेंस सुबह करीब 9:15 बजे पांग अंबलप्पारंबा सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल पहुंची। इससे पहले तड़के पोल्लाची में सभी शवों का पोस्टमार्टम पूरा कर लिया गया था। स्कूल परिसर में पहले से ही छात्रों, सहकर्मियों और स्थानीय निवासियों की भारी भीड़ जमा थी, जो इस अपूरणीय क्षति को स्वीकार करने की कोशिश कर रही थी। शवों को उनके घर ले जाने से पहले लगभग एक घंटे तक अंतिम दर्शन के लिए रखा गया। इस त्रासदी का सबसे गहरा असर पांग के शैक्षिक समुदाय पर पड़ा है। स्थानीय स्कूल के आठ शिक्षकों में से पांच की इस हादसे में मृत्यु हो गई, जिनमें प्रधानाध्यापिका पी. अजिता और शिक्षक अब्दुल मजीद भी शामिल हैं। इस घटना ने पूरे स्कूल को भीतर तक झकझोर दिया है। कभी एकजुट रहने वाला स्टाफ अब केवल चार सदस्यों तक सिमट गया है, जिससे स्कूल एक तरह से 'अनाथ' हो गया है।

दरअसल, यह हादसा उस समय हुआ जब पांग पल्लीप्पारंबा सरकारी एलपी स्कूल के 13 सदस्यों का समूह मनोरंजक यात्रा पर निकला था। शुक्रवार की शाम को अथिरप्पिल्ली और वालपराई घूमने के बाद शाम करीब 5:15 बजे घाट रोड के 13वें हेयरपिन मोड़ पर वाहन चालक का नियंत्रण खो गया। वाहन पलटते हुए लगभग 500 फीट गहरी खाई में जा गिरा। इस हादसे में सात महिलाओं और एक बच्चे सहित कुल नौ लोगों की मौत हो गई। कुछ ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि कुछ ने अस्पताल में इलाज के दौरान अंतिम सांस ली। चार अन्य लोग घायल हुए हैं, जिनमें से मोहम्मद फैज और नौशाद अली को कोयंबटूर मेडिकल कॉलेज में गंभीर हालत में भर्ती कराया गया है। अन्य घायलों का इलाज जारी है और डॉक्टर उनकी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

घटना के बाद राज्य के मंत्री वी. शिवनकुट्टी, पी.के. कुन्हालीकुट्टी और पनक्कड़ सादिक अली शिहाब थंगल सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने स्कूल का दौरा कर मृतकों को श्रद्धांजलि दी।

डाक विभाग के वरिष्ठ अधिकारी रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने डाक विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान महिपालपुर स्थित एएमपीसी में तैनात पोस्ट अधीक्षक के रूप में हुई है।

सीबीआई की ओर से शनिवार को जारी प्रेस नोट के अनुसार, इस मामले में 17 अप्रैल को शिकायत के आधार पर केस दर्ज किया गया था। आरोप है कि उक्त अधिकारी ने शिकायतकर्ताओं से उनकी ब्रांच ट्रांसफर रोकने और अवकाश (लीव) मंजूर करने के एवज में 20 हजार रुपए की अवैध रिश्वत की मांग की थी। बातचीत के दौरान सौदा 10 हजार रुपए में तय हुआ, जिसे कुल रिश्वत की रकम का आंशिक भुगतान बताया गया। जांच एजेंसी ने आगे कहा कि सीबीआई ने शिकायत की पुष्टि के बाद 17 अप्रैल को ही जाल बिछाया और आरोपी को उस समय रंगे हाथ पकड़ लिया, जब वह शिकायतकर्ताओं से 10 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहा था और उसे स्वीकार कर रहा था। सीबीआई की टीम ने मौके पर ही आरोपी पोस्ट अधीक्षक को गिरफ्तार कर लिया। सीबीआई अधिकारियों का कहना है कि आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत कार्रवाई की जा रही है। मामले में आगे की जांच जारी है। इससे पहले, 8 अप्रैल को सीबीआई ने तमिलनाडु के रानीपेट में जीएसटी विभाग के दो अधिकारियों को रिश्वतखोरी के मामले में गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान येल्लामिली रिंकेश (सुपरिंटेंडेंट) और रामकेश मीणा (इंस्पेक्टर) के रूप में हुई है। सीबीआई के अनुसार, सुपरिंटेंडेंट ने एक करदाता से जीएसटी रजिस्ट्रेशन क्लियर करने के लिए रिश्वत मांगी थी। इस मामले में जांच के दौरान इंस्पेक्टर की भूमिका भी सामने आई, जिसके बाद सीबीआई ने कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

दिल्ली: आतिशी के पिता का अंतिम संस्कार, सीएम रेखा गुप्ता रहीं मौजूद

नई दिल्ली। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी के पिता विजय सिंह का शुक्रवार को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार शनिवार को दिल्ली के लोधी रोड श्मशान घाट पर किया गया।

अंतिम संस्कार में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, आप और भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेता तथा बड़ी संख्या में अन्य लोग शामिल हुए। बताया जा रहा है कि आतिशी के पिता विजय सिंह लंबे समय से विभिन्न बीमारियों से जूझ रहे थे।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष, आतिशी के पिता प्रो. विजय सिंह के निधन से अत्यंत दुखी हूं। दु:ख की इस घड़ी में, मेरी संवेदनाएं आतिशी और उनके परिवार के साथ हैं। दिवंगत आत्मा को चिर शांति प्राप्त हो। ईश्वर से प्रार्थना है कि शोक संतप्त परिवार को इस अपार क्षति को सहन करने की शक्ति मिले। आतिशी के पिता के निधन पर आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आतिशी के पिता पिछले 3-4 महीनों से गंभीर बीमारियों से जूझ रहे थे। कल उनका निधन हो गया। आज उनके अंतिम संस्कार के लिए, आप देख सकते हैं कि यहां कितनी बड़ी संख्या में लोग इकट्ठे हुए हैं। वे डीयू में प्रोफेसर थे, और जब वे प्रोफेसर थे, तो शिक्षकों और छात्रों के बीच बहुत लोकप्रिय थे। उन्हें एक बहुत जाने-माने शिक्षाविद के तौर पर माना जाता था। उनके निधन पर सभी को गहरा दुख है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे। आप नेता सोमनाथ भारती ने कहा कि आम आदमी पार्टी एक परिवार है। जब भी किसी सदस्य के परिवार में ऐसी कोई दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटती है, तो हम सभी दुखी होते हैं। आज आप देख सकते हैं कि आप के मुखिया और हर सदस्य यहां मौजूद हैं और आतिशी व उनके पूरे परिवार के साथ खड़े हैं।

वायनाड पुनर्वास परियोजना में नए घरों पर दरारों के बीच मंत्री का दौरा, उठे सवाल

कलपेट्टा। केरल के वायनाड में भूस्खलन पीड़ितों के पुनर्वास को लेकर चिंताएं और गहरा गई हैं। राज्य के राजस्व मंत्री के. राजन ने शनिवार को एल्स्टन एस्टेट स्थित टाउनशिप परियोजना का दौरा किया, जिसके बाद निर्माण गुणवत्ता, देरी और जवाबदेही को लेकर नई बहस छिड़ गई।

मंत्री ने मुंडक्कई-चूरलमाला पुनर्वास टाउनशिप में एक घर का निरीक्षण किया, जहां दरारें होने की खबरें सामने आई थीं। उनके साथ सत्तारूढ़ वामपंथी दल के स्थानीय नेता भी मौजूद रहे। संभावित विरोध प्रदर्शन को देखते हुए इलाके में पुलिस बल तैनात किया गया।

निरीक्षण के दौरान छत पर सीपेज (पानी के रिसाव) के निशान दिखे, हालांकि मंत्री राजन ने संरचनात्मक दरारों के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यह केवल पानी के दाग हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभी तक घर लाभार्थियों को औपचारिक रूप से सौंपे नहीं गए हैं और फिलहाल केवल भूमि के पट्टे वितरित किए गए हैं।

उन्होंने कहा, 'यदि हैंडओवर के बाद कोई समस्या आती है तो उसे गंभीरता से लिया जाएगा और ठेकेदार को अनुबंध के अनुसार जवाबदेह ठहराया जाएगा।' साथ ही उन्होंने भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाएगी। करीब 410 घरों वाली यह परियोजना अक्टूबर तक पूरी होने की उम्मीद है। तय समय सीमा में काम पूरा न होने पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की बात भी कही गई है।

इस बीच, यूथ कांग्रेस ने परियोजना स्थल पर विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है, जिससे राजनीतिक माहौल और गरमा गया है। गौरतलब है कि जुलाई 2024 में आए विनाशकारी भूस्खलन के बाद सैकड़ों लोग बेघर हो गए थे। अब भी कई पीड़ित स्थायी आवास का इंतजार कर रहे हैं।

शुरुआत में 1,000 से अधिक परिवारों को पुनर्वास के लिए चिन्हित किया गया था, लेकिन अब यह संख्या घटकर लगभग 451 रह गई है, जिससे पारदर्शिता और पात्रता को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

निर्माण गुणवत्ता को लेकर भी गंभीर आरोप सामने आए हैं। करीब 30 लाख रुपये की लागत से बने इन घरों में बसने से पहले ही नुकसान के संकेत मिलने की खबरें हैं। आधिकारिक दावों के अनुसार 170 से अधिक घर पूरे हो चुके हैं, लेकिन जमीनी रिपोर्ट्स बताती हैं कि इनमें से बहुत कम ही रहने लायक हैं और कई में बुनियादी काम भी अधूरा है। इसके अलावा, आपदा के बाद मिले करोड़ों रुपये के फंड के उपयोग पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। स्पष्ट हिसाब-किताब के अभाव में गड़बड़ी की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बड़े पैमाने पर अनियमितताएं हुई हैं, जिसका सबूत अधूरी आधारभूत सुविधाएं और खराब निर्माण गुणवत्ता है। सिर्फ आवास ही नहीं, बल्कि छोटे व्यापारियों और बागान श्रमिकों जैसे अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित लोगों की आजीविका का मुद्दा भी अब तक अनदेखा है। राज्य सरकार जहां अपनी स्थिति का बचाव करते हुए सुधार के आश्वासन दे रही है, वहीं जमीन पर दिख रही खामियां पीड़ितों की चिंताओं को और बढ़ा रही हैं।

तीन राज्यों से चार कट्टरपंथी युवक गिरफ्तार, आईईडी बनाने का सामान बरामद

नई दिल्ली। एक खुफिया सूचना के आधार पर चलाए गए ऑपरेशन में स्पेशल सेल की टीम ने तीन राज्यों से चार युवाओं को गिरफ्तार किया है, जो कथित तौर पर कट्टरपंथी गतिविधियों में शामिल थे।

जांच एजेंसियों के अनुसार, ये युवक ऐसी विचारधारा से प्रभावित थे जिसमें खुरासान क्षेत्र से काले झंडे वाली एक सेना के उभरने और भारतीय उपमहाद्वीप सहित अन्य क्षेत्रों में खिलाफत स्थापित करने की बात कही जाती है। इसी सोच के चलते वे न केवल खुद को 'गजवा-ए-हिंद' के लिए तैयार कर रहे थे, बल्कि सोशल मीडिया के जरिए अन्य लोगों को भी इसके लिए उकसा रहे थे।

यह कार्रवाई इंस्पेक्टर विनय पाल और मनोज कुमार के नेतृत्व में एनडीआर, स्पेशल सेल की टीम ने की, जिसकी निगरानी एसीपी आशीष कुमार कर रहे थे। टीम ने महाराष्ट्र, ओडिशा और बिहार से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता, 2023 की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की है। तलाशी के दौरान एक आरोपी के पास से आईईडी बनाने का सामान भी बरामद हुआ है और सभी आरोपियों के मोबाइल फोन जब्त कर लिए गए हैं, ताकि उनके नेटवर्क और गतिविधियों की जांच की जा सके।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ठाणे के मोसैब अहमद, मुंबई के मोहम्मद हम्माद, भुवनेश्वर के शेख इमरान और बिहार के कटिहार के मोहम्मद सोहेल के रूप में हुई है। जांच में सामने आया है कि ये सभी एन्क्रिप्टेड सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बने बंद समूहों से जुड़े हुए थे, जहां वे जिहाद के जरिए इस्लामिक राज्य स्थापित करने की बातें करते थे और लोगों को इसके लिए प्रेरित करते थे।

पुलिस के अनुसार, इस समूह के कुछ सदस्य स्थानीय स्तर पर उपलब्ध सामग्री से रिमोट कंट्रोल के जरिए आईईडी बनाने की कोशिश कर रहे थे। आशंका है कि इसका इस्तेमाल भविष्य में किसी हमले के लिए किया जा सकता था। एक आरोपी सोशल मीडिया पर लोगों को हथियार और विस्फोटक इकट्ठा करने के लिए उकसा रहा था और इसके लिए ऑनलाइन पैसे जुटाने की भी कोशिश कर रहा था। उसने अपने अकाउंट और क्यूआर कोड की जानकारी साझा कर लोगों से आर्थिक मदद मांगी थी। वहीं, एक अन्य आरोपी ने समूह के सदस्यों को हथियारों की ट्रेनिंग दिलाने का वादा किया था और इसके लिए उनसे पैसे भी मांगे थे।

जांच में यह भी सामने आया है कि एक आरोपी दिसंबर 2025 में दिल्ली आया था, जहां उसने लाल किला और इंडिया गेट जैसे संवेदनशील स्थानों का दौरा किया। उसने सोशल मीडिया पर लाल किले की एक तस्वीर साझा की थी, जिसमें किले पर काला झंडा दिखाया गया था, जिसका इस्तेमाल कथित तौर पर लोगों को भड़काने के लिए किया गया।

फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है, और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इस नेटवर्क से और कौन-कौन लोग जुड़े हो सकते हैं। अधिकारियों का कहना है कि डिजिटल सबूतों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी और जरूरत पड़ने पर अन्य संदिग्धों को भी गिरफ्तार किया जा सकता है।

सीडर ब्रेक्स में 'लाल चट्टानों' का अनोखा एम्फीथिएटर, जहां दिखती है पृथ्वी के करोड़ों साल पुराने इतिहास की झलक

नई दिल्ली। जब पर्यटक अमेरिका के यूटा राज्य में स्थित सीडर ब्रेक्स नेशनल मॉन्यूमेंट के एम्फीथिएटर के किनारे खड़े होकर नीचे झांकते हैं, तो उनकी नजरें रंग-बिरंगी चट्टानों की मीनारों, चोटियों और अनोखी आकृतियों पर पड़ती हैं। ये दृश्य सिर्फ प्राकृतिक सुंदरता नहीं, बल्कि पृथ्वी के लाखों-करोड़ों साल पुराने भूवैज्ञानिक इतिहास की झलक भी है।

स्पेस से देखने पर यह जगह एक विशाल कटोरे जैसी ढलान के रूप में नजर आती है। नासा के लैंडसैट 9 उपग्रह पर लगे ओएलआई-2 (ऑपरेशनल लैंड इमेजर-2) सेंसर ने 18 जून 2025 को इस एम्फीथिएटर की आश्चर्यजनक तस्वीर कैद की। तस्वीर में अर्ध-गोलाकार किनारा और गहरी नालियां साफ दिखाई देती हैं। ऐशडाउन क्रीक और उसकी सहायक नदियों का तेज बहाव, लगातार होने वाला भौतिक और रासायनिक क्षरण इन नालियों, चट्टानों और घाटियों को आकार दे रहा है।

एम्फीथिएटर की चट्टानें और उनका इतिहास करोड़ों साल पुराना है। यहां की चट्टानें मुख्य रूप से तलछटी चट्टानों की परतों से बनी हैं। ये परतें लगभग 5 करोड़ से 2.5 करोड़ साल पहले एक प्राचीन बेसिन में जमा हुई थीं, जहां कभी विशाल झील 'लेक क्लैरॉन' हुआ करती थी। चूना पत्थर की कई परतें झील की तली में कार्बोनेट से भरपूर कीचड़ के रूप में जमी थीं।

वहीं, चट्टानों के रंगों में अंतर पर्यावरणीय परिस्थितियों को दिखाता है। नम मौसम में लोहे को कम ऑक्सीजन मिलने से चट्टानें सफेद या भूरे रंग की बनती थीं। सूखे मौसम में ज्यादा ऑक्सीजन के कारण लोहा ऑक्सीकृत हो जाता था, जिससे लाल और नारंगी रंग की परतें बनती थीं। ये रंग आज भी चट्टानों की सुंदरता बढ़ाते हैं। चट्टानों के जमा होने के बाद टेक्टोनिक पावर ने इन्हें धीरे-धीरे ऊपर उठाया। आज ये 'ग्रैंड स्टेयरकेस' के सबसे ऊपरी हिस्से पर हैं और विशाल तलछटी चट्टान दूर तक फैला हुआ है। एम्फीथिएटर का किनारा समुद्र तल से करीब 10,000 फीट (लगभग 3,000 मीटर) ऊंचाई पर है।यह ऊंचाई यहां के मौसम को प्रभावित करती है। सर्दियां लंबी, ठंडी और बर्फीली होती हैं। पास के ब्रायन हेड में हर साल औसतन 30 फीट बर्फ गिरती है। इन चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी 'ब्रिसलकोन पाइन' के पेड़ यहां पनपते हैं। ये पेड़ धीरे-धीरे बढ़ते हैं, जिससे उनकी लकड़ी बहुत घनी हो जाती है। इससे वे बीमारियों, कीड़ों और जंगल की आग से बच पाते हैं। यहां कुछ ब्रिसलकोन पाइन 1,700 साल से भी ज्यादा पुराने हैं।

यही नहीं, चट्टानों के ऊपर ज्वालामुखी गतिविधि के भी निशान हैं। पूर्व दिशा में काला बेसाल्ट लावा का बहाव 50 लाख से 10 हजार साल पहले का है। ब्रायन हेड के आसपास भूरे रंग की चट्टानें ज्वालामुखी राख से बनी 'टफ' चट्टानों से निर्मित हैं।

मौसम और गतिविधि के हिसाब से बदलती है जरूरत, दिन भर में कितना पानी पीना चाहिए?

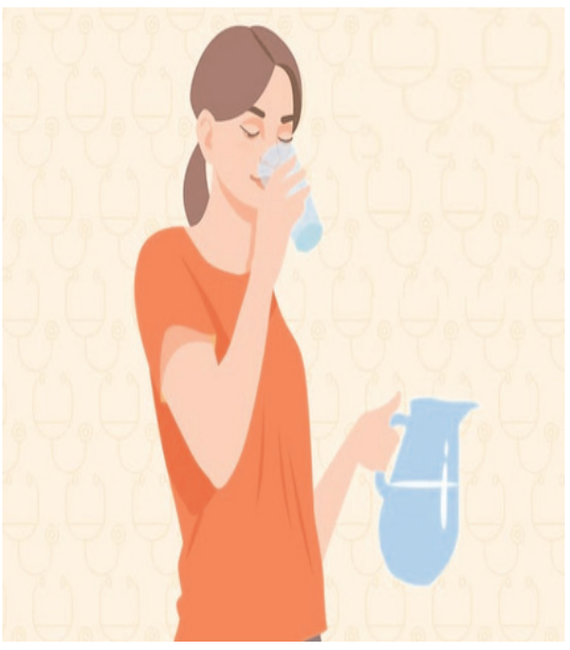

नई दिल्ली। गर्मी बढ़ने के साथ ही स्वास्थ्य विशेषज्ञ पानी पीने की मात्रा पर जोर दे रहे हैं। कई लोग आज भी इस बात में उलझन में रहते हैं कि रोजाना कितना पानी पीना चाहिए। हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, पानी की जरूरत हर व्यक्ति के लिए अलग-अलग होती है।

हेल्थ एक्सपर्ट व विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, सबसे बड़ा मिथक यह है कि हर किसी को रोजाना ठीक 8 गिलास पानी पीना चाहिए। लेकिन एक्सपर्ट्स कहते हैं कि यह एक सामान्य सलाह है, जो हर व्यक्ति पर लागू नहीं होती। वास्तव में पानी की मात्रा मौसम, शारीरिक गतिविधि, उम्र, वजन और खान-पान के आधार पर बदलती रहती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, मिथक है कि हमें रोजाना 8 गिलास यानी लगभग 2 लीटर पानी पीना चाहिए। वहीं, तथ्य यह है कि ज्यादातर स्वस्थ वयस्कों को हाइड्रेटेड रहने के लिए कुल तरल पदार्थ (पानी, अन्य पेय और खाने से मिलने वाला पानी) लगभग 2.7 लीटर से 3.7 लीटर तक की जरूरत होती है। इसमें से सिर्फ 1.5 से 2 लीटर या उससे थोड़ा ज्यादा साफ पानी पीना पर्याप्त हो सकता है। पुरुषों को महिलाओं की तुलना में थोड़ी ज्यादा मात्रा की जरूरत पड़ती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक, पानी की सही मात्रा तय करने के लिए शरीर के संकेतों पर ध्यान दें। हल्का पीला पेशाब, पूरे दिन ऊर्जा बनी रहना और प्यास न लगना अच्छे हाइड्रेशन के संकेत हैं। गर्मी, व्यायाम, ज्यादा नमक वाली डाइट या बीमारी के दौरान पानी की जरूरत बढ़ जाती है।

पानी को जीवनदायक कहा जाता है। यह शरीर के तापमान को नियंत्रित रखता है, पाचन क्रिया सुधारता है, त्वचा को स्वस्थ बनाता है, जोड़ों में राहत देता है और थकान कम करता है। पर्याप्त पानी न पीने से सिरदर्द, कब्ज, कमजोरी और एकाग्रता की कमी जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

एक्सपर्ट सलाह देते हैं कि दिन भर में थोड़ी-थोड़ी मात्रा में पानी पिएं।

सुबह उठते ही एक गिलास पानी पीना अच्छी आदत है। बाहर निकलने से पहले और बाद में अतिरिक्त पानी लें। चाय, कॉफी या जूस को पूरी तरह पानी का विकल्प न मानें। डॉक्टर्स का कहना है कि प्यास लगने पर ही पानी पीना काफी नहीं होता। खासकर गर्मियों में ज्यादा पानी पीना जरूरी है। अगर कोई बीमारी जैसे किडनी या हृदय की समस्या है तो डॉक्टर की सलाह से ही पानी की मात्रा तय करें।

फायदेमंद है ये कड़वाहट, बीमारियों का काल तो लिवर के लिए 'सुरक्षा कवच' की तरह काम करता है नीम

नई दिल्ली। आजकल की व्यस्त और अनियमित दिनचर्या लिवर की सेहत के लिए बड़ा खतरा बन गई है। बाहर का तला-भुना खाना, अनियमित खान-पान, तनाव और लापरवाही लिवर को नुकसान पहुंचाती है। लोगों में जागरूकता लाने के लिए हर साल 19 अप्रैल को विश्व लिवर दिवस मनाया जाता है। आयुर्वेद में नीम को लिवर के लिए 'सुरक्षा कवच' बताया गया है।

नीम की कड़वाहट भले ही आपको परेशान करे, लेकिन यह लिवर को डिटॉक्स करने और मजबूत बनाने में बेहद प्रभावी है। आयुर्वेद में नीम को 'अमृत' कहा जाता है और इसे लिवर के लिए सुरक्षा कवच की तरह काम करने वाला प्राकृतिक उपाय माना जाता है। नीम न सिर्फ लिवर को स्वस्थ रखता है, बल्कि कई अन्य बीमारियों से भी बचाव करता है।

सदियों से आयुर्वेद में इसका इस्तेमाल होता आ रहा है। नीम की पत्तियां, फूल, टहनी और फल सभी भाग बेहद लाभदायक हैं। नीम की पत्तियां लिवर को डिटॉक्स करने में अचूक हैं। रोजाना नीम की 5-7 पत्तियां चबाने या उनका रस पीने से लिवर में जमा विषैले पदार्थ निकलते हैं। इससे लिवर का कार्य सुचारू रूप से चलता है, पाचन तंत्र मजबूत होता है और शरीर में नई ऊर्जा का संचार होता है। थकान और सुस्ती जैसी समस्याएं भी दूर होती हैं।

नीम के अन्य स्वास्थ्य लाभ भी हैं। यह खराब कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने में भी मदद करता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण धमनियों में जमा गंदगी को साफ करते हैं। इससे हृदय रोगों का खतरा कम होता है और रक्त संचार बेहतर बनता है। त्वचा की समस्याओं के लिए भी नीम रामबाण है। मुंहासे, दाग-धब्बे और कील-मुंहासों से परेशान लोगों के लिए नीम की पत्तियों का पेस्ट चेहरे पर लगाना या नीम का रस पीना बहुत फायदेमंद है। नीम में मौजूद एजाडिरेक्टिन नामक तत्व बैक्टीरिया को मारता है और त्वचा को साफ-सुथरा रखता है। नीम के पानी से रोजाना चेहरा धोने से त्वचा में निखार आता है।

नीम को अपनी दिनचर्या में आसानी से शामिल किया जा सकता है। नीम की पत्तियों को उबालकर काढ़ा बनाकर पीया जा सकता है। गर्मियों में नीम के फूलों से बना शर्बत या भूजिया भी स्वास्थ्यवर्धक होता है। सुबह खाली पेट नीम का सेवन पूरे शरीर का डिटॉक्स करता है। यह सर्दी, गर्मी और बरसात हर मौसम में फायदेमंद है।

विशेषज्ञों का कहना है कि नीम जैसी जड़ी-बूटियों को अपनाकर हम लिवर को मजबूत बना सकते हैं और कई बीमारियों से बचाव कर सकते हैं। नीम की कड़वाहट भले ही कड़वी लगे, लेकिन स्वास्थ्य के लिए यह मीठा परिणाम देती है। यह सस्ता, सुरक्षित और पूरी तरह प्राकृतिक उपचार है। हालांकि किसी भी आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी का सेवन शुरू करने से पहले आयुर्वेदिक चिकित्सक से सलाह अवश्य लेनी चाहिए।

कमल, गुड़हल से मौलश्री तक... गर्मियों में ट्राई करें 'फूलों' से बनी चाय, पूरे दिन बनी रहेगी ताजगी और एनर्जी

नई दिल्ली। गर्मियों में चाय के शौकीनों के लिए मुश्किल हो जाती है। गरम चाय शरीर को और गर्म कर देती है, पसीना बढ़ाती है, और कभी-कभी थकान भी महसूस होती है, लेकिन अगर आप चाय पीने के शौकीन हैं और गर्मी में भी ताजगी और एनर्जी बनाए रखना चाहते हैं, तो फूलों से बनी हर्बल टी आपके लिए बेहतरीन विकल्प है।

आयुर्वेद में फूलों को औषधीय गुणों का खजाना माना जाता है। ये फूल न सिर्फ पूजा और श्रृंगार में इस्तेमाल होते हैं, बल्कि सर्दी हो या गर्मी हर मौसम में शरीर और मन दोनों को ताजगी और एनर्जी देने में भी मदद करते हैं। इन फूलों से बनी चाय एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर होती है, जो इम्युनिटी बढ़ाती है, तनाव कम करती है और पूरे दिन एनर्जी बनाए रखती है।कमल की चाय गर्मी में बुखार, प्यास और जलन से राहत देती है। यह मन को शांत रखती है और अच्छी नींद लाती है। गुड़हल या हिबिस्कस विटामिन सी से भरपूर होती है। इससे बनी चाय ब्लड प्रेशर कंट्रोल करती है, इम्युनिटी बूस्ट करती है और त्वचा को चमकदार बनाती है। गर्मी में यह शरीर को ठंडक प्रदान करती है। वहीं, गुलाब की चाय गर्मियों में सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली चाय है। यह मूड अच्छा रखती है, तनाव कम करती है, त्वचा निखारती है और दिन भर की थकान दूर करती है। पाचन भी सुधारती है।

पारिजात या हरसिंगार की चाय जोड़ों के दर्द, सूजन और बुखार में रामबाण है। सर्दी-जुकाम और संक्रमण से बचाती है। बनफशा की चाय खांसी, सांस की समस्या और त्वचा रोगों में फायदेमंद और तनाव दूर करके मन को शांत रखती है। वहीं, कृष्णकमल या पैशन फ्लावर की चाय चिंता, अनिद्रा और तनाव दूर करने में बेहद उपयोगी है। यह अच्छी नींद लाती और मूड सुधारती है।

मौलश्री की चाय बुखार, पुरानी खांसी और त्वचा की समस्याओं में राहत देती है। इस फूल को सर्वगुण संपन्न कहा जाता है। यह तनाव दूर करने में भी कारगर है। विष्णुकांता की चाय याददाश्त बढ़ाती है, दिमाग शांत रखती और एनर्जी बूस्ट करती है। इसका नीला रंग बदलना भी आकर्षक है। वहीं, सूरजमुखी और जैस्मिन की चाय बुखार, सूजन और चिंता दूर करने में मददगार है। लैवेंडर की चाय रिलैक्सेशन के लिए सबसे अच्छी होती है, त्वचा चमकाती है और गर्मी की थकान मिटाती है।फूलों की चाय घर पर आसानी से बनाई जा सकती है। इसके लिए एक कप गर्म पानी में 1-2 चम्मच सूखे या ताजे फूल डालें। 5-10 मिनट ढककर रखें। फिर छान लें। स्वाद के अनुसार इसमें शहद और नींबू मिला सकते हैं। रोजाना 1-2 कप पीने से गर्मी में भी शरीर ठंडा, मन शांत और एनर्जी बनी रहती है।

काला नमक: मात्रा कम लेकिन फर्क बड़ा, संतुलन बनाने में भी मददगार

नई दिल्ली । भारतीय रसोई में काले नमक को स्वाद के लिए इस्तेमाल किया जाता है क्योंकि जिस भी व्यंजन में काला नमक मिलाया जाता है, उसका स्वाद दोगुना हो जाता है।

काला नमक सिर्फ स्वाद को बढ़ाने का साधन नहीं है, बल्कि इसका सेवन शरीर को संतुलित करने में मदद करता है। यह शरीर की कई बीमारियों से निजात दिलाने में सहायता करता है, लेकिन इसके सेवन की सही मात्रा और तरीके के बारे में पता होना जरूरी है।

आयुर्वेद में काले नमक (सौवर्चला लवण) को सामान्य नमक से काफी अलग माना जाता है। काले नमक में सफेद नमक की तुलना में ज्यादा औषधीय गुण होते हैं, जो पेट से जुड़े रोगों को कम करने में मदद करता है। यह शरीर का संतुलन भी बनाए रखता है। खाना खाने के बाद अगर पेट फूलना, गैस बनना, कब्ज की परेशानी या फिर भारीपन महसूस होता है तो काले नमक का सेवन इन सभी परेशानियों को खत्म कर देता है। यह पाचन को सहज बनाता है।

हर चीज की तरह काला नमक भी तभी फायदा देता है, जब उसका सेवन सही समय और मात्रा में किया जाएगा। काले नमक का अधिक मात्रा में सेवन करना भी शरीर के लिए हानिकारक हो सकता है। काले नमक की तासीर गर्म और पाचन में हल्का होता है। यह शरीर में पित्त को नियंत्रित भी करता है और मेटाबॉलिज्म को सुधारने में मदद करता है।

अगर पेट साफ नहीं होता है, तो सुबह खाली पेट चुटकी भर नमक और गुनगुने पानी का सेवन करें। इससे शरीर से विषाक्त पदार्थों आसानी से बाहर निकाल सकते हैं। हालांकि अगर हाई बीपी, किडनी से संबंधित रोग और हड्डियों से जुड़े रोग से पीड़ित हैं तो खाली पेट नमक का सेवन न करें।

काले नमक का सेवन सूजन और दर्द को भी कम करने में मदद करता है।

क्यों बार-बार होती है मीठा खाने की क्रेविंग? शरीर की कमजोरी का है संकेत

नई दिल्ली । मीठा खाना सभी को पसंद है और खाना खाने के बाद अचानक मीठा खाने की क्रेविंग बढ़ जाती है। इस क्रेविंग को लोग सामान्य समझते हैं, लेकिन यह सामान्य प्रक्रिया नहीं, बल्कि शरीर के भीतर की समस्या और हार्मोन असंतुलन को दिखाता है।

कुछ लोगों के अचानक से ही बहुत मीठा खाने की तलब लगती है, भले ही थोड़ी मात्रा में, लेकिन मीठा मिल जाने पर ही मन को चैन आता है, लेकिन इसके पीछे के कारण क्या हैं, यह आयुर्वेद में छिपा है।

मीठा खाने की इच्छा बार-बार होना सिर्फ आदत या मन का लालच नहीं है, यह शरीर की गड़बड़ियों को दिखाता है। हमेशा थकान होने पर या फिर तनाव महसूस करने पर मीठा खाने की इच्छा प्रबल हो जाती है और मीठा खाने के बाद मन को शांति भी मिलती है, लेकिन फिर यह क्रेविंग बढ़ती जाती है। धीरे-धीरे रोजाना मीठा खाने का मन करता है और न खाने पर चिड़चिड़ा महसूस होता है।

अगर बार-बार मीठा खाने की इच्छा हो रही है, तो यह शरीर के असंतुलन के संकेत हैं। जब शरीर के भीतर सभी हार्मोन संतुलित रहते हैं, तो किसी भी स्वाद की तलब नहीं लगती है, चाहे वह मीठा हो या फिर खट्टा। शरीर और मन भूख लगने पर खाने के संकेत देते हैं, किसी एक निश्चित स्वाद के नहीं।

आयुर्वेद में इसे वात और पित्त का असंतुलन माना जाता है। शरीर में जब दोनों दोष असंतुलित हो जाते हैं।

तन-मन के लिए क्यों जरूरी है योगासन? आयुष मंत्रालय से जानें

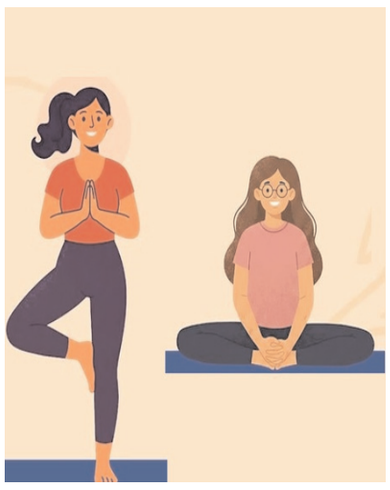

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के बीच भारत सरकार का आयुष मंत्रालय सोशल मीडिया पर लगातार जागरूकता फैला रहा है। अपने लेटेस्ट पोस्ट में मंत्रालय ने बताया कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव, थकान और मानसिक असंतुलन आम समस्या बन चुकी है। ऐसे में योगासन तन और मन दोनों को स्वस्थ रखने का सबसे आसान, प्राकृतिक और प्रभावी उपाय है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, योगासन सिर्फ शारीरिक व्यायाम नहीं हैं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करने का बेहतरीन माध्यम हैं। नियमित अभ्यास से शरीर लचीला और मजबूत बनता है, जबकि मन शांत और संतुलित होता है। ऐसे में लोगों से अपील करता है कि योग को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करें और स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं।

एक्सपर्ट बताते हैं कि आसन मजबूती और स्थिरता का निर्माण करते हैं। ये शारीरिक आसन मन, शरीर और आत्मा को एक साथ लाने में मदद करते हैं। इससे लचीलापन बढ़ता है, तालमेल सुधरता है, सहनशक्ति बढ़ने के साथ ही पूरी सेहत बेहतर होती है।

योग एक्सपर्ट बताते हैं कि योग कोई व्यायाम मात्र नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है। इसे रोजाना थोड़े समय के लिए भी शामिल करने से तनाव मुक्ति, मानसिक स्पष्टता और शारीरिक स्थिरता मिलती है। विशेषकर युवाओं और व्यस्त लोगों के लिए योगासन तन-मन को स्वस्थ रखने का सबसे अच्छा उपाय है। योग का अभ्यास हर उम्र के लोगों के लिए फायदेमंद है। चाहे बच्चे हों या बुजुर्ग, सभी को इससे लाभ होता है। योगासनों से शरीर को ही नहीं बल्कि मन को भी कई लाभ मिलते हैं।

शरीर को मजबूत और लचीला बनाना :- योगासन मांसपेशियों को मजबूत करते हैं, जोड़ों की गतिशीलता बढ़ाते हैं और शरीर में रक्त संचार सुधारते हैं। इससे थकान कम होती है और ऊर्जा का स्तर बना रहता है।

मन को शांत और संतुलित करना :- नियमित अभ्यास तनाव और चिंता को कम करता है। मन की एकाग्रता बढ़ती है, भावनात्मक संतुलन स्थापित होता है और बेहतर नींद आती है।

स्क्वैश: वीर चोटरानी हैम्बर्ग में हुए रोमांचक मुकाबले में फ्रांस के मासोटी से हारे

हैम्बर्ग । भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी वीर चोटरानी शुक्रवार को हैम्बर्ग में खेले गए पीएसए कांस्य-स्तर हैम्बर्ग ओपन में पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में दुनिया के नंबर 19 फ्रांस के बाप्टिस्ट मासोटी से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

पांच गेम और 69 मिनट तक चले इस मुकाबले में मासोटी ने 12-10, 9-11, 14-12, 9-11, 11-6 से जीत दर्ज की।

चोटरानी ने मैच में शानदार संघर्ष दिखाया और दो बार वापसी करते हुए मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचाया, लेकिन अंतिम गेम में फ्रांसीसी खिलाड़ी ने बेहतर नियंत्रण दिखाते हुए जीत हासिल की।

इससे पहले, चोटरानी ने प्री-क्वार्टर फाइनल में बड़ा उलटफेर करते हुए 8वीं सीड और घरेलू खिलाड़ी कंदरा को सीधे गेमों में 11-8, 11-7, 11-7 से हराया था। इस जीत के साथ उन्होंने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी और शानदार फॉर्म का परिचय दिया था।

टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती पूरी तरह सफल नहीं रही। अभय सिंह और रमित टंडन जैसे अन्य भारतीय खिलाड़ी शुरुआती दौर में ही बाहर हो गए। अभय सिंह को इंग्लैंड के सैम टॉड ने 9-11, 11-7, 4-11, 2-11 से हराया, जबकि रमित टंडन हंगरी के बालाज फार्कस से 10-12, 11-4, 5-11, 9-11 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

महिला वर्ग में भी भारत को निराशा हाथ लगी। पूर्व विश्व नंबर 10 जोशना चिनप्पा को न्यूजीलैंड की जोएल किंग ने 11-9, 11-7, 9-11, 11-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। जोशना ने मुकाबले में एक गेम जरूर जीता, लेकिन अनुभव और निरंतरता की कमी के कारण वह आगे नहीं बढ़ सकीं।

इस बीच, स्पेन की मार्टा डोमिंगेज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आठवीं सीड को हराकर पहली बार कांस्य-स्तर टूर्नामेंट के अंतिम आठ में जगह बनाई। उन्होंने लगातार छह हार के सिलसिले को तोड़ते हुए 11-7, 9-11, 11-5, 11-3 से जीत हासिल की।

आईपीएल 2026: एसआरएच ने सीएसके को 10 रनों से हराया

हैदराबाद । आईपीएल 2026 के 27वें मुकाबले में शनिवार को सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को 10 रनों से हराया। राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में 195 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सीएसके की टीम 20 ओवर में 8 विकेट गंवाकर 184 रन ही बना सकी। यह एसआरएच की इस सीजन की तीसरी जीत है।

195 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। संजू सैमसन बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 3 गेंदों में 7 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद दूसरे विकेट के लिए कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने आयुष म्हात्रे के साथ मिलकर 51 रनों की अहम साझेदारी निभाई। ऋतुराज 13 गेंदों में 19 रन बनाने के बाद आउट हुए। वहीं, म्हात्रे ने 13 गेंदों का सामना करते हुए 5 चौके और एक छक्के की मदद से 30 रन बनाए। मैथ्यू शॉर्ट ने 34 रनों का योगदान दिया। सरफराज खान अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे और वह 19 गेंदों में 25 रन बनाकर ईशान मलिंगा का शिकार बने।

डेवाल्ड ब्रेविस को शिवांग कुमार ने बिना खाता खोले पवेलियन भेजा। वहीं, शिवम दुबे को 21 रनों के स्कोर पर साकिब हुसैन ने क्लीन बोल्ड किया। जेमी ओवरटन 15 गेंदों में 16 रन बनाने के बाद प्रफुल्ले हिंगा का शिकार बने। अंशुल कंबोज 8 गेंदों में 13 रन बनाकर नाबाद रहे। गेंदबाजी में एसआरएच की तरफ से ईशान मलिंगा ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 29 रन देकर 3 विकेट चटकाए, जबकि नीतीश कुमार रेड्डी ने 2 विकेट निकाले। शिवांग कुमार और साकिब हुसैन ने एक-एक विकेट अपने नाम किया।

इससे पहले टॉस गंवाने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद को अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड ने दमदार शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 75 रन जोड़े। हेड 20 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए, जबकि अभिषेक ने महज 22 गेंदों का सामना करते हुए 6 चौके और 4 छक्कों की मदद से 59 रन बनाए। वहीं, कप्तान ईशान किशन बिना खाता खोले मुकेश चौधरी का शिकार बने। हेनरिक क्लासेन ने 39 गेंदों में 59 रनों की शानदार पारी खेली। क्लासेन ने अपनी इस पारी में 6 चौके और 2 छक्के लगाए।

अनिकेत वर्मा 2 रन ही बना सके, जबकि नीतीश कुमार रेड्डी ने 12 और सलिल अरोड़ा ने 13 रन बनाए। लिविंगस्टन एक रन ही बना पाए, तो शिवांग कुमार ने 12 रनों का योगदान दिया। गेंदबाजी में सीएसके की तरफ से अंशुल कंबोज और जेमी ओवरटन ने 3-3 विकेट चटकाए। वहीं, मुकेश चौधरी ने 2 विकेट अपने नाम किए। यह सीएसके की इस सीजन की छठे मुकाबले में चौथी हार है।

जसप्रीत बुमराह का सही इस्तेमाल नहीं कर पा रही मुंबई इंडियंस: मिशेल मैक्लेनाघन

नई दिल्ली । आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस (एमआई) का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है। टीम ने सीजन की शुरुआत तो जीत के साथ की थी, लेकिन उसके बाद लगातार 4 मैच हारी है। सीजन में एमआई के लिए जो खिलाड़ी अब तक सर्वाधिक असफल रहे हैं, उनमें जसप्रीत बुमराह का नाम सबसे ऊपर है।

यह आश्चर्यजनक है कि बुमराह पिछले 5 मैचों में एक भी विकेट नहीं ले सके हैं। उनकी गेंदों पर रन भी बन रहे हैं। एमआई के लिए खेल चुके न्यूजीलैंड के बाएं हाथ के पूर्व तेज गेंदबाज मिशेल मैक्लेनाघन ने जसप्रीत बुमराह की असफलता का कारण बताया है।

स्टार स्पोर्ट्स के 'अमूल क्रिकेट लाइव' पर जियोस्टार के एक्सपर्ट मिशेल मैक्लेनाघन ने कहा कि जसप्रीत बुमराह का सही इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है। इसी वजह से वह अपना प्रभाव छोड़ पाने में सफल नहीं हो सके हैं।

मैक्लेनाघन ने कहा, 'बुमराह को अक्सर पहले ओवर के बाद अटैक पर लाया जाता है, जिससे वह डैमेज कंट्रोल की स्थिति में आ जाता है, न कि अपनी शर्तें मनवा पाता है। आप चाहते हैं कि वह गेंदबाजी की शुरूआत करे, पहला ओवर डाले, और शुरू से ही विरोधी टीम पर दबाव डाले। मुंबई इंडियंस को फिर से सोचना होगा कि वे उसका इस्तेमाल कैसे कर रहे हैं, क्योंकि उसे गेम में पहले लाने से काफी फर्क पड़ सकता है।

वानखेड़े में हुए मैच में मुंबई इंडियंस ने पहले खेलते हुए 6 विकेट पर 195 रन बनाए थे। पंजाब ने 16.3 ओवर में 5 विकेट पर 198 रन बनाकर मैच जीता था। पंजाब के लिए प्रभसिमरन ने 39 गेंदों पर नाबाद 80 और अय्यर ने 35 गेंदों पर 66 रन बनाए थे। इस मैच में बुमराह ने 4 ओवर में बिना कोई विकेट लिए 41 रन दिए थे।

बुमराह ने पिछले 5 मैचों में 19 ओवर फेंके हैं और 164 रन देने के बावजूद एक भी विकेट नहीं ले सके हैं।

हीरो से जीरो बने रिंकू सिंह, आईपीएल 2026 में लगातार असफलता ने बढ़ाई केकेआर की परेशानी

नई दिल्ली। आईपीएल 2023 में 9 अप्रैल को अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस (जीटी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच मैच खेला गया था। इस मैच ने भारतीय क्रिकेट को रिंकू सिंह के रूप में एक बड़ा सितारा दिया था जिसके दिन आजकल गर्दिश में चल रहे हैं।

पहले 9 अप्रैल को हुए उस मैच को याद कर लेते हैं। 205 रन के लक्ष्य का सामना कर रही केकेआर को आखिरी ओवर में जीत के लिए 29 रन चाहिए थे। क्रीज पर रिंकू सिंह 16 गेंदों पर 18 और उमेश यादव 5 गेंदों पर 4 रन बनाकर खेल रहे थे। आखिरी ओवर में इतने रन बनाकर कोई टीम नहीं जीती थी, इसलिए केकेआर जीत की उम्मीद छोड़ चुकी थी, लेकिन उस मैच के आखिरी ओवर में जो हुआ वो क्रिकेट इतिहास की रोमांचक यादों में दर्ज हो गया।

जीटी की तरफ से गेंदबाजी के लिए आए यश दयाल की पहली गेंद पर उमेश यादव ने सिंगल लेकर स्ट्राइक रिंकू सिंह को दे दी। इसके बाद रिंकू ने लगातार 5 छक्के लगाते हुए केकेआर को जीत दिला दी। क्रिकेट इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ था जब किसी बल्लेबाज ने लगातार 5 छक्के लगाते हुए अपनी टीम को जीत दिलाई थी। रिंकू 21 गेंदों पर 48 रन बनाकर नाबाद लौटे।

इस मैच के बाद रिंकू सिंह न सिर्फ केकेआर के, बल्कि भारतीय क्रिकेट के सबसे प्रतिभाशाली और भरोसेमंद चेहरे के रूप में उभरे। उन्हें भारतीय क्रिकेट टीम में मौका मिला। टीम इंडिया के लिए भी उनका प्रदर्शन प्रभावशाली रहा। फिनिशर के रूप में कई अच्छी पारियां उनके बल्ले से आईं। हालांकि, वह भारतीय टीम से अंदर-बाहर होते रहे हैं। टी20 विश्व कप 2026 जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे रिंकू का विश्व कप के शुरुआती मैचों में अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा था, और उनकी जगह संजू सैमसन को टीम में जगह दी गई थी। केकेआर ने रिंकू सिंह में हमेशा अपना भविष्य देखा।

भारतीय महिला हॉकी टीम की जबरदस्त वापसी, अर्जेंटीना के खिलाफ सीरीज 2-2 पर खत्म

ब्यूनस आयर्स। भारतीय महिला हॉकी टीम ने अर्जेंटीना के खिलाफ चार मुकाबलों के दौरे को 2-2 की बराबरी पर खत्म किया। सीरीज की मुश्किल शुरुआत के बाद, भारतीय टीम ने शानदार वापसी करते हुए अपने आखिरी 2 मैच जीतकर दौरे का शानदार अंत किया।

इस दौरे की शुरुआत 13 अप्रैल को एक कड़े मुकाबले वाले मैच से हुई, जिसमें नवनीत कौर (22') और अन्नू (29') ने भारत के लिए गोल किए। हालांकि, अर्जेंटीना ने यह मैच 4-2 से जीता, जिसमें मारिया एमिलिया लार्सन (11'), विक्टोरिया ग्रैनाटो (18'), और जूलिएटा जानकुनास (42', 55') ने गोल किए, लेकिन भारत ने पूरे मैच के दौरान जोरदार आक्रामक खेल दिखाया।14 अप्रैल को खेले गए दूसरे मुकाबले में, इशिका (22') ने भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई, लेकिन मेजबान टीम ने 2-1 से करीबी जीत दर्ज की। अर्जेंटीना की तरफ से दोनों गोल अगस्टिना गोरजेलानी (34', 48') ने दागे।

16 अप्रैल को तीसरे मैच में भारत ने अपनी लय हासिल कर ली और 2-1 से जीत दर्ज करके सीरीज में अपनी उम्मीदें जिंदा रखीं। नवनीत कौर (26') और नेहा (37') दोनों ने पेनाल्टी कॉर्नर से गोल करके भारत को 2-0 की आरामदायक बढ़त दिलाई।

अर्जेंटीना की अगस्टिना गोरजेलानी (52') के आखिरी समय में किए गए गोल के बावजूद, भारतीय टीम ने अपना संयम बनाए रखा और जीत हासिल करके आखिरी दिन के मुकाबले को रोमांचक बना दिया।

17 अप्रैल को, सीरीज का आखिरी मुकाबला कड़ा था जो 0-0 की बराबरी पर खत्म हुआ। दोनों टीमों को गोल करने के मौके मिले, लेकिन भारतीय डिफेंडरों ने पूरे मैच के दौरान मजबूती से डटे रहकर कोई गोल नहीं होने दिया। शूटआउट में, भारत ने अपना संयम बनाए रखा और 3-2 से जीत दर्ज करके यह सुनिश्चित किया कि सीरीज बराबरी पर खत्म हो।

अब टीम अपने घर लौटेगी, जहां वे अपना ट्रेनिंग कैंप जारी रखेंगी और इन सकारात्मक नतीजों को आगे बढ़ाएंगी।

टी20 सीरीज: लौरा वोल्वार्ड्ट का अर्धशतक, भारतीय महिला टीम को पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका ने हराया

डरबन । भारतीय महिला क्रिकेट टीम और दक्षिण अफ्रीका महिला टीम के बीच शुक्रवार को 5 टी20 मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला डरबन में खेला गया जिसमें टीम इंडिया को 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा।

दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। भारतीय टीम के लिए शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने पारी की शुरुआत की और पहले विकेट के लिए 5 ओवर में 46 रन जोड़े। वर्मा 20 गेंदों पर 5 चौकों और 1 छक्के की मदद से 34 रन बनाकर आउट हुईं। इसके ठीक बाद मंधाना भी 13 रन बनाकर आउट हो गईं।

48 रन पर 2 विकेट गंवा चुकी भारतीय टीम को जेमिमा रोड्रिग्स और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने संभाला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 71 रन की साझेदारी की। रोड्रिग्स 29 गेंदों पर 36 रन बनाकर आउट हुईं। टीम इंडिया के निचले क्रम के बल्लेबाजों ने निराश किया। किसी ने भी क्रीज पर मौजूद कप्तान कौर का साथ नहीं दिया। कौर 33 गेंदों पर 1 छक्का और 5 चौकों की मदद से 47 रन बनाकर नाबाद लौटीं।

अंजू बॉबी जॉर्ज: विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट

नई दिल्ली। अंजू बॉबी जॉर्ज भारत की एक सम्मानित एथलीट रही हैं। ऊंची कूद में वह देश का प्रतिनिधित्व करने वाली शीर्ष महिला एथलीट रही हैं, और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पदक जीतकर उन्होंने देश का नाम रोशन किया है।

अंजू का जन्म 19 अप्रैल, 1977 दक्षिण मध्य केरल के कोट्टायम जिले के छोटे से कस्बा चीरनचीरा में हुआ। उन्होंने पांच वर्ष की उम्र में एथलेटिक्स स्पर्धाओं में भाग लेना शुरू कर दिया था। एथलेटिक्स में आगे आने के लिए अंजू को अपनी मां और पिता से काफी सहयोग मिला। अंजू स्कूल के समय से ही ऊंची कूद की प्रतिभाशाली एथलीट के रूप में उभरीं।

अंजू बॉबी जॉर्ज का करियर लंबा और सफलताओं से भरपूर रहा है। पी.टी उषा को अपना आदर्श मानने वाली जॉर्ज ने अपनी कड़ी मेहनत और संकल्प की बदौलत एथलेटिक्स के क्षेत्र में बड़ा नाम बनाया और लाखों महिला एथलीटों के प्रेरणा के रुप में उभरीं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पदक जीत उन्होंने देश का नाम रोशन किया।

उनकी कुछ प्रमुख उपलब्धियों पर नजर डालें तो वह विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने वाली प्रथम भारतीय महिला एथलीट हैं। उन्होंने वर्ष 2003 में पेरिस में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। इसके अलावा, 1999 में अंजू ने दक्षिण एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रजत पदक जीता। 2001 में अंजू ने लम्बी कूद रिकार्ड कायम किया। उन्होंने 6.74 मीटर लम्बी छलांग लगाई। उनकी दुनिया में 13वीं रैंकिंग रही है। विश्व चैंपियनशिप के लिए सातवीं रैंकिंग भी मिल चुकी है।

मैनचेस्टर में 2002 में खेले गए राष्ट्रमंडल खेलों में उन्होंने कांस्य पदक जीता। 2002 में ही बुसान में आयोजित एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता। एथेंस ओलंपिक में 2004 में, अंजू को ध्वजवाहक का सम्मान प्राप्त हुआ। उन्होंने 2005 में वर्ल्ड एथलेटिक्स फाइनल में स्वर्ण पदक जीता, जिसे वह अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन मानती हैं।

आईपीएल 2026: एसआरएच ने डेविड पेन की जगह दक्षिण अफ्रीका के इस तेज गेंदबाज को शामिल किया

हैदराबाद । सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने शनिवार की शाम को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ होने वाले मैच से पहले इंजरी की वजह से सीजन से बाहर हुए डेविड पेन के रिप्लेसमेंट का ऐलान कर दिया है।

एसआरएच ने डेविड पेन के रिप्लेसमेंट के रूप में दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी ऑलराउंडर गेराल्ड कोएत्जी को टीम में शामिल किया है। कोएत्जी को एसआरएच ने 2 करोड़ में अपने साथ जोड़ा है। वह आईपीएल 2026 की नीलामी में नहीं बिके थे।

कोएत्जी पूर्व में आईपीएल का हिस्सा रह चुके हैं। वह मुंबई इंडियंस और गुजरात टाइटंस की तरफ से खेल चुके हैं। दोनों टीमों के लिए खेलते हुए 14 मैचों में उनके नाम 15 विकेट हैं।

गेराल्ड निचले क्रम के उपयोगी बल्लेबाज भी हैं। इसलिए उनके जुड़ने से एसआरएच की गेंदबाजी के साथ-साथ बल्लेबाजी भी मजबूत हुई है।

एसआरएच के लिए अच्छी खबर यह भी है कि इंजरी से रिकवरी की प्रक्रिया से गुजर रहे टीम के नियमित कप्तान पैट कमिंस को भी पूरी तरह से फिट घोषित किया जा चुका है। वह जल्द टीम से जुड़ेंगे। कमिंस 25 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले मैच में एसआरएच की तरफ से खेलते हुए दिख सकते हैं।

कमिंस एक विश्व विजेता कप्तान हैं। उनके जुड़ने से एसआरएच का नेतृत्व पक्ष मजबूत होगा, साथ ही टीम की गेंदबाजी और बल्लेबाजी भी मजबूत होगी।

एसआरएच के प्रदर्शन पर गौर करें तो टीम सीजन के शुरुआती 5 मैचों में 2 जीत और 3 हार के साथ 4 अंक लेकर अंकतालिका में पांचवें स्थान पर है। शनिवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ होने वाला मुकाबला टीम के बहुत अहम है। इस मैच में जीत दर्ज कर टीम अंकतालिका में अपनी स्थिति मजबूत कर सकती है।

आरआर के खिलाफ पिछले मैच में एसआरएच के लिए डेब्यू करने वाले तेज गेंदबाजों प्रफुल्ल हिंगे और साकिब ने बेहतरीन गेंदबाजी की थी ।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415